हिन्दी दैनिक

प्रत्यूष नवबिहार

जोहार

रांची संस्करण

www.tezraftarlive.com
Email-navbiharjh@gmail.com

रांची, पटना और दिल्ली से प्रकाशित

रांची • रविवार • 14.09.2025 • वर्ष : 16 • अंक : 54 • पृष्ठ : 12 • आमंत्रण मूल्य : ~~3 रुपये~~ 2 रुपये

पीएम ने मणिपुर में 7,300 करोड़ रुपये से अधिक की विकास परियोजनाओं की आधारशिला रखी

मैं साथ हूं, मणिपुर के सभी संगठन शांति के रास्ते पर आगे बढ़कर सपने पूरे करें : मोदी

पहली बार रेल नेटवर्क से जुड़ा मिजोरम, पीएम मोदी ने 3 ट्रेनों को वर्चुअली दिखाई हरी झंडी

एजेंसी

चूड़ाचांदपुर : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को मणिपुर के चूड़ाचांदपुर में 7,300 करोड़ रुपये से अधिक की विकास परियोजनाओं की आधारशिला रखी। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि मणिपुर की ये धरती हौसलों और हिम्मत की धरती है। ये हिल्स प्रकृति का अनमोल उपहार हैं, और साथ ही ये हिल्स आप सभी लोगों की निरंतर मेहनत का भी प्रतीक हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने मणिपुर के सभी संगठनों से अपील की है कि वे शांति के रास्ते पर आगे बढ़कर अपने सपनों को पूरा करें। उन्होंने इन संगठनों को भरोसा दिया कि वे उनके साथ खड़े हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा, हमें संतोष है कि हाल ही में हिल्स और वैली में अलग-अलग संगठनों के साथ समझौतों के लिए बातचीत हुई है। ये भारत सरकार के उन प्रयासों का हिस्सा है, जिसमें संवाद, सम्मान और आपसी समझ को महत्व देते हुए शांति की स्थापना के लिए काम किया जा रहा है। मैं सभी संगठनों से अपील करूंगा कि शांति के रास्ते पर आगे बढ़कर अपने सपनों को पूरा करें। मैं आपके साथ हूं, भारत सरकार मणिपुर के लोगों के साथ है। मणिपुर के लोगों के जज्बे को सैल्यूट करते हुए पीएम मोदी ने कहा, आप इतनी भारी बारिश में भी इतनी बड़ी संख्या में यहां आए, मैं इस प्यार के लिए आपका आभार व्यक्त करता हूं। उन्होंने कहा कि भारी बारिश के कारण मेरा हेलीकॉप्टर नहीं आ पाया इसलिए मैंने सड़क मार्ग से आने का फैसला किया। प्रधानमंत्री ने कहा कि मणिपुर के नाम में ही मणि है, ये वो मणि है जो आने वाले समय में पूरे नॉर्थ-ईस्ट की चमक को बढ़ाने वाली है। भारत सरकार का निरंतर प्रयास रहा है कि मणिपुर को विकास के रास्ते पर तेजी से आगे ले जाएं। इसी कड़ी में मैं यहां आप सभी के बीच आया हूं।

उन्होंने कहा, मणिपुर में जिंदगी को पटरी पर लाने के लिए केंद्र सरकार हर संभव प्रयास कर रही है। सरकार मणिपुर को पीस, प्रोस्पेरिटी और प्रोग्रेस का प्रतीक बनाने का लक्ष्य लेकर चल रहे हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा कि पहले यहां गांवों में पहुंचना कितना मुश्किल था, आप सभी जानते हैं। अब सैकड़ों गांवों में यहां रोड कनेक्टिविटी पहुंचाई गई है। इसका बहुत अधिक लाभ पहाड़ी लोगों को, ट्राइबल गांवों को हुआ है। भाजपा सरकार के दौरान ही मणिपुर में रेल कनेक्टिविटी का विस्तार हो रहा है। जीरीबाम-इंफाल रेलवे लाइन बहुत जल्द राजधानी इंफाल को नेशनल रेल नेटवर्क से जोड़ देगी। आपको बता दें, प्रधानमंत्री मोदी का चुराचांदपुर पहुंचने पर जोरदार स्वागत किया गया। उन्होंने शहर के स्थानीय लोगों से बातचीत भी की। इससे पहले शनिवार सुबह पीएम मोदी ने मिजोरम के आइजोल में 9000 करोड़ रुपये से अधिक के विकास कार्यों का शिलान्यास और उद्घाटन किया। प्रधानमंत्री मोदी 13 से 15 सितम्बर तक देश के पांच राज्यों (मिजोरम, मणिपुर, असम, पश्चिम बंगाल और बिहार) के दौरे पर रहेंगे।

प्रधानमंत्री ने मिजोरम में 9 हजार करोड़ की परियोजनाओं का किया उद्घाटन

आइजोल : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को मिजोरम में 9 हजार करोड़ रुपये से अधिक की विकास परियोजनाओं का उद्घाटन एवं शिलान्यास किया। इनमें 8,070 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित बैराबी-सैरांग रेल लाइन प्रमुख है, जो राज्य की राजधानी आइजोल को भारतीय रेलवे नेटवर्क से जोड़ती है। प्रधानमंत्री ने खराब मौसम के कारण आइजोल नहीं पहुंच पाने पर लंगपुई हवाई अड्डे से वर्चुअल माध्यम से जनता को संबोधित किया। इस दौरान मिजोरम के राज्यपाल वी. के. सिंह, मुख्यमंत्री लालदूहामा और रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव आइजोल स्थित लम्मुआल मैदान में उपस्थित थे। मोदी ने कहा, आज का दिन न केवल मिजोरम बल्कि पूरे देश के लिए ऐतिहासिक है। अब आइजोल भारतीय रेल मानचित्र पर शामिल हो गया है। कठिन भौगोलिक परिस्थितियों और अनेक चुनौतियों के बावजूद बैराबीझसैरांग रेल लाइन का पूरा होना दृढ़ निश्चय और सामूहिक संकल्प का प्रमाण है। उन्होंने कहा कि यह रेल परियोजना रोजगार सृजन, पर्यटन को बढ़ावा और शैक्षिक, सांस्कृतिक एवं आर्थिक संबंधों को सशक्त करेगी।

एशिया कप 2025 : ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारत-पाकिस्तान के बीच मुकाबला आज

एजेंसी

दुबई : देश में चल रही बॉयकॉट मुहिम के बीच रविवार को दुबई में भारत और पाकिस्तान के बीच एक हाई वोल्टेज मुकाबला खेला जाएगा। आमतौर पर दोनों देशों के बीच होने वाले मैचों को लेकर जबरदस्त उत्साह और चर्चा रहती है, लेकिन इस बार देश में चल रहे बॉयकॉट अभियान और हालिया परिस्थितियों के चलते वह जोश देखने को नहीं मिल रहा है।

एशिया कप में भारत-पाक का हेड टू हेड

कुल मैच : 19	पाकिस्तान : 6
भारत : 10	नो रिजल्ट : 3

एशिया कप में पाकिस्तान के विरुद्ध भारत का पलड़ा हमेशा भारी रहा है और मौजूदा भारतीय टीम भी संतुलित और मजबूत नजर आ रही है। हर विभाग के खिलाड़ी अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। सीमा पर पिछले कुछ महीनों में बढ़े तनाव के बावजूद इस मैच को लेकर किसी तरह की अतिरिक्त हाइप नहीं बनी है।

हालांकि, खिलाड़ियों और टीम प्रबंधन के लिए यह मुकाबला बेहद महत्वपूर्ण है, क्योंकि करीब चार महीने बाद भारत में होने वाले टी-20 विश्व कप की तैयारियों के लिहाज से इसे एक बड़े अभ्यास अवसर के रूप में देखा जा रहा है। दिलचस्प बात यह है कि कई सालों में पहली बार भारत-पाकिस्तान क्रिकेट मैच में वह जुनून और उमंग की कमी दिखाई दे रही है, जो सामान्य तौर पर इस पारंपरिक प्रतिद्वंद्विता का अभिन्न हिस्सा रहा है। इसके बावजूद, दोनों देशों के करोड़ों प्रशंसकों की निगाहें इस मुकाबले पर टिकी रहेंगी।

भारत-पाकिस्तान के हौसले बुलंद

पाकिस्तान ने ग्रुप स्टेज के अपने पहले मुकाबले में ओमान को 93 रनों से हराकर जीत के साथ शुरूआत की है। वहीं, भारतीय टीम भी संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) पर नौ विकेट से जीत के साथ उत्साहित है। ऐसे में दोनों टीमों के बीच दुबई अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम पर कड़ी टक्कर देखने को मिलेगी। इस मुकाबले की पूर्व संध्या पर पाकिस्तान के स्टार बल्लेबाज सैम अयूब ने गेंदबाजी लाइनअप पर बात की।

यह मैच दर्शकों के लिए बड़ा हो सकता है

यूं तो जब भी भारत-पाकिस्तान की टीमें आमने-सामने होती हैं तो खेल के साथ-साथ भावनाओं का भी टकराव होता है। हालांकि, अयूब के लिए यह सिर्फ एक मैच है। उन्होंने कहा, 'यह मैच दर्शकों के लिए बड़ा हो सकता है, लेकिन हमारे लिए यह सिर्फ अगला मैच है। हम हर मुकाबले को एक ही प्रक्रिया के तहत खेलते हैं। पुरानी यादों का कोई मतलब नहीं। इस टूर्नामेंट का महत्व सबसे ज्यादा है।'

एक नजर

वक्फ संशोधन कानून पर कल अंतरिम फैसला सुनाएगा एससी

नयी दिल्ली : सुप्रीम कोर्ट वक्फ संशोधन अधिनियम के कुछ प्रावधानों पर लगी अंतरिम रोक को लेकर सोमवार यानी 15 सितंबर को फैसला सुनाएगा। इससे पहले मामले में 22 मई को सुप्रीम कोर्ट ने फैसला सुरक्षित रख लिया था। अब सुप्रीम कोर्ट तय करेगा कि वक्फ कानून 2025 पर अंतरिम रोक लगाई जाए या नहीं। बता दें कि इससे पहले तीन दिनों की मैराथन सुनवाई में सभी पक्षों की दलीलें पूरी हुई थी जिसके बाद सीजेआई बी आर गवई और जस्टिस ए जी मसीह की बेंच ने फैसला सुरक्षित रख लिया था। याचिकाकर्ताओं ने जहां कानून को मुसलमानों के धार्मिक स्वतंत्रता के अधिकार के खिलाफ और भेदभावपूर्ण बताते हुए अंतरिम रोक लगाने की मांग की है।

एक करोड़ की इनामी नक्सली सुजाता ने डीजीपी के समक्ष किया आत्मसमर्पण

एजेंसी

जगदलपुर : छत्तीसगढ़ के बस्तर में लंबे समय तक सक्रिय रही नक्सली और वर्षों से भूमिगत प्रतिबंधित सीपीआई (माओवादी) की सबसे वरिष्ठ सीसीएम नेता पोथुला पद्मावती उर्फ कल्पना उर्फ मैनाबाई उर्फ म्यनाक्का उर्फ सुजाता ने शनिवार को तेलंगाना पुलिस महानिदेशक डॉ. जितेन्द्र के समक्ष आत्मसमर्पण कर दिया।

यह 62 वर्षीय वरिष्ठ सीसीएम नेता सुजाता तेलंगाना के जोगुलाम्बा गडवाल जिले के गट्टू मंडल के पेंचिकालपाडु गांव की निवासी है। नक्सली औरसीसीएम नेता सुजाता बस्तर में हुई कई बड़ी नक्सल वारदातों में शामिल रही है। लेकिन वह पिछले कई वर्षों से भूमिगत थी। 01 करोड़ की इनामी सुजाता का आत्मसमर्पण नक्सल संगठन के लिए अब तक का सबसे बड़ा झटका माना जा रहा है। सुजाता नक्सली कमांडर किशनजी की पत्नी है। हालांकि किशनजी को वर्ष 2011 में पश्चिम बंगाल में एक मुठभेड़ में ढेर किया जा चुका है। इसके बाद सुजाता ने भी नक्सल संगठन छोड़कर मुख्यधारा में लौटने का निर्णय लिया और आज तेलंगाना पुलिस के मुखिया के सामने आत्मसमर्पण कर दिया।

सुजाता नक्सली कमांडर किशनजी की पत्नी है। मल्लोजुला कोटेश्वर राव उर्फ किशनजी ने पूरे पूर्वी भारत में नक्सल संगठन की कमान संभाली थी, वहीं अपने एनकाउंटर से पहले किशनजी नक्सल संगठन का सबसे चर्चित चेहरा रहा था। किशनजी ने पत्रकारों को सबसे अधिक इंटरव्यूज भी दिए थे। उल्लेखनीय है कि किशनजी का छोटा भाई मल्लोजुला वेणुगोपाल राव उर्फ अभय वर्तमान में नक्सलियों का प्रवक्ता है और शीर्ष नक्सल पद पोलित ब्यूरो सदस्य है।

सुशीला कार्की बनीं नेपाल की पहली महिला प्रधानमंत्री

संसद भंग, पांच मार्च को होगा अगला संसदीय चुनाव

एजेंसी

काठमांडू : नेपाल को नई अंतरिम सरकार मिल गई है। पूर्व मुख्य न्यायाधीश सुशीला कार्की ने शुक्रवार शाम नेपाल की पहली महिला प्रधानमंत्री के रूप में पद एवं गोपनीयता की शपथ ली। शपथग्रहण समारोह राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल की मौजूदगी में शीतल निवास में संपन्न हुआ। शपथ लेते ही सुशीला कार्की ना सिर्फ देश की पहली महिला प्रधानमंत्री, बल्कि पहली महिला कार्यकारी प्रमुख भी बन गई हैं। इससे पहले वह नेपाल की पहली महिला मुख्य न्यायाधीश रह चुकी हैं।

देश में बीते कुछ दिनों से जारी राजनीतिक संकट के बीच शुक्रवार को पूरे दिन चली बैठकों के बाद यह निर्णय लिया गया कि मौजूदा संसद भंग की जाएगी। यह फैसला जेनरेशन-जेड के नेतृत्व में हुए विरोध प्रदर्शनों की मुख्य मांगों में से एक था। इसके बाद सरकार और राष्ट्रपति कार्यालय ने अंतरिम प्रधानमंत्री के रूप में सुशीला कार्की की नियुक्ति को हरी झंडी दी। इसी के साथ राष्ट्रपति ने संसद को भंग कर, कार्की को नई जिम्मेदारी सौंप दी।

नेपाल में राजनीतिक संकट तब गहराया जब सरकार ने सोशल मीडिया पर बैन लगाने का फैसला किया। इस फैसले से नाराज होकर हजारों युवा सड़कों पर उतर आए। विरोध को दबाने के लिए जब पुलिस ने बल का इस्तेमाल किया, तो स्थिति और बिगड़ गई। हिंसक झड़पों में कई लोगों की मौत हुई और पूरे देश में अराजकता का माहौल बन गया। हालात बेकाबू होते देख प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली ने मंगलवार को इस्तीफा दे दिया।

कार्की का भारत से भी गहरा नाता सुशीला कार्की का शिक्षा और करियर में भारत से भी जुड़ाव रहा है। उन्होंने बनारस हिंदू विश्वविद्यालय से राजनीति शास्त्र में मास्टर्स किया था। 1979 में उन्होंने वकालत की शुरूआत की और आगे चलकर वह नेपाल की पहली महिला चीफ जस्टिस बनीं।

झारखण्ड सरकार
GOVERNMENT OF JHARKHAND

संतोष कुमार गंगवार
राज्यपाल, झारखण्ड

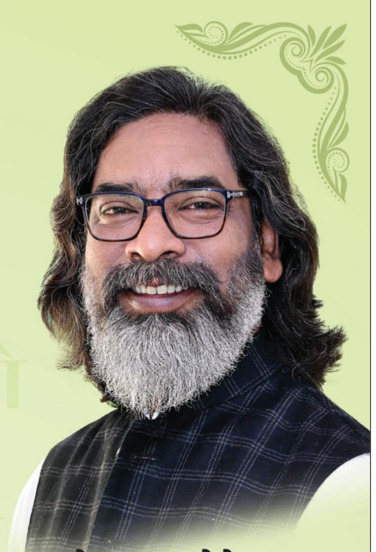

हेमन्त सोरेन
मुख्यमंत्री, झारखण्ड

हिन्दी दिवस
की हार्दिक शुभकामानाएं एवं जोहार

सन्देश

हिंदी हमारे देश की सबसे समृद्ध और व्यापक रूप से बोली जाने वाली भाषाओं में से एक है। यह न केवल संवाद का माध्यम है, बल्कि हमारी संस्कृति, परंपरा और भावनाओं की अभिव्यक्ति का भी प्रमुख साधन है। हिंदी न केवल हमारी सांस्कृतिक पहचान है, बल्कि यह देश की एकता, अखंडता और भावनात्मक एकजुटता का भी सशक्त माध्यम है। यह वह भाषा है जिसने स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान हमें एक सूत्र में बांधा और आज भी देश के कोने-कोने में संवाद का सेतु बनी हुई है।

हमारा झारखंड राज्य सांस्कृतिक विविधता और भाषायी समृद्धि से परिपूर्ण है। यहाँ बोली जानेवाली संथाली, मुंडारी, हो, खोरठा, नागपुरी, कुडुख आदि जनजातीय / क्षेत्रीय भाषाओं और बोलियों के बीच हिन्दी संवाद और समन्वय की भूमिका बखूबी निभा रही है। यह हम सबके लिए गर्व की बात है कि हिंदी ने हमारी भाषायी विविधता को एक साझा मंच प्रदान किया है।

आज के युग में हमें हिंदी को केवल बोलचाल तक सीमित नहीं रखना है, बल्कि इसे शिक्षा, विज्ञान, तकनीक, प्रशासन और रोजगार के क्षेत्रों में भी आगे बढ़ाना है। झारखंड में हिंदी भाषा के प्रचार-प्रसार, शोध और विकास के लिए राज्य सरकार संकल्पित है, और इसके लिए आवश्यक कदम लगातार उठाए जा रहे हैं।

हिंदी दिवस हमें यह स्मरण कराता है कि हमें अपनी मातृभाषा का सम्मान करना है। इस अवसर पर राज्य के युवाओं, विद्यार्थियों, शिक्षकों, साहित्यकारों, सभी बुद्धिजीवियों और शिक्षण संस्थानों से आग्रह है कि वे हिंदी भाषा के संरक्षण, संवर्धन और समृद्धि के लिए निरंतर प्रयासरत रहें।

आइए, हम सब मिलकर इस हिंदी दिवस पर यह संकल्प लें कि हिंदी को जन-जन की भाषा बनाने की दिशा हम सभी अपनी भूमिका निभाएँगे।

कार्मिक, प्रशासनिक सुधार तथा राजभाषा विभाग, झारखण्ड सरकार

PR- 361065 (Personnel Administrative Reforms and Raj Bhasa) 25-26

एक नजर

सर्पदंश से मधुइयाढाब निवासी विकलांग मुकेश की मौत

बड़कागांव : नापो पंचायत के ग्राम इसको टोला मधुइयाढाब निवासी से विकलांग मुकेश कुमार (32 वर्ष) पिता कैलास महतो का आकस्मिक निधन सांप काटने से शनिवार को हो गई। सर्पदंश के बाद तुरंत परिजनों ने बड़कागांव प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ले गये। स्थिति नाजुक देखते हुए डॉक्टरों ने हजारीबाग सदर रेफर कर दिया जहां मुकेश ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। पोस्टमार्टम के बाद शव को परिजनों को सौंप दिया गया। मुकेश घर का एकमात्र कमाऊ सदस्य था एवं पैर से विकलांग था। बड़ी मुश्किल से वह अपना एवं अपने परिवार का भरण पोषण करता था। वे अपने पीछे पत्नी समेत एक पुत्र (13 वर्ष) एक पुत्री (12 वर्ष) छोड़ गए। मौत की खबर सुनते हैं गांव में मातम पसर गया एवं परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। ग्रामीणों ने परिजनों के लिए मुआवजे की मांग की है।

चौपारण में मिठाई के नाम पर बिक रहा जहर

चौपारण : प्रखंड के विभिन्न क्षेत्रों में मिठाई के नाम पर जहर बेचा जा रहा है। जानकारी मिली है कि गिरिडीह जिले के डुमरी से बड़ी मात्रा में रसगुल्ले लाकर चौपारण के कई होटलों और दुकानों में खुलेआम बेचा जा रहा है। स्थानीय लोगों के अनुसार ये रसगुल्ले न केवल घटिया क्वालिटी के हैं, बल्कि इनमें मिलावट भी इतनी है कि सेहत के लिए बेहद खतरनाक साबित हो सकते हैं। सस्ते दाम और ज्यादा मुनाफे के लालच में होटल संचालक व दुकानदार इन मिठाइयों को धड़ल्ले से बेच रहे हैं। यह जानकारी स्थानीय सूत्रों से प्राप्त हुई है। किसी भी प्रकार की खरीद-बिक्री करते समय सावधानी बरतें। गौर करने वाली बात यह है कि अभी तक इस पर प्रशासन या स्वास्थ्य विभाग की कोई सख्त कार्रवाई नहीं हुई है। इससे लोगों में नाराजगी और चिंता दोनों है। ग्रामीणों ने मांग की है कि इस तरह के मिलावटी रसगुल्ले और अन्य मिठाईयों की जांच कर दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की जाए।

कोयला कर्मियों की अनुग्रह राशि बढ़ी अब 25 लाख मिलेगा मुआवजा

भुरकुंडा : सीसीएल कोलियरी कर्मचारी संघ ने खान दुर्घटना की स्थिति में कोयला कर्मियों की अनुग्रह राशि 15 लाख से बढ़ाकर 25 लाख रुपए बढ़ाए जाने पर हर्ष व्यक्त किया है। इसे लेकर सीसीएल कोलियरी कर्मचारी संघ के महामंत्री शशिभूषण सिंह ने प्रेस बयान जारी कर केंद्रीय कोयला मंत्री जी. किशन रेड्डी और भारतीय मजदूर संघ के कोयला उद्योग प्रभारी के. लक्ष्मा रेड्डी के प्रति आभार प्रकट किया है। उन्होंने कहा है कि कोयला मंत्रालय ने श्रमिकों की अनुग्रह राशि (एक्स ग्रेसिया) को 15 लाख से बढ़ाकर 25 लाख रुपए कर दिया है। यह मेहनतकश श्रमिकों के हित में उठाया गया बेहद महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा की बीते वर्ष 17 दिसंबर को हुई स्टैंडिंग कमेटी ऑन सेफ्टी इन कोल माइंस की बैठक में भारतीय मजदूर संघ के कोयला उद्योग प्रभारी के. लक्ष्मा रेड्डी ने इस सुझाव को प्रमुखता से रखा था। कोयला मंत्रालय के इस निर्णय से श्रमिकों में खुशी देखी जा रही है। भारतीय मजदूर संघ राष्ट्र हित, उद्योग हित और मजदूर हित के संकल्प के साथ निरंतर अपनी प्रतिबद्धता निभा रहा है।

रामगढ़ कल्याण विभाग में 25 लाख रुपये का घोटाला, प्राथमिकी दर्ज

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रामगढ़ : रामगढ़ जिला कल्याण कार्यालय में लगभग 25 लाख रुपये का घोटाला का मामला शनिवार को प्रकाश में आया है। यह घोटाला पशुधन योजना के आपूर्ति करता अमजद हुसैन के जरिये किया गया है। इस घोटाले में आईडीबीआई बैंक के कर्मचारियों और कल्याण विभाग के कर्मियों ने अमजद हुसैन का भरपूर सहयोग दिया। इस मामले का खुलासा तब हुआ जब जिला कल्याण पदाधिकारी सिद्धार्थ शंकर चौधरी ने रामगढ़ थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई। उन्होंने पुलिस को बताया कि वित्तीय वर्ष 2023-24 में मुख्यमंत्री पशुधन योजना की राशि से 24 लाख 81 हजार 600 रुपये की अवैध निकासी कर ली गई है। यह अवैध निकासी फर्जी हस्ताक्षर के आधार पर की गई है। जिला कल्याण पदाधिकारी सिद्धार्थ शंकर चौधरी ने रामगढ़ पुलिस को घोटाले की पूरी जानकारी दी है। उन्होंने बताया कि 11 नवंबर 2023 को समिति की ओर से 358 लाभुकों को चयनित किया गया था। राज्य सरकार से जिला कल्याण कार्यालय को सूकर पालन, बकरी पालन, बैकयार्ड लेयर कुकुट, बॉयलर कुकुट और बतक पालन के लिए लगभग 94 लाख रुपये मिले थे। यह रुपये आईडीबीआई बैंक में रखे गए थे और उसे सीधे लाभुकों के बीच भुगतान नहीं करने का निर्देश दिया गया था। जिला कल्याण पदाधिकारी ने बताया कि पांच पत्रांक पर किए गए हस्ताक्षर फर्जी थे। उन्होंने बताया कि सभी पत्रांक वर्ष 2025 के आगत निर्गत पंजी में दर्ज नहीं है। उन सभी पत्रों पर जिला कल्याण पदाधिकारी का हस्ताक्षर भी फर्जी है। उन पत्रों पर अंकित हस्ताक्षर, बैंक को भेजे गए हस्ताक्षर के नमूने से भी अलग हैं। जिला कल्याण कार्यालय से पत्रांक संख्या 1342 जारी कर बैंक से पूछा गया कि बैंक ने किन पत्रों के आदेश पर उन लोगों के खाते में उतनी रकम हस्तांतरित की है। पूरी जांच कार्यालय कर्मी अमित कुमार दास को? बैंक भेज कर भी कराई गई। बैंक ने पत्रांक संख्या 631 को दिखाया और वह पत्र की मूल प्रति से भिन्न पाया गया। उस पत्र पर पालन सूची के 98 लाभुकों से संबंधित है। बैंक में मिले पत्र और कार्यालय में दर्ज पत्र में भी काफी अंतर पाया गया। जिला कल्याण पदाधिकारी ने बताया कि अमजद हुसैन को पत्रांक संख्या 331 बैंक में जमा करने के लिए उपलब्ध कराया गया था। लेकिन अमजद हुसैन ने उसमें छेड़छाड़ कर दी। बत्तख पालन श्रेणी के 98 लाभुकों की मूल सूची को पूर्णतः बदलकर उसने अपने हिसाब से नई सूची लगा दी। उस सूची पर जिला कल्याण पदाधिकारी का हस्ताक्षर भी फर्जी था। प्रत्येक पृष्ठ पर प्रधान सहायक का हस्ताक्षर मिला। मूल सूची के अनुसार लाभुकों को बतक पालन के लिए 1700 ही मिलने वाले थे। परंतु सप्लायर अमजद हुसैन की ओर से बदली गई सूची में बॉयलर कुकुट पालन एवं बैकयार्ड लेयर कुकुट पालन की राशि 67,500 एवं 1,18,200 अंकित कर दी गई। वही राशि का भुगतान बैंक की ओर से उन पांच पत्रों पर किया गया जो आगत और निर्गत पंजी में दर्ज नहीं थे। बैंक ने आपूर्ति करता अमजद हुसैन ग्राम अमवाईटीकर थाना लातेहार के खाते में कर दिया। उसके खाते में कुल 24 लाख 81 हजार 600 ट्रांसफर किए गए हैं। जिला कल्याण पदाधिकारी सिद्धार्थ शंकर चौधरी ने बताया कि जब सप्लायर को फजीर्वाड़ी के बारे में पता चला तो वह मात्र डेढ़ लाख रुपये वापस कर पाया।

महमूद आलम ने स्वास्थ्य मंत्री से मुलाकात कर सौंपा मांग पत्र

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : झारखंड आंदोलनकारी मोर्चा के मुख्य संयोजक महमूद आलम ने राज्य के स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी से उनके आवास पर शिष्टाचार मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने आंदोलनकारियों के हितों और क्षेत्रीय विकास से जुड़ी कई अहम मांगों को लेकर एक ज्ञापन सौंपा। जिसमें चिन्हित झारखंड आंदोलनकारियों को चिकित्सा सुविधा के साथ-साथ 20 लाख रुपये का स्वास्थ्य बीमा हजारीबाग जिले के विष्णुगढ़ को अनुमंडल का दर्जा देने और विष्णुगढ़ प्रखंड के ग्राम नवादा में झारखंड आंदोलनकारी मेडिकल कॉलेज स्थापित करने की मांग भी रखी गई। ज्ञापन पर सकारात्मक प्रतिक्रिया देते हुए स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी ने आश्वासन

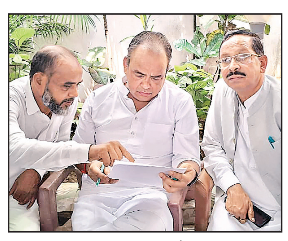

दिया कि विष्णुगढ़ को अनुमंडल का दर्जा दिलाने के लिए कार्मिक एवं प्रशासनिक सुधार विभाग, झारखंड सरकार को आवश्यक कार्रवाई हेतु निर्देश दिया गया। महमूद आलम ने जानकारी दी कि आने वाले दिनों में झारखंड आंदोलनकारी मोर्चा द्वारा विष्णुगढ़ प्रखंड के ग्राम नवादा में एक भव्य सम्मान समारोह का भी आयोजन किया जाएगा जिसमें मुख्य अतिथि स्वास्थ्य मंत्री डॉ इरफान अंसारी उपस्थित होंगे और चिन्हित आंदोलनकारियों को सम्मानित किया जाएगा।

चौपारण बना तस्करों का गढ़, वन विभाग ने जब्त किया कोयला लदा ट्रक

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

चौपारण : वन विभाग ने शनिवार की सुबह गुप्त सूचना पर त्वरित कार्रवाई करते हुए कोयला लदा एक ट्रक जब्त कर लिया। पकड़े गए ट्रक की नंबर प्लेट जेएच 02 एयू-1029 बताई जा रही है। इस कार्रवाई के बाद इलाके में सनसनी फैल गई है और तस्करों में हड़कंप मच गया है। चौपारण क्षेत्र लंबे समय से तस्करों का अड्डा बना हुआ है। यहाँ से कोयला तस्करी, गौ तस्करी, लकड़ी तस्करी, मांगुर मछली की अवैध सप्लाई, शराब व डीजल तस्करी, देह व्यापार, अफीम, गांजा और ब्राउन शुगर जैसे बड़े मामले लगातार सामने आते रहे हैं। हर बार कार्रवाई होने के बावजूद तस्करों के हौसले बुलंद रहते हैं और नए-नए गिरोह सक्रिय हो जाते हैं। यही वजह है कि लोग अब तंज कसते हुए कहने लगे हैं कि चौपारण तो चौपारण है,

यहां अवैध कारोबार की जड़ इतनी गहरी है कि खत्म होना मुश्किल है। वन विभाग की इस कार्रवाई से यह साफ हो गया है कि प्रशासन अवैध कारोबार को रोकने के लिए सजग है, लेकिन असली चुनौती इन धंधों की जड़ों तक पहुँचकर पूरे नेटवर्क को तोड़ने की है। स्थानीय लोगों का कहना है कि छोटे-छोटे तस्करों को पकड़ लेने से समस्या खत्म नहीं होगी। असली सरगना और उनके संरक्षणदाताओं पर भी शिकंजा कसना जरूरी है। ग्रामीणों में इस समय आक्रोश और गुस्से का माहौल है। लोग आरोप लगा रहे हैं कि अवैध धंधों ने समाज का माहौल बिगाड़ दिया है। अपराध और नशे की लत बढ़ रही है, युवा गलत रास्तों पर जा रहे हैं। ग्रामीण प्रशासन से सख्त कार्रवाई की मांग कर रहे हैं और कह रहे हैं कि इस बार आधे-अधूरे कदम से काम नहीं चलेगा। इधर, वन विभाग का दावा है कि चौपारण में तस्करों के खिलाफ लगातार अभियान चलाया जा रहा है और किसी को भी बख्शा नहीं जाएगा।

सीसीएल जीएम कार्यालय में रक्तदान शिविर, 134 लोगों ने किया रक्तदान

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रामगढ़ : कुजू सीसीएल कुजू जीएम कार्यालय के समीप परिजात गेस्ट हाउस में शनिवार को सतर्कता जागरूकता अभियान के तहत रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का विधिवत उद्घाटन सीसीएल कुजू जीएम राजीव कुमार सिन्हा ने फीता काटकर व दीप प्रज्वलित कर किया। मौके पर रोटरी सेंट्रल प्राइम ब्लड सेंटर ने 134 लोगों का रक्त संग्रह किया। इस अवसर पर जीएम राजीव सिन्हा ने कहा कि रक्तदान से बड़ा कोई दान नही है। रक्तदान करने से किसी की जिंदगी बचाई जा सकती है। कहा कि आज देश को जितनी ब्लड की जरूरत है उतनी उपलब्ध नहीं हो पा रही है, इसके लिए जागरूकता फैलाने की जरूरत है। इसी उद्देश्य के साथ सीसीएल परिवार द्वारा शिविर का आयोजन किया गया है। सीसीएल कोयला उत्पादन के

अलावे सामाजिक कार्यों में भी सक्रियता है। वही, युवाओं से भी रक्तदान जैसे कार्यों में आगे आने की अपील की। जिससे अन्य को भी प्रेरणा मिलेगी। इस अवसर पर क्षेत्र के शिक्षक, अधिकारी और कर्मियों ने बढ़ चढ़कर भाग लिया। वहीं, जीएम ने रक्तदान करने वालों को प्रशस्ति पत्र, प्रमाणपत्र, मोमेंटो सौंपा। इस अवसर पर ब्लड सेंटर के निदेशक डॉ दिनेश कुमार, अध्यक्ष डॉ एनडी सहाय, इंचार्ज सुनील गुप्ता, तानिया कुनार, रोटरी क्लब रामगढ़ सेंट्रल के अध्यक्ष विशाल वासुदेव, विकास बंसल, सीसीएल एसओपी पल्लव चक्रवती, अर्पिता महिला मंडल सदस्य रेखा सिन्हा, स्वर्णलता, शोभा मुंडा, संजना, एएमओ मीनू पांडियन, सुमित सारंगी, प्रताप रंजन, भूषण यादव, पीओ रामेश्वर मुंडा, एमके सिंह, आरपी पवन, गोविंद साहू, अविनाश श्रीवास्तव, डॉ मंजूनाथ, अजय मेहता, राजू रविदास, कुमारी अनिता, शंकर रजक, हेमंत सिंह, प्रदीप राम, ज्योतिंद्र प्रसाद साहू, हरि महतो समेत कई लोग शामिल रहे।

बरकाकाना दुर्गा पूजा की तैयारियां जोर-शोर से, मेला टिकट दरों पर उठे सवाल

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बरकाकाना : शरदीय नवरात्र शुरू होने में अब जहां कुछ ही दिन बाकी है। जिले के विभिन्न पूजा पंडालो में मूर्ति स्थापित किए जाने को लेकर निर्माण कार्य युद्ध स्तर पर किया जा रहा है। बरकाकाना दुर्गा पूजा जिला में आकर्षण का केंद्र होता है। जहां कपाट खुलते ही पूजा अर्चना किए जाने को लेकर श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ने लगती है। वहीं दूसरी और जिला प्रशासन द्वारा मेला का उद्घाटन किए जाने के बाद से ही श्रद्धालुओं द्वारा विभिन्न तरह का झूले का आनंद लेते हुए देखा जा सकता है। क्षेत्र में नया नगर बरकाकाना, गांधी मैदान दुर्गा मंडप, चिल्ड्रन पार्क व सहायक मंडल अभियंता कार्यालय में माता की मूर्ति स्थापित कर पूजा अर्चना की जाती है। चारों पूजा स्थान पर प्रसिद्ध मंदिर व पर्यटक स्थल का प्रारूप बनाया जाता है। नया नगर बरकाकाना के पूजा अपने मेले के लिए प्रसिद्ध है। वही बरकाकाना के गांधी मैदान में चलंत मूर्ति स्थापित की जाती है। जिसमें महिषासुर वध दिखाया जाता है। जिस कारण श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ने लगती है। जिला प्रशासन द्वारा भीड़ को नियंत्रित किए जाने को लेकर भी चुनौती बनी रहती है। प्रत्येक दिन लगभग लाखों की संख्या में श्रद्धालु बरकाकाना के विभिन्न पंडाल में पहुंचकर माता का दर्शन करते हैं। नया नगर बरकाकाना में इस बार ओडिशा के कृष्ण मंदिर की तर्ज पर पंडाल का प्रारूप बनाया जा रहा है। पूजा समिति के लोगों द्वारा बताया गया कि पंडाल निर्माण कार्य 6 लाख 75 हजार रुपये की लागत से बन रही है। मूर्ति के लागत 1 लाख 70 हजार, विद्युत सज्जा 3 लाख 60 हजार का होगा। जबकि मेला में इस वर्ष श्रद्धालुओं द्वारा मौत का कुआं, टोरा टोरा, डिजनी लैड, मिक्की माउस सहित कई तरह के झूला का आनंद लिया जाएगा।

उपायुक्त ने आजीविका परियोजनाओं का किया निरीक्षण

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रामगढ़ : उपायुक्त रामगढ़ फैज एक अहमद मुमताज ने शनिवार को गोला प्रखंड का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने संग्रामपुर पंचायत के सरलाकला गांव के बेदिया जारा टोला में गोबर गैस, लाह खेती, मुर्गी पालन सहित अन्य परियोजनाओं का निरीक्षण किया। यह गांव कुल 45 घरों का है, जिनमें से 35 घरों में गोबर गैस प्लांट का निर्माण सिद्धा संस्था द्वारा एक निजी फाउंडेशन के सहयोग से कराया गया है। वहीं शेष 3 घरों में उन्नत चूल्हे उपलब्ध कराए गए हैं। यह टोला तायमा जलच्छादन क्षेत्र के अंतर्गत आता है। पूरे जलच्छादन क्षेत्र में संस्था द्वारा कुल 150 घरों में गोबर गैस प्लांट और 175 घरों में उन्नत चूल्हे लगाए गए हैं। इसके अतिरिक्त 150 घरों में पोषण वाटिका हेतु सब्जी

बीज वितरित किए गए, जिससे परिवारों की सब्जी खपत बढ़ी और महिलाओं एवं किशोरियों में पोषण संबंधी समस्याओं में कमी आई है। निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने स्वयं लाभुकों के घरों का निरीक्षण कर गोबर गैस के माध्यम से लाभुकों को हो रहे लाभ का जायजा लिया। मौके पर उपायुक्त ने ग्रामीणों से सीधा संवाद कर उन्हें मिल रहे लाभ आदि की जानकारी ली। इस दौरान उपायुक्त में प्रखंड विकास पदाधिकारी गोला डॉ सुधा वर्मा को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। निरीक्षण के क्रम में उपायुक्त को जानकारी दी गई की आजीविका को बढ़ावा देने के लिए संस्था ने 60 परिवारों को लाह की खेती हेतु कुसुम पेड़ों पर लाह का बीज उपलब्ध कराया है। लाह की खेती से ग्रामीणों को 20 से 35 हजार रुपये तक की आमदनी हो रही है। इसी तरह 150 परिवारों को कड़कनाथ मुर्गे एवं मुर्गियां वितरित की गईं, जिससे ग्रामीण अंडा उत्पादन कर स्वयं उपयोग करने के साथ-साथ अतिरिक्त आय भी अर्जित कर रहे हैं। निरीक्षण के दौरान उपायुक्त को बताया गया कि संस्था का उद्देश्य है कि पूरे तायमा जलच्छादन क्षेत्र को जीरो कार्बन उत्सर्जन क्षेत्र के रूप में विकसित किया जाए। इस दिशा में संस्था के प्रतिनिधियों और ग्रामीणों ने उपायुक्त से सहयोग का अनुरोध किया, जिस पर उपायुक्त ने उन्हें सभी तरह के सहयोग उपलब्ध कराए जाने हेतु आश्वासित किया। निरीक्षण के दौरान गांव का और तीव्र गति से विकास करने के उद्देश्य से उपायुक्त ने डीएमएफटी सहित अन्य योजनाओं के माध्यम से विभिन्न विकास कार्य किए जाने को लेकर प्रखंड विकास पदाधिकारी को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। भ्रमण के दौरान तिरतनाथ महतो, बिर्भल बेदिया, अनीता देवी, दीपह्माला देवी, अनीता देवी सहित अनेक ग्रामीण उपस्थित थे। वहीं गोला प्रखंड विकास पदाधिकारी डॉ सुधा वर्मा, संग्रामपुर पंचायत के मुखिया सीताराम मुंडा तथा संस्था की ओर से सूरज पासवान और संधीत कुमार भी मौजूद रहे।

संक्षिप्त खबरें

उच्च विद्यालय केवाल में साइकिल वितरण कार्यक्रम संपन्न

बरही : उत्क्रमित उच्च विद्यालय, केवाल में शनिवार को शिक्षक-अभिभावक सह साइकिल वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जिला परिषद उपाध्यक्ष किशुन यादव उपस्थित रहे। उन्होंने विद्यालय के शैक्षणिक माहौल को और सुदृढ़ बनाने हेतु अभिभावकों से सक्रिय सहयोग की अपील की। इस दौरान उन्होंने कक्षा आठवीं के छात्र- छात्राओं के बीच साइकिल एवं कॉपी का वितरण किया गया। मौके पर मुखिया प्रतिनिधि खिरोधर यादव, विद्यालय प्रबंधन समिति के अध्यक्ष भूषण प्रताप सिंह, प्राचार्य अयोध्या कुम्हार एवं शिक्षकगण मथुरा प्रसाद, पीताम्बर प्रसाद, ऋषिकेश कुमार सिंह, कृष्ण कुमार, सुनीता कुमारी, पूनम कुमारी और बसंत कुमार शामिल हुए।

कर्णपुरा महाविद्यालय बड़कागांव में गुरु सम्मान समारोह का हुआ आयोजन

बड़कागांव : कर्णपुरा महाविद्यालय, बड़कागांव में शनिवार को एक भव्य गुरु सम्मान समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें शिक्षकों की गरिमा, समाज में उनके योगदान तथा विद्यार्थियों के भविष्य-निर्माण में उनकी महत्त्वपूर्ण भूमिका को सम्मानपूर्वक रेखांकित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. कीर्तिनाथ महतो ने की। समारोह का शुभारंभ दीप प्रज्वलन एवं सरस्वती वंदना के साथ हुआ। इसके पश्चात विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने सभी का मन मोह लिया। इस अवसर पर महाविद्यालय के विभिन्न विभागों के वरिष्ठ एवं सेवानिवृत्त शिक्षकों को अंगवस्त्र, पुष्पगुच्छ तथा स्मृति-चिह्न भेंट कर सम्मानित किया गया। विद्यार्थियों ने अपने गुरुजनों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करते हुए भावनात्मक शब्दों में अर्पित की। समारोह में उपस्थित मुख्य अतिथि ने अपने प्रेरणादायक संबोधन में कहा, रशिक्षक केवल ज्ञान का प्रदाता ही नहीं होता, बल्कि समाज का मार्गदर्शक भी होते है। ऐसे आयोजनों से शिक्षकों का मनोबल बढ़ता है तथा युवा पीढ़ी को अपने संस्कारों से जुड़ने की प्रेरणा मिलती है। प्रो.फजरूद्दीन अहमद ने समारोह के सफल आयोजन के लिए आयोजन समिति, शिक्षकों, कर्मचारियों तथा छात्र-छात्राओं को धन्यवाद ज्ञापित किया। उन्होंने कहा कि महाविद्यालय भविष्य में भी ऐसे प्रेरणास्पद कार्यक्रमों का आयोजन करता रहेगा। समारोह का समापन राष्ट्रगान के साथ किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय के शिक्षक प्रतिनिधि डॉ. निरंजन प्रसाद नीरज, प्रो. सुरेश महतो, प्रो. फजरुद्दीन, प्रो. नरेश कुमार दांगी, डॉ. अनु कुमारी, प्रो. ऋतुराज, प्रो. रंजीत प्रसाद, डॉ. ललिता कुमारी, प्रो. लालदेव महतो, डॉ. पवन कुमार, डॉ. चंद्रशेखर राणा, प्रो. रामकिशोर प्रसाद दांगी, लेखापाल डॉ. सनवीर कुमार, नेमधारी राम, अनिता देवी, चंचल प्रसाद मेहता, धनेश्वर महतो, धनु प्रसाद, अंजना कुमारी, जयमनी देवी, मालती देवी सहित अन्य कर्मचारी एवं सैकड़ों छात्र-छात्राएँ उपस्थित थे ।

गाली में जितिया पूजा एवं मेला को लेकर ग्रामीणों की हुई बैठक

बड़कागांव : बड़कागांव प्रखंड अंतर्गत गोंदलपुरा पंचायत स्थित सुदूर ग्रामीण क्षेत्र गाली गांव में जितिया पूजा एवं मेला आयोजन करने को लेकर ग्रामीणों की बैठक हुई। जिसकी अध्यक्षता विवेक रावत एवं संचालन फलेद्र गंझु ने किया। बैठक में विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी धूमधाम से जितिया पूजा करने एवं मेला का आयोजन करने का निर्णय लिया गया। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि विधायक रोशन लाल चौधरी, विशिष्ट अतिथि प्रमुख फुलवा देवी, मुखिया बासुदेव यादव उपस्थित रहेंगे। वहीं कमेटी गठन में फलेद्र गंझु को अध्यक्ष, गिरजा भुईया सचिव, टिकेश्वर गंझु को कोषाध्यक्ष बनाया गया वहीं जेठीयत में बंधु गंझु, पाहन ललित भुईया, को बनाया गया है तथा समिति सदस्य में अनूप कुमार, अवधेश कुमार, विवेक रावत, प्रमोद कुमार, प्रेम कुमार, दिलीप राम, मनोज गंझु, रंजीत कुमार, पवन कुमार, सीताराम, राजन कुमार को बनाया गया है। विवेक रावत ने कहा कि गाली गांव में विगत कई वर्षों से जितिया पर्व के मौके पर विशाल मेला का आयोजन होता है जिसमें कई गांव के लोग शामिल होते हैं।

उत्क्रमित मध्य विद्यालय सोहरा में साइकिल वितरण, बच्चों के चेहरे खिले

चौपारण : दैहर पंचायत स्थित उत्क्रमित मध्य विद्यालय सोहरा में वर्ग अष्टम के छात्र-छात्राओं के बीच साइकिल का वितरण किया गया। कार्यक्रम में पंचायत के मुखिया ब्रमदेव भुइयाँ ने बच्चों को साइकिल सौंपा। इस अवसर पर कुल 19 छात्र-छात्राओं को लाभ मिला, जिसमें 12 छात्र एवं 7 छात्राएँ शामिल थीं। ये सभी बच्चे एससी और ओबीसी वर्ग से आते हैं। साइकिल मिलने के बाद बच्चों के चेहरे खुशी से खिल उठे और विद्यालय परिसर में उत्साह का माहौल दिखा। मुखिया प्रतिनिधि नागेन्द्र कुमार ने बताया कि इस योजना का उद्देश्य बच्चों को विद्यालय आने-जाने में सुविधा देना तथा शिक्षा के प्रति प्रोत्साहित करना है। उन्होंने कहा कि अब बच्चे लंबी दूरी तय करने में कठिनाई महसूस नहीं करेंगे और नियमित रूप से विद्यालय आ सकेंगे।

एक नजर

विनय चौबे की बेल पर 16 सितंबर को फैसला

रांची : हजारीबाग डीसी रहते हुए सेवायत भूमि घोटाला करने के आरोपी निलंबित आईएएस विनय चौबे की जमानत याचिका पर हजारीबाग एसीबी कोर्ट 16 सितंबर को अपना फैसला सुनाएगा। विनय चौबे की जमानत याचिका पर शुक्रवार को सुनवाई हुई थी। सुनवाई के दौरान एसीबी और बचाव पक्ष की ओर से बहस पूरी होने के बाद कोर्ट ने अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था। अब कोर्ट विनय चौबे की बेल पर क्या फैसला सुनाता है यह देखना काफी दिलचस्प होगा। विनय चौबे की ओर से अधिवक्ता शंकर बनर्जी ने बहस की। वहीं एसीबी की ओर से विशेष लोक अभियोजक अभिषेक कृष्ण गुप्ता ने बहस की। विनय चौबे ने जिस मामले में हजारीबाग एसीबी कोर्ट से बेल मांगी है उस मामले में अगस्त महीने प्राथमिकी दर्ज की गई थी। एसीबी ने इस संबंध में कांड संख्या 9/2025 दर्ज की है। इससे पहले विनय चौबे झारखंड शराब घोटाला मामले में भी आरोपी बनाए गए थे लेकिन तय समय के अंदर चार्जशीट दाखिल नहीं होने के कारण उन्हें लाभ मिला और उन्हें शराब घोटाला केस में उन्हें जमानत मिल गई।

नगर निगम ने 6 दुकानों पर लगाया 18 हजार का जुर्माना

रांची : रांची नगर निगम ने शहर को कचरा मुक्त और साफ-सुथरा बनाने के लिए जीरो टॉलरेंस नीति अपनाई है। इसी कड़ी में आज उप प्रशासक रविंद्र कुमार ने अपर बाजार क्षेत्र का निरीक्षण किया। इस दौरान सफाई व्यवस्था की जांच की गई और सड़क पर कचरा फैलाने वाले 6 प्रतिष्ठानों पर कुल 18,000 रुपये का जुर्मार्ना लगाया गया। निरीक्षण के दौरान उप प्रशासक ने दुकानदारों को हरा और नीला डस्टबिन रखना अनिवार्य करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि निगम अब 'Zero tolerance on littering' की नीति पर काम कर रहा है और कचरा फैलाने वालों पर आगे भी सख्त कार्रवाई होगी। इस मौके पर सहायक प्रशासक चंद्रदीप कुमार, नगर प्रबंधक, इनफोर्समेंट टीम और संबंधित सुपरवाइजर भी मौजूद थे। नगर निगम ने सभी दुकानदारों और भवन मालिकों से अपील की है कि गीला और सूखा कचरा अलग-अलग करके ही निगम के वाहनों को दें।

अपने वादे पूरी करे हेमन्त सरकार : नायक

रांची : आदिवासी मूलवासी जनाधिकार मंच के केंद्रीय उपाध्यक्ष सह पूर्व विधायक प्रत्याशी विजय शंकर नायक ने झारखंड के राज्यपाल, मुख्यमंत्री, मुख्य सचिव को पत्र लिख कर यह चेतावनी दी ह कि यह पत्र न केवल एक स्मरण पत्र है, बल्कि आपके द्वारा किए गए वादों की धज्जियां उड़ाने वाली आपकी सरकार की लापरवाही एवं विश्वासघात पर एक कड़ा प्रहार है। श्री नायक ने आगे कहा कि माननीय मुख्य मंत्री जी आपको याद होगा कि आपने अपने मुख्य मंत्री पद ग्रहण करने के समय एवं विभिन्न सार्वजनिक सभाओं में बार-बार घोषणा की थी कि आदिवासी एवं मूलवासी समाज के बेरोजगार युवाओं को ठेकेदारी के कार्यों (जैसे निर्माण, विकास योजनाओं एवं सरकारी ठेकों) में आरक्षण प्रदान किया जाएगा। यह वादा झारखंड के मूल निवासियों के सशक्तिकरण एवं रोजगार के अधिकार को मजबूत करने का प्रतीक था। आदिवासी समाज, जो झारखंड की लगभग 26 फीसदी आबादी का प्रतिनिधित्व करता है एवं मूलवासी जो राज्य की सांस्कृतिक धरोहर हैं, लंबे समय से सरकारी योजनाओं के ठेकेदारी कार्यों में बहिष्कृत हैं। बाहरी ठेकेदारों एवं गैर-मूल निवासियों द्वारा इन अवसरों पर कब्जा जमाए जाने से हमारे युवा भटकाव की ओर धकेल दिए गए हैं। आपका यह वादा हमें उम्मीद की किरण लगी थी, लेकिन आज, 12 सितंबर 2025 तक एक भी कदम नहीं उठाया गया।

रिम्स की व्यवस्था सुधारने को लेकर शासी परिषद की हुई अहम बैठक

सरकारी अस्पताल से बाहर निजी प्रैक्टिस करनेवाले डॉक्टरों पर गिरेगी गाज : मंत्री

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : रिम्स सहित राज्यभर के सरकारी अस्पतालों में ड्यूटी करनेवाले डॉक्टरों पर गाज गिरेगी। ड्यूटी के दौरान अस्पताल से बाहर निजी प्रैक्टिस करने वाले डॉक्टरों की पहचान कर उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। यह बातें स्वास्थ्य, चिकित्सा शिक्षा एवं परिवार कल्याण विभाग के मंत्री डॉ इरफान अंसारी ने रिम्स सभागार में कही। मंत्री शनिवार को राजेन्द्र आयुर्विज्ञान संस्थान (रिम्स) रांची में शासी परिषद की महत्वपूर्ण बैठक की अध्यक्षता करते हुए बोल रहे थे। इस दौरान उन्होंने रिम्स की बेहतरी के लिए कई आवश्यक दिशा-निर्देश दिया। साथ ही 16 अहम एजेंडों पर समीक्षा की गई। मंत्री ने कहा कि सरकार की मंशा रिम्स को देश के बेहतरीन संस्थानों की श्रेणी में लाने की है। इसके लिए हर स्तर पर ठोस

बदलाव की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है।

मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन के मार्गदर्शन में यह सुधार अभियान लगातार जारी है। उन्होंने कहा कि आनेवाले समय में मरीजों को बेहतर इलाज और आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएगी।

मौके पर उन्होंने रिम्स की व्यवस्था सुधारने की दिशा में स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी-पदाधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि प्रबंधन तत्काल रिम्स में एमआरआई मशीन की खरीद प्रक्रिया को पूरा करें। ट्रॉमा सेंटर में खराब पड़े वेंटीलेटरों को मरम्मत किया जाए या बदलने की कार्रवाई यथाशीघ्र पूरा हो। मंत्री ने रिम्स की साफ-सफाई और बिल्डिंग की मरम्मत पर विशेष ध्यान देने पर जोर दिया। बैठक में शाही परिषद की अगली बैठक आगामी नौ अक्टूबर को आयोजित करने पर सहमति बनी। इसमें शेष प्रस्तावों पर विस्तार से चर्चा होगी। इस दौरान स्वास्थ्य विभाग के अपर मुख्य सचिव अजय कुमार सिंह ने कहा कि बैठक में किए गए समीक्षा के अनुसार निदेशक को कई बिंदुओं पर तत्काल कार्रवाई करने का आदेश दिया गया है। जिनमें जल्द ठोस सुधार दिखाई देंगे।

वहीं, रिम्स निदेशक ने इस बैठक को सकारात्मक और परिणाम दायक बताया। निदेशक ने भरोसा दिलाया कि आनेवाले दिनों में अस्पताल की व्यवस्था में बड़ा बदलाव दिखेगा। बैठक में मुख्य रूप से जस्टिस अमरेश्वर सहाय, रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ, स्थानीय विधायक सुरेश कुमार बैठा, अपर मुख्य सचिव अजय कुमार सिंह, रांची विश्वविद्यालय के कुलपति, रिनपास निदेशक और रिम्स निदेशक सहित कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे।

ग्रामीण के खिलाड़ियों को सीखने और निखरने का मिले अवसर : शशि रंजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड शिक्षा परियोजना परिषद, के प्रेक्षागृह में राज्य के सभी 24 जिलों से आए खेल कोषांग के प्रतिनिधियों की बैठक शनिवार को हुई। बैठक की अध्यक्षता झारखंड शिक्षा परियोजना परिषद के निदेशक शशि रंजन ने की। इस अवसर पर प्रत्येक जिले के खेल प्रभाग प्रभारी, एपीओ, एडीपीओ और जिला खेल कोषांग के चार सदस्य (शारीरिक शिक्षा शिक्षक) उपस्थित रहे। बैठक में निदेशक ने जिला स्तरीय खेलो झारखंड प्रतियोगिता के सफल संचालन और राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं की बेहतर तैयारी को लेकर विस्तृत दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जिला स्तरीय प्रतियोगिताओं का आयोजन इस प्रकार हो कि ग्रामीण क्षेत्रों से आने वाले खिलाड़ियों को सीखने और निखरने का अवसर मिले।

उन्होंने कहा कि जिला समिति का लक्ष्य होना चाहिए कि खिलाड़ी न केवल राज्य स्तर पर बल्कि राष्ट्रीय स्तर पर भी पदक जीतकर जिले का नाम रोशन करें। सभी शारीरिक शिक्षा शिक्षक यह सुनिश्चित करें कि उनके विद्यालय के खिलाड़ी खुली चयन प्रक्रिया में अधिक से अधिक संख्या में भाग लें। प्रत्येक जिला अपने किसी एक विशेष खेल को प्राथमिकता देकर उस क्षेत्र में राष्ट्रीय पहचान बनाएं।

निदेशक ने यह भी बताया कि पिछले तीन वर्षों से शिक्षा विभाग की ओर से आयोजित खेलो झारखंड प्रतियोगिता का सकारात्मक परिणाम यह हुआ है कि हमारे खिलाड़ी अग्निवीर आर्मी भर्ती जैसे अवसरों में लाभ उठा रहे हैं।

गीता हर धर्म के व्यक्ति को सही जीवन जीने की सिखाती है कला : मां चैतन्य मीरा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : मारवाड़ी महिला मंच रांची शाखा की रजत जयंती वर्ष पर मारवाड़ी महिला सम्मेलन की ओर से महाराजा अग्रसेन भवन में शनिवार को आयोजित सात दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा का भव्य समापन विश्राम आरती के साथ सपन्न हुआ। कथा के अंतिम दिवस में मां चैतन्य मीरा ने भक्तों को संबोधित करते हुए कहा कि गीता जीवन का ऐसा सार है, जो हर धर्म के व्यक्ति को सही जीवन जीने की कला सिखाती है।

उन्होंने सुदामा और भगवान श्रीकृष्ण की मित्रता का उदाहरण देते हुए कहा कि सच्ची मित्रता वही है, जिसमें ईर्ष्या या द्वेष की भावना न हो। ऐसे में वर्षों बाद मिलने पर भी वही प्रेम बना रहे। इस अवसर

पर झारखंड प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन के संयुक्त महामंत्री सह प्रवक्ता संजय सर्राफ ने सफल आयोजन पर मारवाड़ी महिला सम्मेलन की सभी पदाधिकारी एवं सदस्यों को बधाई और शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि श्रीमद् भागवत कथा का नित्य अध्ययन जीवन की जटिल समस्याओं के समाधान का मार्ग दिखाता है। इससे न केवल पाप नष्ट होते हैं, बल्कि इसमें भरा गहन ज्ञान जीवन को दिशा देने में सहायक होता है। उन्होंने सभी को गीता का नित्य पाठ करने और इसे आचरण में उतारने की प्रेरणा दी।

समापन अवसर पर संस्था की सभी कार्यकताओं को सम्मानित किया गया। अतिथियों का स्वागत पौधे भेंट कर किया गया, ताकि समाज में पर्यावरण संरक्षण का संदेश जा सके।

भारत के युवा ही देश की ताकत हैं : सेठ

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : सेवा भारती, झारखंड के सेवा जागरण की बहुप्रतीक्षित पत्रिका सेवा सुरभि के 26वां विशेषांक वैश्विक चेतना एवं युवा शक्ति का लोकार्पण केंद्रीय रक्षा राज्यमंत्री संजय सेठ ने रांची के शौर्य सभागार, जैप, डोरंडा, रांची में किया। लोकार्पण समारोह के मुख्य अतिथि केंद्रीय रक्षा राज्यमंत्री संजय सेठ ने कहा कि भारतीय युवा दुनिया की युवा शक्ति बन गई है। आज भारत की बेटियां अपने आत्मविश्वास और रचनात्मकता के बल पर देश का नाम रोशन कर रही है। कई बेटी एमाउंट एवरेस्ट पर तिरंगा लहरा रही है। दुनिया के बड़े-बड़े कंपनियों में भारतीय युवा विशेष पदाधिकारी के रूप में कार्यरत है। देश की 60% आबादी युवा है,वही हमारी ताकत है। युवा भारत के अर्थ व्यवस्था के साथ - साथ विश्व गुरु बनने में महत्वपूर्ण योगदान निभा रहे हैं तो भारत की बेटी भी किसी से कम नहीं है, अब वह समय नजदीक है जब तीनों सेनाओ की प्रमुख भारत की बेटी होगी।

कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि हटिया विधानसभा के विधायक एवं भाजपा के मुख्य सचेतक नवीन जायसवाल ने कहा कि दूसरों के लिए जीना ही जीवन है । कार्यक्रम में अपना आशीर्वचन देते हुए सेवा भारती के संरक्षक के डॉ एच पी नारायण ने कहा कि अपने दीघार्यु का एक ही मंत्र एक दूसरे का सहयोग करना है। अपने उत्तम स्वास्थ्य के लिए हमें सदैव दूसरों की सहायता करनी है। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे हैं पूर्व अपर मुख्य सचिव एन एन पाण्डेय ने कहा की सेवा भारती का कार्य सराहनीय है। भारत के इतिहास में आज का वर्तमान काल स्वर्णिम काल है। सेवा , त्याग और एक दूसरे की मदद करने की भावना का विस्तार हो रहा है। आज आम जनमानस में सेवा की चेतना जागृत हो रही है। इस कार्य में सेवा भारती की अहम भूमिका निभा रही है।

प्रांतीय सचिव ऋषि पाण्डेय ने सेवा भारती का कार्य वृत्त रखते हुए कहा कि सेवा भारती संस्था अपने विभिन्न सेवा कार्यों के द्वारा सेवा बस्ती व सुदूर ग्रामों में समाजिक नवजागृति ला रही है। वर्तमान में सेवा भारती के 1741 कार्य चल रहे हैं। आगामी संघ शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में इसे ढाई हजार करने का लक्ष्य रखा गया है। इस कार्य को सफल बनाने के लिए समाज की सामूहिक सहयोग की आवश्यकता है।

झारखंड दौरे पर कल आयेंगे के राजू 7 दिनों तक करेंगे बैठकों की श्रृंखला

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : संगठन सृजन अभियान के तहत अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के स्थायी आमंत्रित सदस्य और झारखंड प्रभारी के। राजू 15 सितंबर को देवघर पहुंचेंगे। झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमिटी के महासचिव सह मीडिया प्रभारी राकेश सिन्हा ने बताया कि वे सात दिवसीय दौरे पर रहेंगे और इस दौरान राज्य के विभिन्न जिलों में ग्राम पंचायत कांग्रेस समितियों और जिला स्तर की बैठकों में भाग लेंगे।

15 सितंबर को सुबह 11 बजे देवघर हवाई अड्डे पर आगमन के बाद वे सरैयाहाट प्रखंड में पंचायत समिति की बैठक करेंगे। इसके बाद शाम 5 बजे साहिबगंज जिले के बरहरवा प्रखंड में बैठक में शामिल होंगे। रात्रि विश्राम पाकुड़ में करेंगे।

16 सितंबर को पूर्वाह्न 10 बजे पाकुड़ सदर प्रखंड में बैठक होगी। दोपहर 3 बजे दुमका सर्किट हाउस में संथाल परगना के जिला कांग्रेस अध्यक्षों जिला पर्यवेक्षकों, जीपीसीसी पर्यवेक्षकों और यूएलबी पर्यवेक्षकों के साथ समीक्षा बैठक होगी। शाम को वे जामताड़ा जाएंगे और वहां रात्रि विश्राम करेंगे।

17 सितंबर को सुबह 10 बजे नारायणपुर ब्लॉक, जामताड़ा में बैठक करेंगे। दोपहर में वे हजारीबाग के लिए रवाना होंगे और रात्रि विश्राम वहीं करेंगे। 18 सितंबर को सुबह 10 बजे हजारीबाग सर्किट हाउस में उत्तरी छोटानागपुर प्रमंडल के पदाधिकारियों के साथ बैठक करेंगे। इसके बाद वे डाल्टनगंज, पलामू जाएंगे और शाम 4 बजे वहां जीपीसीसी और नगर समितियों पर चर्चा करेंगे।

19 सितंबर को सुबह 10 बजे गढ़वा जिले के बड़गढ़ ब्लॉक में बैठक होगी। इसके बाद वे रांची आएंगे और शाम 4 बजे दक्षिण छोटानागपुर संभाग के डीसीसी अध्यक्षों, जिला पर्यवेक्षकों, जीपीसीसी पर्यवेक्षकों और यूएलबी पर्यवेक्षकों के साथ समीक्षा बैठक करेंगे।

भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा की प्रमंडलीय बैठक में बनी कार्ययोजना

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : राजनीति में जब सेवा केंद्र में हो तो उसका प्रभाव केवल नीतियों तक सीमित नहीं रहता - वह समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचने का माध्यम बन जाता है। इसी सोच को साकार करने के लिए भारतीय जनता पार्टी के अनुसूचित जाति मोर्चा ने रांची स्थित प्रदेश कार्यालय में एक महत्त्वपूर्ण प्रमंडलीय बैठक का आयोजन किया। बैठक का नेतृत्व कर रहे मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष एवं पूर्व विधायक किशुन कुमार दास ने कहा सेवा पखवाड़ा केवल एक आयोजन नहीं, बल्कि

संगठन के उस दर्शन का प्रतिबिंब है जिसमें सेवा को ही संगठन का मूल माना गया है।

यह बैठक आगामी सेवा पखवाड़ा (17 सितंबर से 2 अक्टूबर) की व्यापक तैयारियों को लेकर बुलाई गई थी। सेवा पखवाड़ा के तहत अनुसूचित जाति बहुल क्षेत्रों में भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा जागरूकता अभियान, स्वच्छता, स्वास्थ्य, पर्यावरण संरक्षण, रक्तदान शिविर और पौधारोपण जैसे कार्यक्रम संचालित किए जाएंगे। बैठक में यह भी स्पष्ट रूप से तय किया गया कि 2 अक्टूबर के बाद भी सेवा कार्य रुकेगा नहीं। संगठन की ओर से समाज के सबसे कमजोर वर्गों तक पहुंचने और उनके लिए स्थायी सकारात्मक परिवर्तन लाने की दिशा में विशेष पहल की जाएगी। इस रणनीतिक बैठक में दक्षिणी छोटानागपुर प्रमंडल के विभिन्न जिलों से आए वरिष्ठ नेताओं की उपस्थिति ने यह दशार्या कि संगठन जमीनी स्तर तक सक्रिय है। बैठक में रामचंद्र नायक (पूर्व विधायक), रंजन पासवान (प्रदेश महामंत्री), कमलेश राम (प्रदेश उपाध्यक्ष), जोगेन्द्र लाल (प्रदेश कार्यालय प्रभारी), नीरज नायक, संदीप रवि, प्रदीप रवि, राजीव राज लाल (प्रदेश मंत्री), उपेन्द्र रजक (प्रमंडल प्रभारी), विकाश रवि (रांची महानगर मंत्री), कमलेश किशोर (प्रदेश शोध नीति प्रभारी), गोविंदा वाल्मिकी (आईटी प्रभारी) इनके अलावा भाजपा एससी मोर्चा के दर्जनों पदाधिकारी और कार्यकर्ता बड़ी संख्या में मौजूद रहे।

संक्षिप्त खबरें

रांची से पूर्णिया के लिए नया विमान 17 से

रांची : रांची से पूर्णिया के लिए नया विमान 17 सितंबर से शुरू होगा। यह विमान रांची से पूर्णिया वाया कोलकाता होकर जाएगी। शनिवार को आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि इंडिगो एयरलाइंस ने यह सेवा उड़ान योजना के तहत आरंभ कर रही है। विमान रांची से सुबह 7.40 बजे रवाना होकर कोलकाता जाएगा। वहां से पूर्णिया दिन के 1.40 बजे पहुंचेगा। पूर्णिया से विमान 2.30 बजे रवाना होकर वाया कोलकाता होकर रात 8.40 बजे रांची आएगा।

दिल्ली-बॉम्बे हाई कोर्ट को उड़ाने की धमकी के बाद झारखंड में अलर्ट, बम निरोधक दस्ते ने की हाई कोर्ट परिसर की जांच

रांची : दिल्ली और बॉम्बे हाई कोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी मिलने के बाद अब रांची में भी सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी गई है। इसी सिलसिले में शनिवार को झारखंड हाईकोर्ट में बम निरोधक दस्ते ने सघन जांच अभियान चलाया। टीम ने डॉग स्क्वायड की मदद से हाईकोर्ट के हर कोने की तलाशी ली। इस दौरान परिसर के अंदर और बाहर, दोनों जगहों पर गहन छानबीन की गई। यह कार्रवाई दिल्ली और बॉम्बे हाईकोर्ट को शुक्रवार को ईमेल के जरिए मिली बम की धमकियों के बाद की गई है, जिसे पुलिस ने गंभीरता से लिया है। बॉम्बे हाईकोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी मिलने के बाद शुक्रवार को अदालत परिसर में अफरा-तफरी का माहौल हो गया था। एहतियात के तौर पर सभी पीठों की सुनवाई रोक दी गई और परिसर को खाली करा दिया गया था। हालांकि बाद में बम निरोधक दस्ते की जांच में कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला और धमकी झूठी निकली। पुलिस ने इन धमकियों के संबंध में एफआईआर दर्ज कर ली है और जांच जारी है। झारखंड में हुई यह जांच इसी कड़ी का हिस्सा है, ताकि किसी भी अप्रिय घटना से बचा जा सके।

एसआर डीएवी स्कूल में मना हिंदी पखवाड़ा और हिंदी दिवस

रांची : एसआर डीएवी स्कूल,पुंदाग में हिंदी पखवाड़ा और हिंदी दिवस के अवसर पर शनिवार को कई प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। प्राचार्य डॉ तापस घोष ने हिंदी विभाग के अध्यापक और अध्यापिकाओं के साथ मिलकर दीप प्रज्वलित करके हिंदी दिवस समारोह के कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इसके बाद कक्षा छह की दिव्यांशी नाथ और कक्षा 10 वीं की अनन्या कुमारी ने मधुर संगीत प्रस्तुत करके सबको मंत्रमुग्ध कर दिया। कक्षा तीसरी से कक्षा पंचम तक के विद्यार्थियों ने विभिन्न साहित्यकारों की वेश - भूषा में फैंसी ड्रेस में भाग लिया और उनके व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में प्राचार्य डॉ तापस घोष ने कहा कि वर्तमान समय में हिंदी पूरे विश्व में सबसे अधिक बोली जानेवाली चौथी भाषा है,जिसका प्रचार - प्रसार दिनों - दिन बढ़ता ही जा रहा है। हमें इस बात का गर्व होना चाहिए। भारत के लगभग 57 प्रतिशत लोग इसी भाषा में विचारों का आदान -प्रदान करते हैं इसका व्यावसायिक महत्त्व भी बढ़ता ही जा रहा है,जिससे इस भाषा के प्रति लोगों की रुचि बढ़ रही है। उन्होंने शिक्षक समुदाय से कहा कि वे विद्यार्थियों को हिंदी के क्षेत्र में बढ़ रहे रोजगार के अवसरों की भी जानकारी दें। वे अपने विकास के लिए पठन - मनन - चिंतन जारी रखें और विद्यार्थियों को भी अधिक से अधिक लाभ पहुंचाएं। सभी शिक्षक अपने विषय में अध्ययनशील रहें। हिंदी पखवाड़ा में आयोजित प्रतियोगिताओं में विजयी प्रतिभागियों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया जाएगा। इस समारोह में विद्यार्थियों और शिक्षक - शिक्षिकाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। शांति पाठ के साथ सभा समाप्त हुई।

श्री श्याम मंदिर में 170वां भंडारा संपन्न सैकड़ों श्रद्धालुओं ने किया प्रसाद ग्रहण

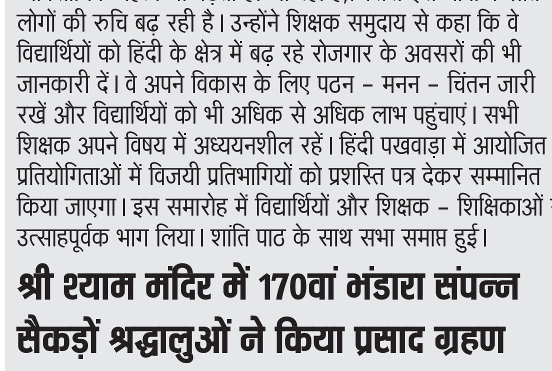

रांची : रांची के हरमू में श्री श्याम मित्र मंडल की ओर से श्री श्याम मंदिर में शनिवार को 170वां भव्य भंडारा आयोजित किया गया। इस दौरान पूरे मंदिर परिसर में खाटूनरेश की जय, श्याम बाबा की जय सहित अन्य के जयघोष से वातावरण भक्तिमय रहा। श्रद्धालुओं को भंडारे में दाल-बाटी-चूरमा, चौखा और खीर-चूरमा का विशेष प्रसाद वितरित किया गया। मंदिर परिसर और आसपास की सड़कों पर सुबह से ही श्रद्धालुओं की लंबी कतारें लगी रहीं। लगभग ढाई हजार से अधिक सैकड़ों भक्तों ने प्रसाद ग्रहण किया। कार्यक्रम की शुरूआत विशेष पूजा-अर्चना और पोशाक बागा सेवा से हुई, जिसमें अमित मनीषा अग्रवाल ने बाबा श्याम सहित देवी-देवताओं को नवीन पोशाक अर्पित की। इस अवसर पर बतौर मुख्य अतिथि पूर्व राज्यसभा सांसद अजय मारू ने कहा कि श्याम भक्ति और सेवा भावना का यह आयोजन समाज को जोड़ने का काम करता है। इस परंपरा को निरंतर बनाए रखना ही सबसे बड़ी साधना है। मंडल अध्यक्ष गोपाल मुरारका ने बताया कि लगातार 170वें भंडारे का आयोजन भक्तों की सेवा भावना का प्रतीक है। हमें गर्व है कि हर बार की तरह इस बार भी हजारों भक्तों ने बाबा श्याम के प्रसाद का आनंद लिया। महामंत्री गौरव अग्रवाल ने कहा कि भक्तों की सेवा ही हमारी सबसे बड़ी साधना है। भंडारे का प्रसाद पूरी शुद्धता और परंपरा के साथ तैयार किया गया। इस अवसर पर मंडल पदाधिकारी अशोक लड़ियां, मनोज खेतान, विश्वनाथ नारसरिया, श्यामसुंदर शर्मा, विष्णु चौधरी, प्रवीण सिंघानिया, अनुज मोदी, पवन केडिया, कमलेश साव सहित 50 से अधिक कार्यकर्ताओं ने सहयोग दिया, बड़ी संख्या में श्रद्धालु सहित अन्य लोग मौजूद थे।

एक नजर

बीमार चल रहे पु.अ.नि. सुकर टोप्पो का दिल्ली एम्स में निधन

मरकच्चो : नवलशाही थाना में कार्यरत पु.अ.नि.सुकर टोप्पो की इलाज के दौरान निधन हो गया। जिससे नवलशाही थाना सहित थाना क्षेत्र मे शोक की लहर है। जानकारी के अनुसार पु. अ. नि. सुकर टोप्पो कुछ दिनों से बीमार चल रहे थे। इनका इलाज पहले हजारीबाग में चला फिर रांची रेफर किया गया। जब रांची में भी स्वास्थ सुधार नहीं हुआ तो इन्हे दिल्ली एम्स ले जाया गया था जहाँ शुक्रवार रात को निधन हो गया। सुकर टोप्पो 1999 ई. में सिपाही में बहाल हुए थे। फिर 2018 ई. में सब इंस्पेक्टर बने थे। सुकर टोप्पो हजारीबाग जिला के मूल रूप से रहने वाले थे। शोक जताने वालों मे जिप अध्यक्ष रामधन यादव, पुरनाडीह मुखिया पप्पू यादव, फुलवरिया मुखिया संजय मेहता, खरखार मुखिया प्रतिनिधि पिंटू यादव, समाजसेवी राजेंद्र प्रसाद साव, राजद नेता इकबाल अंसारी, प्रमुख प्रतिनिधि राजकुमार साव, समाजसेवी किशोर यादव, समाजसेवी शंकर साव, वीरेंद्र यादव यदि अन्य लोग हैं।

जरीडीह प्रखंड में दुर्गा पूजा की तैयारी जोरों पर

बोकारो : जरीडीह प्रखंड के गांव पंचायतों में आगामी 22 सितंबर से शुरू होने वाले दुर्गा पूजा उत्सव की तैयारी जोरों पर हो रही है। मंदिरों का रंग रोगन, साफ सफाई तथा पंडाल बनाने का काम दिन रात हो रहा है। प्रखंड के सुदूर क्षेत्र आरजू, बहादुरपुर, पथुरिया, गायछंदा, चिलगड्डा, बांधडीह, बाराडीह, टांड़ बालीडीह में पूजा और मेला को लेकर लोगों में काफी उत्साह देखा जा रहा है। जैनामोड़ तुपकाडीह के बाजार धीरे धीरे गुलजार होने लगे हैं। पूजा कमिटी के अध्यक्ष रवि सिंह और सचिव मनोज सिंह ने बताया कि मंदिर के सामने भव्य पंडाल और लाइट लगाने का काम हो रहा है। जैनामोड़ में काफी संख्या में श्रद्धालु तथा मेला देखने के लिए ग्रामीण क्षेत्र से आते हैं उन्हें आसानी से पूजा करने और मेला देखने में कोई परेशानी नहीं हो ऐसी व्यवस्था की गई है। इसी प्रकार तुपकाडीह स्टेशन रोड, तांतरी तथा अम्बेडकर नगर में मूर्ति बनाने, पंडाल का काम हो रहा है। गांव गांव में ढांक और घंटा बजाकर ग्रामीणों को पूजा के आगमन की जानकारी दी जा रही है। सभी पूजा कमिटी के सदस्य अपने गांव के लोगों से अनुदान राशि मांग रहे हैं।

डीएवी सेक्टर-4 में गुरु वशिष्ठ शिक्षक सम्मान समारोह

बोकारो : डॉ राधाकृष्णन सहोदया स्कूल कॉप्लेक्स, बोकारो के तत्वाधान में विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों में कार्यरत शिक्षाविदों के सम्मान और उनकी अपरिहार्यता को नमन करने के उद्देश्य से गुरु वशिष्ठ बेस्ट टीचर अवार्ड 60 शिक्षकों को प्रदान किया गया। इस वर्ष इस कार्यक्रम को आयोजित करने का गौरव डीएवी सेक्टर- 4 के हिस्से आया। आयोजन की शुरूआत उपायुक्त एवं अन्य विशिष्ट अतिथिगणों द्वारा दीप प्रज्वलन एवं गायत्री मंत्र के साथ हुई। अतिथियों का स्वागत सुमधुर स्वागत गीत तथा अतीव मनमोहक नृत्य प्रस्तुति द्वारा हुई। हर तरफ हर जगह उसी का है नूर रोशनी का कोई दरिया तो है कहीं पे जरूरजैसी सुंदर पंक्तियां से सजी नृत्य प्रस्तुति ने सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। प्रार्थना सभा में उपस्थित सभी विशिष्टातिविशिष्ट अतिथियों, प्राचार्यों एवं शिक्षकों को संबोधित करते हुए उपायुक्त अजय नाथ झा ने कहा कि- सबसे पहले तो मैं विद्यालय के प्राचार्य एसके मिश्रा जी का धन्यवाद करता हूँ जिन्होंने इस खास मौके पर मुझे आमंत्रित किया। उन्होंने अपने उद्बोधन में आगे कहा कि प्रथम गुरु माता-पिता होते हैं तत्पश्चात वो गुरु जिनसे हम शिक्षा प्राप्त करते हैं।

बोकारो पुलिस ने अंतरप्रांतीय चोर गिरोह का किया भंडाफोड़, सरगना मछली अंसारी समेत पांच गिरफ्तार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : बोकारो पुलिस ने चोरी की लगातार घटनाओं को अंजाम देने वाले अंतरप्रांतीय चोर गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए सरगना राजू अंसारी उर्फ मछली अंसारी समेत पाँच अपराधियों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने धनबाद के विभिन्न इलाकों में छापेमारी कर मछली अंसारी, फैयाज अंसारी, आबिद अंसारी, राहुल कुमार वर्मा और रवि रंगराव शिंदे को धर-दबोचा। गिरफ्तार आरोपियों की निशानदेही पर पुलिस ने तीन लाख सात हजार छह सौ रुपये नकद, 97 ग्राम सोना, एक किलो चाँदी, चाँदी की पायल और बिछिया समेत जेवरात, दो मोटरसाइकिल, मोबाइल फोन, सोना गलाने वाला सिलेंडर व औजार बरामद किए। शनिवार को कैंप दो कार्यालय में आयोजित प्रेस वार्ता में एसपी हरविंदर सिंह ने इसकी जानकारी दी। मौके पर मुख्यालय डीएसपी अनिमेष कुमार गुप्ता और बालीडीह इंस्पेक्टर नवीन कुमार सिंह सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे। एसपी ने बताया कि अकेले मछली अंसारी पर 55, फैयाज पर 25 और आबिद पर 19 आपराधिक मामले दर्ज हैं। हाल के महीनों में बोकारो के बालीडीह, गोमिया, बीटीपीएस, दुग्दा और चंद्रपुरा क्षेत्रों में सरकारी आवासों में चोरी की घटनाएँ बढ़ी थीं। इन मामलों के उद्भेदन के लिए डीएसपी और एसडीपीओ के नेतृत्व में 14 सदस्यीय विशेष टीम बनाई गई थी। छापामारी दल में थाना प्रभारी पिंकू यादव, प्रभारी रवि कुमार, पुअनि मनोज कुमार, वीरमणि कुमार, शशिकांत ठाकुर और अजय कुमार राय समेत कई पुलिस अधिकारी व जवान शामिल थे।

आबादी से दूर अंबादाह में कचरा प्लांट बनाया जाए : डॉ नीरा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कोडरमा : स्थानीय विधायक डॉ नीरा यादव ने डोमचांच नगर पंचायत के लिए पचगावां में बनाए जा रहे कचरा प्लांट को वहां से स्थानांतरित कर अंबादाह खदान या अन्य निर्जन स्थान पर बनाने को कहा है। शनिवार को डीएमएफटी तथा विभिन्न समितियों की समीक्षा बैठक में विधायक डॉ नीरा यादव ने डीवीसी द्वारा सीएसआर के तहत 10 किमी के भीतर विकास योजनाओं के मामले में डुमरडीहा, पथलडीहा तथा बेकोबार पंचायत को शामिल करते हुए इन इलाकों में भी कार्य करवाने को कहा ताकि स्थानीय लोगों को लाभ मिल सके और इलाके का विकास हो सके। उन्होंने कोडरमा में ध्वजाधारी पहाड़ी पर चढ़ने के लिए रास्ते पर सुरक्षित सीढ़ी, रेलिंग और शेड लगवाने को कहा। इसके साथ ही 22 सितंबर से हो रहे नवरात्र पूजा को लेकर डोमचांच और मरकच्चो में बिजली कटौती बंद करने को कहा। विधायक डॉ नीरा यादव ने बैठक में केटीपीएस से निकल रहे फ्लाई ऐश से लदे वाहनों का परिचालन दिन में बंद रखने को कहा। इन वाहनों के परिचालन के लिए रात 8 बजे से सुबह 5 बजे तक का समय निर्धारित करने को कहा ताकि स्थानीय लोगों को दिन में असुविधा ना हो तथा सड़क हादसों पर भी नियंत्रण रहे।

मसमोहना कब्रिस्तान के पास अंधेड़ का शव बरामद, हत्या की आशंका

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

मरकच्चो : नवलशाही थाना क्षेत्र अंतर्गत मसमोहना कब्रिस्तान के समीप शनिवार को एक अंधेड़ व्यक्ति का शव बरामद हुआ है। शव की फिलहाल शिनाख्त नहीं हो पाई है, वहीं शव के शरीर पर कई जख्मों के निशान बने हुए हैं। स्थानीय लोगों की मानें तो उक्त शव को देखने से ऐसा लगता है कि उसकी 2 से 3 दिन पूर्व ही हत्या कर उसे यहां फेंक दिया गया है। घटना की जानकारी देते हुए धुमाडीह गांव निवासी रेम्पू साव ने बताया कि मसमोहना के ग्रामीण अपने-अपने जानवर लेकर मसमोहना कब्रिस्तान की ओर चराने के लिए आए हुए थे, इसी दौरान उनलोगों ने देखा कि सोती में किसी का शव पड़ा हुआ है। जिसके बाद उनके द्वारा शोर करते हुए आसपास के ग्रामीणों को इसकी सूचना दी गई।उक्त स्थल पर अज्ञात शव की सूचना मिलते ही आसपास के ग्रामीणों की भीड़ वहां इकट्ठा हो गई। इधर घटना की सूचना नवलशाही पुलिस को भी दी गई। घटना की सूचना मिलते ही नवलशाही थाना प्रभारी शशिभूषण कुमार पुलिस बल के साथ घटना स्थल पर पहुंचे और शव को अपने कब्जे में लेते हुए पोस्टमार्टम हेतु सदर अस्पताल कोडरमा भेज दिया। मामले को लेकर शशिभूषण कुमार ने बताया कि शव की फिलहाल शिनाख्त नहीं हो पाई है। शव की स्थिति देखने से ऐसा प्रतीत होता है कि शायद मानसिक रूप विक्षिप्त के जैसा लग रहा है। उन्होंने कहा कि शव काफी सड़ गल गई है और सोती में पड़े रहने के कारण उसमें कीड़े पड़ने शुरू हो गए थे। उन्होंने कहा कि फिलहाल शव का पोस्टमार्टम करा कर अगले 72 घंटों के लिए शीत गृह में रखा जाएगा ताकि उसकी शिनाख्त हो सके। वहीं उन्होंने कहा कि आसपास के थानों से भी संपर्क कर यह जानने की कोशिश की जा रही है कि बीते कुछ दिनों में उनके क्षेत्रों में किसी के गुमसुदगी का मामला है या नहीं।

रेलकर्मियों में बोनस विवाद, सातवें वेतन आयोग लागू करने की मांग

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : रेलवे में दशहरे पर उत्पादकता आधारित बोनस देने की परंपरा है। लेकिन इस बार बोनस भुगतान को लेकर रेलकर्मियों में गहरी नाराजगी देखी जा रही है। कर्मचारियों का कहना है कि जब सातवें वेतन आयोग की सिफारिशों के आधार पर वेतन और अन्य भत्ते दिए जा रहे हैं, तो बोनस का भुगतान अब भी छठे वेतन आयोग की दरों और तय सीलिंग पर क्यों किया जा रहा है? कर्मचारियों ने सवाल उठाया है कि जब रेलवे कर्मचारियों की मेहनत से वर्ष दर वर्ष माल-ढुलाई और आय में लगातार वृद्धि हो रही है, तो बोनस में भेदभाव क्यों? उनका आरोप है कि यूनियन के बड़े नेता भी रेल भवन में बैठे अधिकारियों से इस अन्यायपूर्ण व्यवस्था पर सवाल उठाने से बचते हैं। रेलवे फेडरेशनों के पदाधिकारियों का कहना है कि बीते कई वर्षों से प्रधानमंत्री, रेल मंत्री और रेलवे बोर्ड को पत्र भेजकर सातवें वेतन आयोग के आधार पर बोनस भुगतान की मांग बार-बार उठाई गई है। लेकिन अब तक इस पर ठोस निर्णय नहीं लिया गया है। दक्षिण पूर्व रेलवे मेंस कांग्रेस ने साफ किया है कि यदि 2025 के दशहरे से पहले बोनस की गणना सातवें वेतन आयोग के मानकों के अनुसार नहीं की गई, तो संगठन कर्मचारियों के अधिकारों की रक्षा हेतु रेलवे बोर्ड और रेल मंत्रालय के खिलाफ माननीय न्यायालय का दरवाजा खटखटाने से पीछे नहीं हटेगा। रेलकर्मी मानते हैं कि मौजूदा व्यवस्था उन्हें उनके अधिकार से वंचित करती है और वे स्वयं को शोषित महसूस कर रहे हैं। कर्मचारियों का कहना है कि अब समय आ गया है कि बोनस की नीति में वास्तविक न्याय हो और उसे वेतन आयोग की सिफारिशों के अनुरूप अद्यतन किया जाए।

बीएसएल कर्मियों ने बोनस फॉमूर्ला के विरोध में किया आक्रोश प्रदर्शन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : बीएसएल अनाधिशासी कर्मचारी संघ द्वारा आहुत आक्रोश प्रदर्शन में बड़ी संख्या मे बीएसएल कर्मियों ने भाग लिया। एएसपीएलआईएस फॉमुर्ला को रद्द करने तथा प्रोडक्शन रिलेटेड पे को लागु करने के लिए सभी बीएसएल कर्मियों ने आक्रोश प्रदर्शन किया। मजदुर मैदान, सेक्टर 4 से आक्रोश प्रदर्शन निकलकर, गांधी चौक होते हुए टू टैंक धरना स्थल पर जाकर सभा के रुप में समाप्त हुआ। सभा मे सभी वक्ताओं ने सेल प्रबंधन के वेज रीविजन एमओयु, बोनस समझौता, एरियर, इंसेंटीव रिवार्ड पर रुख की तीव्र निंदा किया। साथ ही एनजेसीएस यूनियनो तथा उसके नेताओं के प्रबंधन परस्त नीतियों की भी तीव्र निंदा किया। सभी वक्ताओं ने प्रति मिलियन टन उत्पादन के हिसाब से बोनस राशी तय करने का मांग किया। आक्रोश रैली मे शामिल कर्मियों ने प्रोडक्शन डेटा, लाभ तथा अन्य आँकड़ो का बैनर, पोस्टर हाथ में लिया था। सेल प्रबंधन द्वारा जबरदस्ती सभी समझौता लागु करने तथा पिछले तीन वर्षो से बोनस राशी सेल कर्मियों के खाते मे भेजने के कारण सभी सेल कर्मी बहुत आक्रोशित है। सभा को संबोधित करने वालो मे अध्यक्ष हरिओम, महासचिव दिलीप कुमार ने कहा कि यह आक्रोश रैली नही, बल्कि सेल प्रबंधन की गलत नीतियों का सबुत है कि कर्मचारी काम करने के बाद अपने हक के लिए सड़क पर उतर रहे है। इस्पात मंत्रालय की मौन सहमति कर्मियों के आक्रोश को और बढ़ा रहा है।

झामुमो ने बांझेडीह पावर प्लांट को लेकर डीसी को सौंपा ज्ञापन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कोडरमा : झारखंड मुक्ति मोर्चा जिला समिति ने कोडरमा जिला के अधीनस्थ कोडरमा थर्मल पावर प्लांट में स्थानीय एवं विस्थापितों को एवं प्लांट के इर्द-गिर्द बसे ग्रामीणों के संदर्भ में माननीय मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन जी का एक ही लक्ष्य है कि आम जनता को झारखंड सरकार के मापदंड के अनुसार किसी भी संस्थान या कंपनी में रोजगार 75% झारखंड के लोगों को रोजगार मुहैया कराना है एवं इसके साथ ही साथ अन्य मुद्दों को लेकर भी कोडरमा थर्मल पावर प्लांट के मुख्य अभियंता के साथ वार्ता के संदर्भ में 12बिंदुओं लिखित आवेदन दिया गया है जो 1. झारखंड सरकार के मापदंड के अनुसार 75% लोगों को रोजगार मुहैया कराना 2. चंदवारा से कोडरमा थर्मल पावर प्लांट के बीच प्लांट से निकलने वाले स्पॉन्ड से फैलने वाले प्रदूषण 3. कोडरमा थर्मल पावर प्लांट से विस्थापितों एवं आम ग्रामीणों को रोजगार मुहैया कराई गई की छाया प्रति उपलब्ध कराने 4. विस्थापित प्रभावित लोगों का P A I F के अंतर्गत छूटे हुए किसानों का नाम अंकित करने 5. कोडरमा थर्मल पावर प्लांट के अधीनस्थ हॉस्पिटल में 24 घंटा डॉक्टर एवं दवाइयां आम जनता के हित में उपलब्ध कराना 6. कोडरमा थर्मल पावर प्लांट के अधीनस्थ कार्यरत मेंटेनेंस मजदूर का पदोन्नति 7. कोडरमा थर्मल पावर प्लांट से चंदवारा रांची पटना रोड तक हाई मास्क लाइट लगाने 8. कोडरमा थर्मल पावर प्लांट के अधीनस्थ पूर्व में हटाए गए मजदूरों को पुनः बहाल कराने। 9. कोडरमा थर्मल पावर प्लांट से 10 किलोमीटर के रेडियस में आम जनता को फ्री बिजली एवं पानी मुहैया कराने। 10. कोडरमा थर्मल पावर प्लांट के अधीनस्थ आईटीआई में विस्थापित एवं प्रभावित बच्चों को आईटीआई प्रशिक्षण पुनःबहाल किए जाने। 11. कोडरमा थर्मल पावर प्लांट के अधीनस्थ चलने वाले संत जेवियर विद्यालय में विस्थापित एवं प्रभावित बच्चों को निशुल्क शिक्षा प्रदान किए जाने। 12. 25 लाख से नीचे तक का टेंडर यहां के ग्रामीणों को ग्राम सभा के माध्यम से दिए से सम्बन्धित विभिन्न मांगों को लेकर 32 सदस्यीय प्रतिनिधि मंडल बना कर नामित व्यक्तियों का लिस्ट दिया गया। जिसके बीच वार्ता होना है जिला अध्यक्ष वीरेन्द्र पांडेय, जिला सचिव पवन माइकल कुजूर, केंद्रीय समिति सदस्य बैजनाथ मेहता बुद्धिजीवी मोर्चा जिला अध्यक्ष दीपक नवीन चंद्रवंशी, जिला उपाध्यक्ष नन्दकिशोर मेहता, अब्दुल कुदूश, जिला संगठन सचिव कोडरमा, धर्मेन्द्र कुमार पूर्व जिला संगठन सचिव कोडरमा उपरोक्त लोगों ने हस्ताक्षर कर उपायुक्त को सौंपा ज्ञापन। अपने स्तर से ध्यान में रखते हुए कोडरमा थर्मल पावर प्लांट के मुख्य अभियंता के साथ उक्त प्रतिनिधिमंडल के साथ वार्ता करवाने को लेकर उपायुक्त महोदय से उक्त सभी बिंदुओं पर एक महीने के अन्दर वार्ता करा कर निराकरण उक्त सभी बिंदुओं पर कराने को लेकर कहा गया है यदि उक्त बिन्दुओं में मांगों को नहीं किए जाने की स्थिति में जिला समिति कोडरमा चरणवध आंदोलन करने को बाध्य होगी जिसके संपूर्ण जिम्मेवारी कोडरमा थर्मल पावर प्लांट डीवीसी प्रबंधन तथा कोडरमा जिले के तमाम प्रशासनिक पदाधिकारी की होगी जिसकी प्रतिलिपि के माध्यम से इसकी सूचना मुख्यमंत्री झारखंड सरकार एवं झारखंड मुक्ति मोर्चा केंद्रीय कार्यालय रांची को भी सूचित किया गया है।

संक्षिप्त खबरें

सफलता उन्हीं को मिलती है जो हार नहीं मानते : मुन्ना प्रसाद

जयनगर : प्रखंड के अंतर्गत संचालित मां गंगा पब्लिक स्कूल पंडियाडीह में दिनांक 13 सितंबर 2025 दिन शनिवार को विद्यालय के प्राचार्य मुन्ना प्रसाद यादव के द्वारा प्रथम सावधिक परीक्षा का परिणाम पत्र घोषित किया गया। जिसमें कई छात्र एवं छात्राएं प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान लाकर विद्यालय के साथ-साथ अपने माता-पिता का नाम रोशन किया है। प्रथम श्रेणी से उत्तीर्ण होने वाले विद्यार्थियों में से अराध्या कुमारी, परी कुमारी, अभिजीत कुमार, अंशराज, आर्यन कुमार, पंकज कुमार, पलकराज ,आदित्य राज, अभिषेक कुमार राणा द्वितीय श्रेणी से उत्तीर्ण होने वाले विद्यार्थियों में से स्वीटी कुमारी, अरबी कुमारी, मेहक कुमारी, अंशिका कुमारी, मुन्ना कुमार, मौसम कुमारी, पीयूष यादव, ज्योति कुमारी, नीतीश कुमार, आर्यन कुमार, एवं तृतीय श्रेणी से उत्तीर्ण होने वाले विद्यार्थियों में से अदनान अली, शिवानी कुमारी, ऋषभ कुमार, संयम कुमार, विवेक कुमार, आदित्य कुमार, लक्ष्मी कुमारी, क्रांति कुमारी, विनीता कुमारी, एवं करीना कुमारी सहित कई छात्र एवं छात्राएं बेहतर अंक लाकर विद्यालय का नाम को रोशन किया है। वहीं विद्यालय के प्राचार्य मुन्ना प्रसाद यादव ने संबोधित करते हुए कहा कि विद्यार्थियों को अच्छे अंक लाने में सबसे बड़ी भूमिका सभी शिक्षक एवं शिक्षिकाएं को जाता है। उन्होंने यह भी कहा कि बच्चे मिट्टी के समान होते हैं परंतु मिट्टी का आकार देने में सबसे बड़ी भूमिका कुम्भार की होती है ठीक उसी प्रकार बच्चे होते हैं। शिक्षक उसे जैसे चाहेंगे उसे उस रूम में ढाल सकते हैं। इसलिए हमें इस विद्यालय के शिक्षक एवं शिक्षिकाएं और इस विद्यालय के बच्चों पर हमें गर्व है। निश्चित तौर पर मां गंगा पब्लिक स्कूल के बच्चे काफी मेहनती हैं जिसका परिणाम आज पूरे क्षेत्र में देखने को मिल रहा है। वास्तव में यह विद्यालय इस पूरे क्षेत्र में बेहतर परिणामों के लिए जाना जाता है। उन्होंने यह भी कहा कि मुझे आशा ही नहीं बल्कि पूर्ण विश्वास है कि आने वाले दिन में बच्चे बेहतर जीवन का आयाम देंगे। वहीं मौके पर विद्यालय के प्राचार्य- मुन्ना प्रसाद यादव, निर्देशक- गंगाधर यादव, शिक्षक शिवशंकर यादव, पिंटू यादव, अजय राणा, रामेश्वर राणा, चंद्रदेव यादव, सूरज देव यादव, शिक्षिका खुशबू शर्मा, मोनिका कुमारी, सहित सैकड़ो की संख्या में छात्र एवं छात्राएं मौजूद थे।

दशहरा से पहले शहर की सड़कों के गड्ढे भरें और स्ट्रीट लाइट दुरुस्त करें : पार्षद

कोडरमा : दशहरा के पहले शहर के सभी रोड के गड्ढे को भरने का काम एवं स्ट्रीट लाइट को ठीक करने का काम करें नगर परिषद पार्षद पिंकी जैन ने कहा कि पूरे शहर के मुख्य मार्ग एवं गली मोहल्ले चौक चौराहे मे रोड पर बहुत बड़े-बड़े गड्ढे हो गए हैं। जिसके कारण प्रतिदिन दोपहिया वाहन एवं आम जनों को बहुत परेशानी हो रही है और दुर्घटना का सामना करना पड़ रहा है जनहित में नगर परिषद इस समस्या पर तुरंत संज्ञान ले और निदान करें दशहरा दीपावली पर्व नजदीक है। सभी चौक चौराहा गली मोहल्ले मे अंधेरा पसरा हुआ है सभी स्ट्रीट लाइट खराब है। उसे बदलकर नया लगाने एवं ठीक करने का काम करें कार्यपालक पदाधिकारी से निवेदन है कि जनहित में इस समस्या का शीघ्र निदान करें।

ग्रिजली पब्लिक स्कूल में हिंदी दिवस पर कार्यक्रम का हुआ आयोजन

कोडरमा : गुमो, सतपुलिया स्थित ग्रिजली पब्लिक स्कूल में हिंदी दिवस के अवसर पर एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें कक्षा 5वीं से 8वीं तक के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। स्कूल के कांफ्रेंस हॉल में आयोजित कार्यक्रम में विविध शैक्षणिक और सांस्कृतिक गतिविधियाँ कराई गईं, जिनमें छात्रों ने अपनी प्रतिभा का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया और हिंदी भाषा के महत्व को गहराई से समझा। कार्यक्रम की शुरूआत कक्षा 5वीं के विद्यार्थियों द्वारा हिंदी दिवस पर आधारित चित्रात्मक कला से हुई, जिसमें उन्होंने रंगों के माध्यम से हिंदी भाषा की सुंदरता को दर्शाया। कक्षा छः की ईशानी केडिया, इतिका जय, अनय शर्मा और आशी अग्रवाल ने भावपूर्ण कविता वाचन की प्रस्तुति दी। वहीं समीक्षा, हिमांक, नैवेदी और केशव अग्रवाल ने अपने भाषण से हिंदी भाषा की गरिमा और उपयोगिता पर प्रभावशाली विचार रखे। कक्षा 7वीं के विद्यार्थियों ने नारा लेखन और चित्रकला के माध्यम से हिंदी के प्रति जागरूकता फैलाने का प्रयास किया। इन सभी गतिविधियों के माध्यम से विद्यार्थियों ने न केवल अपनी रचनात्मकता को निखारा, बल्कि हिंदी साहित्य के विभिन्न रूपों का अध्ययन करते हुए दैनिक जीवन में शुद्ध हिंदी भाषा के प्रयोग का महत्व भी समझा। विद्यालय में अंतर गृह प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया, जिसमें विभिन्न सदनों के छात्रों ने भाग लेकर टीम भावना और भाषाई दक्षता का परिचय दिया। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय की प्राचार्या नीरजा ने कहा, ह्लहिंदी हमारी मातृभाषा है और हमें इसका सम्मान करना चाहिए। हमें गर्व होना चाहिए कि हम ऐसी भाषा से जुड़े हैं जो भावों की अभिव्यक्ति में समृद्ध है। हिंदी को अपने दैनिक जीवन में अपनाकर हम इसकी गरिमा को बनाए रख सकते हैं। इस आयोजन को सफल बनाने में मिडिल सेक्शन के छात्रों और शिक्षकों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। कार्यक्रम के संयोजक साकेंदर कुमार और संयोजिका गुरजीत कौर के नेतृत्व में शिक्षकों—काशीनाथ कुमार, प्रदीप सुरीन, रतन पांडे, सूरज कुमार, चंदन कुमार, अविनाश कुमार, मुकेश कुमार कुशवाहा, मुकेश कुमार साव, दीपक कुमार, रोहित कुमार सिंह तथा शिक्षिकाओं—रश्मि सूद, चैताली घोष, सोनी गुप्ता, अर्चना सिन्हा सहित समस्त विद्यालय परिवार ने सक्रिय योगदान देकर हिंदी दिवस समारोह को सफल और यादगार बनाया।

मानव अधिकार मिशन का राज्यस्तरीय जागरूकता महा-सम्मेलन संपन्न

बोकारो : बोकारो के नया मोड़ स्थित बिरसा आश्रम में शनिवार को मानव अधिकार मिशन का राज्यस्तरीय जागरूकता महा-सम्मेलन धूमधाम से आयोजित किया गया। कार्यक्रम का आयोजन झारखंड प्रदेश अध्यक्ष पी. के. लाला एवं बोकारो प्रमंडल अध्यक्ष कर्ण सिंह चौधरी, महासचिव आशीष कुमार महथा, जिलाध्यक्ष किरण चंद्र बाउरी एवं के नेतृत्व में उनकी सहयोगी टीम द्वारा किया गया। महा-सम्मेलन में मुख्य अतिथि के रूप में मानवाधिकार मिशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. महेन्द्र शर्मा (दिल्ली) शामिल हुए। उनके साथ राष्ट्रीय कल्याण सचिव सह केंद्रीय बोर्ड सदस्य एस. जे. रहमान, झारखंड प्रदेश उपाध्यक्ष सोहनी राय, महासचिव डॉ. पापा सेन विश्वास, अंतर्राष्ट्रीय मानवाधिकार मिशन प्रदेश अध्यक्ष अनुप सिंह देव, बोकारो जिला अध्यक्ष किरण चंद्र बाउरी, ऑल इंडिया रेडियो की वरिष्ठ सदस्य सुनीता कुमारी तथा राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष एम. एस. जइमेदा विशेष रूप से उपस्थित रहे। सम्मेलन में बड़ी संख्या में समाजसेवी, बुद्धिजीवी और आम नागरिक भी शामिल हुए। कार्यक्रम में वक्ताओं ने कहा कि मानवाधिकार मिशन का मुख्य उद्देश्य नागरिकों को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करना है ताकि वे अन्याय और शोषण के विरुद्ध आवाज उठा सकें। धर्म, जाति, रंग या वर्ग भेद से ऊपर उठकर सभी को समान अवसर दिलाना मिशन की प्राथमिकता है।

उपायुक्त की अध्यक्षता में शिक्षा विभाग की हुई समीक्षा बैठक

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पूर्वी सिंहभूम : पूर्वी सिंहभूम जिला उपायुक्त कर्ण सत्यार्थी की अध्यक्षता में समाहरणालय सभागार में शनिवार को शिक्षा विभाग की समीक्षात्मक बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले के विद्यालयों की शैक्षणिक प्रगति एवं आधारभूत संरचना की स्थिति की विस्तृत समीक्षा की गई। उपायुक्त ने आगामी बोर्ड परीक्षाओं की तैयारी को लेकर विस्तृत रणनीति पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन आने वाले चार से पांच महीनों का बेहतर उपयोग करने की दिशा में विशेष पहल कर रहा है। बोर्ड रिजल्ट में सुधार और शैक्षणिक गुणवत्ता बढ़ाने के लिए ठोस कार्य योजना पर विचार किया गया। उन्होंने शिक्षा विभागीय पदाधिकारियों और शिक्षकों को 20 सितंबर तक साप्ताहिक सिलेबस कैलेंडर तैयार करने का निर्देश दिया। साथ ही यह तय किया गया कि हर 15 दिन में टेस्ट आयोजित होंगे, ताकि बच्चों की प्रगति का आकलन किया जा सके। कमजोर विद्यार्थियों के लिए प्रत्येक शनिवार को रिमेडियल क्लास आयोजित करने की भी बात कही गई। बैठक में विद्यालयों में पौधारोपण अभियान, स्वच्छ विद्यालय पुरस्कार के लिए पंजीकरण, कक्षा 1 से 8 तक के बच्चों के लिए मुख्यमंत्री छात्रवृत्ति योजना, कक्षा 9 से 12 तक के बच्चों को यूनिफॉर्म के लिए राशि वितरण, किताब-कॉपी और स्कूल बैग वितरण, बच्चों के बैंक खाते खुलवाने की स्थिति, भवनहीन विद्यालय, शौचालय, बिजली और पेयजल सुविधा की उपलब्धता जैसे मुद्दों की समीक्षा की गई। ई-विद्यावाहिनी पोर्टल पर शिक्षकों एवं विद्यार्थियों की ऑनलाइन उपस्थिति और आवासीय विद्यालयों में नामांकन की स्थिति पर भी चर्चा की गई। बैठक में यह पाया गया कि जिले के 14,859 बच्चों के बैंक खाते अभी तक नहीं खुल पाए हैं। इस पर उपायुक्त ने जिला शिक्षा पदाधिकारी एवं संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि एलडीएम के साथ समन्वय स्थापित कर जल्द से जल्द सभी बच्चों के खाते खोले जाएं, ताकि योजनाओं का लाभ समय पर छात्रों तक पहुंच सके। शिक्षा विभाग के अधिकारियों ने जानकारी दी कि पिछले माह लगभग 4,000 बच्चों के खाते खोले गए हैं और शेष खातों को खोलने की प्रक्रिया जारी है। उपायुक्त ने यह भी निर्देश दिया कि विद्यालयों में स्वच्छता अभियान को प्राथमिकता देते हुए अधिक से अधिक स्कूलों का पंजीकरण स्वच्छ विद्यालय पुरस्कार के लिए सुनिश्चित किया जाए। सीएम स्कॉलरशिप और यूनिफॉर्म की राशि वितरण का कार्य समयसीमा में पूरा किया जाए। भवनहीन विद्यालय, शौचालय, बिजली और पेयजल की समस्या को लेकर सर्वे रिपोर्ट शीघ्र उपलब्ध कराई जाए, ताकि स्वीकृति दी जा सके। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि ई-विद्यावाहिनी पोर्टल पर शिक्षकों और बच्चों की ऑनलाइन उपस्थिति दर्ज करना अनिवार्य है। उपायुक्त ने कहा कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, आधारभूत सुविधाओं की उपलब्धता और बच्चों तक योजनाओं का समय पर लाभ पहुंचाना जिला प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। प्रखंड स्तर पर नियमित मॉनिटरिंग कर शिक्षा व्यवस्था को और सुदृढ़ बनाया जाए। बैठक में उप विकास आयुक्त नागेंद्र पासवान, जिला शिक्षा पदाधिकारी, जिला शिक्षा अधीक्षक, सभी प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी और अन्य संबंधित विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

एक नजर

ग्राम प्रधानों का दो दिवसीय प्रखंड स्तरीय कार्यशाला का आयोजन

ईचागढ़ : पंचायती राज विभाग, जिला प्रशासन एवं जेआईटीएम स्किल प्राइवेट लिमिटेड के संयुक्त तत्वाधान में ईचागढ़ प्रखंड सभागार में अनुसूचित क्षेत्र की ग्राम सभा के अधिकार एवं जिम्मेदारी विषय पर दो दिवसीय प्रखंड स्तरीय कार्यशाला का आयोजन शुक्रवार और शनिवार को किया गया। इस कार्यशाला में 45 ग्राम प्रधानों ने सहभागिता की। कार्यशाला में प्रशिक्षक रंजीत कुमार आचार्य और अनाथ महतो द्वारा ग्राम प्रधान को ग्राम सभा की भूमिका, अधिकार, जिम्मेदारियाँ एवं संवैधानिक प्रावधानों के संबंध में प्रशिक्षण दिया गया।

डीसी के आदेश की उड़ रही धज्जियां

पटमदा : जमशेदपुर उपायुक्त कर्ण सत्यार्थी के द्वारा आगामी कुछ दिनों पहले जिला स्तरीय बैठक अवैध बालू के भंडारण और अवैध बालू व्यापारियों पर नकेल कसने का निर्देश जारी किया गया था ।डीसी के आदेश के अनुसार जिस क्षेत्र में बालू का अवैध कारोबार फल फूल रहा हैं ।उस क्षेत्र के सीओ और थाना प्रभारी पर कार्यवाही का भी आदेश दिया गया था। लेकिन पटमदा प्रखंड के कमलपुर थाना क्षेत्र के कटीन से बड़ाबाजार जाने वाली मुख्य सड़क के दोनों किनारे जामबनी मोड के पास मुख्य सड़क किनारे और सारंगीडीह जाने वाले सड़क किनारे भारी मात्रा में एक स्थान पर बालू का भंडारण अवैध बालू कारोबारियों के साहस और प्रशासन को चैलेंज देने वाली बात सामने आ रही हैं। मुख्य सड़क के किनारे प्रशासन के आंख में धूल झोंककर बालू का कारोबार चलाना साहसी कार्य प्रतीत हो रहा हैं ।ग्रामीणों के अनुसार इस व्यापार में स्थानीय व्यापारियों का हाथ बताया जा रहा हैं ।यदि मुख्य सड़क किनारे ये स्थिति है तो गांव के अंदर ओर सीमावर्ती क्षेत्रों में क्या स्थिति होगा। क्या प्रशासन इस मामले से अनभिग है या अनदेखी कर रही हैं।

संक्षिप्त खबरें

उषा मार्टिन फाउंडेशन ने बांटी खेल सामग्री बने नए स्पोर्ट्स क्लब

अनगड़ा : उषा मार्टिन फाउंडेशन अपने फैक्टरी के आसपास के गांवों में युवाओं और बच्चों को खेल से जोड़ने के लिए लगातार प्रयासरत है। इसी कड़ी में इस वर्ष भी फाउंडेशन ने विभिन्न फुटबॉल टीमों और क्लबों को खेल सामग्री वितरित की। फाउंडेशन ने दस गांवों में युवाओं की टीम बनाकर उन्हें खेल सामग्री उपलब्ध कराई है। उषा मार्टिन फाउंडेशन के वरुण कुमार ने बताया कि हर एक स्पोर्ट क्लब को 15 से 20 सेट जर्सी, बूट्स, सॉक्स के अलावा तीन फुटबॉल दिए गए हैं। इसके अलावा लड़कियों को खेलकूद से जोड़ने के लिए वॉलीबॉल, नेट, कैरमबोर्ड और स्किपिंग रोप भी मुहैया कराए जा रहे हैं। इस अभियान में सरकारी विद्यालय के बच्चों को भी शामिल किया गया है। लालगंज के मुखिया अनिल लिंडा ने बताया कि कंपनी के सहयोग से पिछली बार उनकी टीम ने जिला स्तर पर बेहतर प्रदर्शन किया था। चतरा के सुमीत महतो ने बुजुर्ग ग्रामीणों को लेकर एक Legend F.C टाटीसिलवे, बनाई है, जिसमें टाटीसिलवे के आसपास के 10 गांवों के बुजुर्ग खिलाड़ी शामिल हैं। हरातू की मुखिया नूतन पाहन और टाटी के मुखिया कृष्णा प्रधान भी अपने-अपने गांवों में खेलकूद को बढ़ावा देने में सक्रिय हैं। उषा मार्टिन फाउंडेशन का उद्देश्य ग्रामीण युवाओं और बच्चों को खेलकूद से जोड़ना है, ताकि वे बेहतर स्वास्थ्य, जीवनशैली और खेल के क्षेत्र में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर सकें। खेल सामग्रियां प्राप्त करने वाली टीम है एम टी एल .एफ सी क्लब लालगंज, लीजेंड एफ सी टाटीसिलवे, हरातु सरना क्लब, टाटी फुटबॉल क्लब और स्वर्णरेखा फुटबॉल क्लब प्रमुख हैं।

दुगार्पूजा के आयोजन को लेकर शांति समिति की बैठक संपन्न

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

ईचागढ़ : सरायकेला खरसावां जिला के तिरूलडीह एवं ईचागढ़ थाना परिसर में क्षेत्र में होने वाली शारदीय नवरात्रि दुर्गापूजा को लेकर शनिवार को दुर्गा पूजा कमिटी व शांति समिति के सदस्यों के बैठक का आयोजन किया गया। तिरुलडीह थाना परिसर में थाना प्रभारी अविनाश कुमार की अध्यक्षता में संपन्न हुई। उक्त बैठक में बिजली, स्वास्थ्य, पानी, साफ-सफाई, यातायात नियंत्रण आदि की जानकारी दी गई। थाना प्रभारी ने सरकार की ओर से जारी गाइड लाइन से अवगत कराते हुए कहा कि दुर्गा पूजा समिति को शांति व्यवस्था बनाए रखने तथा पंडाल में सीसीटीवी की व्यवस्था को लेकर विशेष निर्देश दिए एवं साथ में अग्निशमन की भी व्यवस्था हर पंडाल पर करने को कहा। सीसीटीवी लगाए जाने से किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना करने से पहले आदमी के मन में संकोच पैदा हो जाए और घटना होने से बचा जा सके। उन्होंने कहा कि पूजा समिति को इस बात का ख्याल रखना होगा कि पूजा स्थल पर पंडाल व भीड़भाड़ वाले स्थान पर श्रद्धालुओं के आने और जाने के लिए उचित व्यवस्था होनी चाहिए। वहीं सभी से अपील करते हुए कहा की विशेष कर बाइक स्टंट करने वाले वैसे युवक पर विशेष ध्यान रहेगा तथा उनके माता पिता भी इस तरह की कृत्य के लिए बच्चे पर विशेष ध्यान रखें यदि कोई भी युवक इस तरह की बाईक स्टंड के तहत पकड़ा जाता है, तो उनके ऊपर व्हीकल एक्ट की धारा के तहत जुमार्ना किया जाएगा साथ में उन्होंने यह भी कहा की सोशल मीडिया पर किसी भी प्रकार की अफवाह फैलाने की प्रयास न करें यदि किसी भी प्रकार की घटना सोशल मीडिया पर आती है तो इसकी सूचना थाना प्रभारी को दे,घटना की पुष्टि के बाद ही उसको आगे फॉरवर्ड करें। वहीं सदस्यों द्वारा दिए गए सुझाव के आधार पर थाना प्रभारी ने सभी समस्याओं को सूचीबद्ध करते हुए निदान हेतु आश्वस्त किए। साथ ही साथ अफीम की खेती से होनेवाले नुकसान एवं महिला सुरक्षा को लेकर जागरूक किया गया।

विधायक ने दिव्यांगजन को भेंट की व्हीलचेयर जताया आभार

जमशेदपुर : विधायक पूर्णिमा साहू लगातार अपने क्षेत्र के जरूरतमंदों और विशेषकर दिव्यांगजनों की सुविधा को प्राथमिकता देती रही हैं। चाहे उन्हें सहायक उपकरण उपलब्ध कराना हो, स्वास्थ्य सुविधा दिलाना हो या किसी भी प्रकार की सामाजिक मदद, वे हर स्तर पर तत्परता से आगे आती हैं। इसी क्रम में, साकची पूर्वी एवं बिरसानगर क्षेत्र के दिव्यांगजनों के बीच व्हीलचेयर भेंट कर उन्होंने एक बार फिर अपने मानवीय दृष्टिकोण का परिचय दिया। शनिवार को जमशेदपुर पूर्वी की विधायक पूर्णिमा साहू ने अपने एग्रिको स्थित आवासीय कार्यालय में क्षेत्र के दो दिव्यांग जनों को व्हीलचेयर भेंट की। इस अवसर पर उन्होंने बिरसानगर निवासी मिंटू मंडल और नेहरू कॉलोनी की 15 वर्षीय दिव्यांग बालिका पीटू बाग को व्हीलचेयर सौंपते हुए कहा कि यह मेरे लिए सौभाग्य की बात है कि मैं उनके कठिन जीवन में गिलहरी योगदान देकर उनकी थोड़ी सहायता कर पाई।

कार्यालय, जिला परिषद्, लोहरदगा।
(अभियंत्रण कोषांग)
Phone Number:- 06526-222064 email-id: zplohardaga@gmail.com

अति अल्पकालीन कोटेशन आमंत्रण सूचना

लोहरदगा जिला अन्तर्गत महिला महाविद्यालय, बरही, लोहरदगा हेतु 02(दो) बस (35+A+D) का क्रय किया जाना है। जिसके लिए इच्छुक आपूर्तिकर्त्ता /प्रतिष्ठान से कोटेशन आमंत्रित किया जाता है। इच्छुक आपूर्तिकर्त्ता /प्रतिष्ठान दिनांक 20.09.2025 को 03:00 बजे अपराह्न तक जिला परिषद कार्यालय में निबंधन आदि शुल्क सहित कोटेशन समर्पित करेंगे।

जिला अभियन्ता,
जिला परिषद्, लोहरदगा।

PR 361826 (Lohardaga) 25-26 (D)

झारखण्ड सरकार, निदेशालय, नियोजन एवं प्रशिक्षण
श्रम, नियोजन, प्रशिक्षण एवं कौशल विकास विभाग, झारखण्ड, राँची

नमांकन संबंधित सूचना

पत्रांक–5/प्रशि0(प्रशि0)–01/2025–1302 राँची, दिनांक–12.09.2025

औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (ITI)में शैक्षणिक सत्र 2025–26–27 में SPOT Round of online Counselling & Admission से संबंधित सूचना
औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, हजारीबाग
Email ID-govitihazaribag@gmail.com

निदेशालय, नियोजन एवं प्रशिक्षण, श्रम, नियोजन, प्रशिक्षण एवं कौशल विकास विभाग, राँची द्वारा NCVT से मान्यता प्राप्त राज्य के औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, हजारीबाग, में शैक्षणिक सत्र 2025–26–27 में नामांकन के लिए Spot Round of online Counselling & Admission निम्न तिथियों के अनुसार निर्धारित है।

Time Schedule for SPOT Round of online Counselling & Admission

Sl. No.	Activity	Date	
		Date	To
1	SPOT Round online Admission (Seat Allotment and Admission for Pre Registered Candidates)	15-09-2025	30-09-2025

1. नामांकन संबंधी विस्तृत महत्वपूर्ण सूचना झारखण्ड ITI Webportal (https://iti.jharkhand.gov.in) के Download Section के Notification Tab में देखा/Download किया जा सकता है।
2. किसी प्रकार की महत्पूर्ण जानकारी हेतु ITI Webportal के Grievance Section में टिकट raise किया जा सकता है एवं आवश्यकतानुसार मो0 न0–9031271707 पर सम्पर्क किया जा सकता है।

उक्त सूचना को Jharkhand के ITI Webportal (https://iti.jharkhand.gov.in) के Download Section के Notification Tab में देखा/Download किया जा सकता है।

ह0/–
प्रभारी प्राचार्य,
औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान,हजारीबाग

PR 361828 Labour Employment and Traning(25-26).D

सरिया में नालियों की बदहाली से आम जनता बेहाल

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

सरिया : गिरिडीह जिले के सरिया अनुमंडल मुख्यालय के जिला बनने की दिशा में तेजी से कदम बढ़ रहे हैं, लेकिन बुनियादी सुविधाओं का हाल देखकर नागरिक बेहाल हैं। यह जिला राज्य के माननीय मंत्री का निवास स्थान होने के बावजूद, यहां के नगर पंचायत अधिकारियों की उदासीनता ने आम जनता को परेशान कर दिया है। स्टेशन रोड पर हाई स्कूल के पास से लेकर रेलवे स्टेशन तक नालियां बजबजा रही हैं, गंदा पानी सड़कों पर बह रहा है, लेकिन नगर प्रबंधक साहब का फोन तक नहीं उठता। नागरिकों का कहना है कि साफ सफाई इमरजेंसी सर्विस का हिस्सा है, जहां तत्काल सुनवाई जरूरी है। एक स्थानीय निवासी ने बताया, ₹हम बार-बार विभाग को सूचित करने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन अधिकारी डीएनडी मोड में चले गए हैं। जिला बनने की होड़ में ये छोटी-छोटी समस्याएं अनदेखी की शिकार हो रही हैं। सरिया नगर पंचायत के इस इलाके में नालियों की सफाई न होने से बीमारियों का खतरा मंडरा रहा है, और जनता को विधायक या पूर्व विधायक के पास शिकायत ले जाने की नौबत आ रही है। हाल ही में सरिया में इसी तरह की समस्याओं पर विवाद भी हो चुका है, जहां काला रोड पर नाली निर्माण की मांग को नजरअंदाज करने पर सड़क निर्माण तक रोक दिया गया था। बगोदर-सरिया रोड पर भी नालियां जाम होने से गंदा पानी सड़कों पर बह रहा है, जिसकी शिकायत शांति समिति की बैठकों में की जाती है, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं। नागरिकों की मांग है कि नगर प्रबंधक सहित संबंधित अधिकारी सक्रिय हों और इमरजेंसी सेवाओं को मजबूत बनाएं। वरना, मुस्कुराइए आप सरिया में हैं का नारा सिर्फ मजाक बनकर रह जाएगा।

कुकड़ू-ईचाडीह सड़क जर्जर, ग्रामीणों ने जीर्णोद्धार की मांग उठाई

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

ईचागढ़ : सरायकेला जिले के कुकड़ू प्रखंड अंतर्गत ईचाडीह पंचायत को प्रखंड मुख्यालय से जोड़ने वाली कुकड़ू भाया ईचाडीह चौका सड़क लंबे समय से बदहाली की मार झेल रही है। जगह-जगह गड्ढों से भरी इस सड़क पर आवागमन ग्रामीणों के लिए रोजमर्रा की चुनौती बन गया है। बरसात के दिनों में स्थिति और भी दयनीय हो जाती है, जिससे पैदल चलने वालों से लेकर वाहन चालकों तक को भारी मुश्किलों का सामना करना पड़ता है। ग्रामीणों की लगातार मांग और विभागीय उदासीनता के बीच शनिवार को पंचायत स्तर पर एक बैठक आयोजित की गई। इसकी अध्यक्षता ईचाडीह पंचायत मुखिया चित्तरंजन सिंह मुंडा ने की। बैठक में लोगों ने बताया कि यह सड़क प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत वर्ष 2002 में बनी थी, लेकिन इसके बाद कभी मरम्मत नहीं हुई। पूर्व जिप उपाध्यक्ष अशोक साव ने कहा कि पिछले वर्ष भी ग्रामीणों ने श्रमदान कर अस्थायी मरम्मत की थी। इस बार भी सामूहिक सहयोग से सड़क की मरम्मत की जाएगी ताकि आवागमन सुचारु रह सके। बैठक के अंत में पंचायत मुखिया चित्तरंजन सिंह मुंडा ने कहा कि यदि सरकार की ओर से जल्द स्थायी समाधान नहीं निकाला गया, तो प्रतिनिधिमंडल के माध्यम से उच्च अधिकारियों से मुलाकात कर समस्या उठाई जाएगी।

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
भवन निर्माण विभाग, भवन प्रमण्डल, गुमला

"अल्पकालीन निविदा आमत्रंण सूचना"
संख्या –31/2025–26

1. विभाग का नाम : भवन निर्माण विभाग।
2. विज्ञापनदाता का पद नाम : कार्यपालक अभियंता, भवन निर्माण विभाग, भवन प्रमण्डल, गुमला।
3. परिमाण विपत्र बिक्री की तिथि एवं समय : दिनांक 07.10.2025 को अपराह्ण 1:00 बजे तक।
4. मुहरबंद निविदा प्राप्ति की तिथि एवं समय : दिनांक 08.10.2025 को अपराह्ण 3:00 बजे तक।
5. मुहरबंद निविदा खोलने की तिथि एवं समय : दिनांक 08.10.2025 को अपराह्ण 3:30 बजे से।
6. परिमाण विपत्र बिक्री का स्थान : 1. कार्यपालक अभियंता का कार्यालय, भवन निर्माण विभाग, गुमला। 2. सहायक अभियंता का कार्यालय, भवन अवर प्रमंडल सं.–01, गुमला।
7. निविदा प्राप्ति एवं खोलने का स्थान : कार्यपालक अभियंता का कार्यालय भवन निर्माण विभाग, भवन प्रमंडल, गुमला।
8. कार्य की विवरणी :–

क्र.	कार्य का नाम	प्राक्कलित राशि	अग्रधन की राशि	परिमाण विपत्र का मूल्य	कार्य समाप्ति की अवधि
1	2	3	4	5	6
1	Wooden Panelling work in Court Room and Prepare of VWDC in Court Building of Civil Court Gumla	20,21,400.00	40,500.00	5000.00	2 माह

कार्यपालक अभियंता,
भवन निर्माण विभाग, भवन प्रमण्डल, गुमला

PR 361903 Building(25-26)#D

एसबीयू में नवाचार और स्टार्टअप पर कार्यशाला का हुआ आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

अनगडा : सरला बिरला विश्वविद्यालय के इंस्टीट्यूशन इनोवेशन काउंसिल एवं टीबीआई सेंटर ऑफ इनोवेशन एंड इनक्यूबेशन काउंसिल, एनआईटी जमशेदपुर के संयुक्त तत्वावधान में स्टार्टअप फंडिंग प्रपोजल : फ्यूलिंग आइडियाजः क्रिएटिंग फ्यूचर विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन विश्वविद्यालय परिसर स्थित जी.डी. बिरला सभागार में किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ पंजीकरण, अतिथियों के स्वागत, दीप प्रज्वलन तथा विश्वविद्यालय कुलगीत के साथ हुआ। स्वागत भाषण में डॉ. संदीप कुमार, अध्यक्ष, इंस्टीट्यूशन इनोवेशन काउंसिल, एसबीयू ने कार्यशाला के उद्देश्य और स्वरूप पर विस्तार से प्रकाश डाला। माननीय महानिदेशक, प्रो. गोपाल पाठक ने अपने संबोधन में नवाचार और उद्यमिता की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि यह नौकरियां खोजने का युग नहीं है, बल्कि दूसरों को नौकरियां देने का युग है। विद्यार्थियों को चाहिए कि वे परिषद की सहायता से अपने स्वयं के स्टार्टअप शुरू करें और दूसरों के लिए अवसर पैदा करें। तकनीकी सत्र में डॉ. देबाशीष दत्ता, मुख्य कार्यकारी अधिकारी, टीबीआई, एनआईटी जमशेदपुर ने कहा कि उद्यमिता ही भारत की विकास यात्रा का भविष्य पथ है और यही देश को आत्मनिर्भर बनाने में सहायक होगी। मुख्य सत्र में सरला बिरला विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति एवं इंस्टीट्यूशन इनोवेशन काउंसिल के मुख्य-मेंटोर, प्रो. सी. जगनाथन ने साधारण समस्याओं से नवाचार एवं स्टार्टअप विचार विषय पर अपने विचार प्रस्तुत किए। उन्होंने कहा कि नवाचार और स्टार्टअप्स जीवन की सामान्य समस्याओं से उत्पन्न होते हैं और इन्हें समाधान-आधारित उद्यमिता में परिवर्तित किया जा सकता है। इसी से विद्यार्थियों के भीतर रचनात्मकता और नए विचारों को पंख मिलते हैं। कार्यशाला के अंत में अतिथियों का सम्मान किया गया तथा धन्यवाद ज्ञापन अनिमेष सरकार, संयोजक, इंस्टीट्यूशन इनोवेशन काउंसिल ने प्रस्तुत किया। मंच संचालन डॉ. गगनदीप चड्ढा ने किया। सरला बिरला विश्वविद्यालय के प्रतिकुलाधिपति बिजय कुमार दलान और राज्यसभा सांसद डॉ प्रदीप कुमार वर्मा ने इस कार्यशाला के आयोजन पर अपनी शुभकामनाएं प्रेषित की हैं।

OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER
BUILDING CONSTRUCTION DEPARTMENT
BUILDING DIVISION NO. -02. RANCHI

NOTICE INVITING QUOTATION NO-13/2025-26

Sealed quotations are invited for the work

S.No.	Name of Work	Cost of Boq	Time of Completion
1	Construction of Modular OT at Sadar Hospital, Ranchi.	10000.00	Four Months

by the Executive Engineer, Building Construction Department, Building Division No.-02, Ranchi sell of quotation paper will be on 26.09.2025 upto 1.00 pm, quotation paper received on dated-27.09.2025 at 3.00 p.m and will be opened on 27.09.2025 at 3.30 pm at B.C.D. Division No.-02, Ranchi by Executive Engineer or his authorized representative in the presence of Quotationers or their authorized representative, whosoever desire may remain present at the time of opening. Cost of Bid for work in shape of Demand draft (non refundable) from any State Bank Payable at SBI Main Branch, Ranchi (Code-0167) /any Schedule Bank, Payable at Ranchi in favour of The Executive Engineer, Building Construction Department, Building Division No.-02, Ranchi.

The quotation should be accompanied with (1) Initial security deposit which will be *2%* of the quoted amount in shape of Bank Guarantee or 5 Years/3 Years Post Office Term Deposit or N.S.C. (8th issue)/fixed deposits of a scheduled Bank duly pledged in favour of Executive Engineer, Building Division No.-02, Ranchi. (2) Updated Income Tax Return and GST Return (3) PAN Card (4.) Quotationer Having Similar Nature of Work experience. (5)The Bidder Must submitted specified manufacture for medical equipment authrisation letter issued from Original Equipment manufacturer (OEM).(6) The firm must be a registered firm in the trade of maintaining of Modular OT.(7) Full Service Facility and Service centre must be located at Ranchi District.

In the case of Gazetted holiday the quotation will be received/opened on the next working day.

नोट :कोटेशन की शर्तें http://www.jharkhand.gov.in एवं कार्यालय के सूचना पट्ट पर देखी जा सकती है।

Executive Engineer
Building Construction Department
Building Division No-02, Ranchi.

PR 361879 (Building) 25-26 (D)

विश्व की सबसे समृद्ध भाषा है हिन्दी

हिन्दी एक भारतीय इंडो-यूरोपीय भाषा है जो संस्कृत से विकसित हुई और देवनागरी लिपि में लिखी जाती है। देवनागरी लिपि में ही संस्कृत, मराठी, नेपाली और कई अन्य भारतीय भाषाएँ भी लिखी जाती है। देवनागरी का अर्थ है "देवताओं की लिपि" या 'शहर की लिपि'। यह संस्कृत के दो शब्दों देव' (ईश्वर/देवता) और 'नागरी' (नगर/शहर से लिया गया विशेषण) से मिलकर बना है। देवनागरी एक ब्राह्मी-आधारित वर्णमाला है जिसका उपयोग भारत की कई भाषाएँ जैसे हिंदी, मराठी और संस्कृत को लिखने के लिए किया जाता है। इसीलिए हिंदी भाषा को संस्कृत भाषा की प्रत्यक्ष वंशज कहा जाता है। हिंदी भाषा एक-दूसरे के साथ बातचीत करने के लिए बहुत आसान और सरल माध्यम प्रदान करती है। यह प्रेम, मिलन और सौहार्द की भाषा है। हिन्दी विविध भारत को एकता के सूत्र में पिरोने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। लेकिन यह कैसी विडम्बना है कि जिस भाषा को कश्मीर से कन्याकुमारी तक सारे भारत में समझा जाता हो। उस भाषा के प्रति आज भी इतनी उपेक्षा व अवज्ञा क्यों? प्रत्येक वर्ग का व्यक्ति हिन्दी भाषा को आसानी से बोल-समझ लेता है। इसलिए इसे सामान्य जनता की भाषा अर्थात जनभाषा कहा गया है। हिन्दी भारत सरकार की आधिकारिक भाषा है और हिंदी बोलने वालों की संख्या भारत में सर्वाधिक है। हिंदी भाषा का अर्थ है "भारत या हिंद से संबंधित"। यह भारत की आधिकारिक राजभाषा है और दुनिया में तीसरी सबसे अधिक बोली जाने वाली भाषा है। इसका इतिहास प्राचीन संस्कृत और प्राकृत भाषाओं से जुड़ा है। हिन्दी भाषा का जन्म भारत में ही हुआ था । एक भाषा के रूप में हिंदी न सिर्फ भारत की पहचान है। बल्कि यह हमारे जीवन मूल्यों, संस्कृति एवं संस्कारों की सच्ची परिचायक भी है। बहुत सरल, सहज और सुगम भाषा होने के साथ हिंदी विश्व की संभवतः सबसे वैज्ञानिक भाषा है। जिसे दुनिया भर में समझने, बोलने और चाहने वाले लोग बहुत बड़ी संख्या में मौजूद हैं। भारतेन्दु हरिश्चंद्र को आधुनिक हिंदी का जनक कहा जाता है। जिन्होंने हिंदी, पंजाबी, बंगाली और मारवाड़ी सहित कई भाषाओं में अपना योगदान दिया था। भारत की स्वतंत्रता के बाद 14 सितम्बर 1949 को संविधान सभा ने एक मत से यह निर्णय लिया कि हिन्दी की खड़ी बोली ही भारत की राजभाषा होगी। इस महत्वपूर्ण निर्णय के बाद 1953 से सम्पूर्ण भारत में 14 सितम्बर को प्रतिवर्ष हिन्दी-दिवस के रूप में मनाया जाते लगा है जो हिंदी भाषा के महत्व को दशार्ता है। यदि हम हिंदी भाषा के विकास की बात करें तो यह कहना गलत नहीं होगा कि पिछले सौ सालों में हिंदी का बहुत विकास हुआ है। हिंदी भाषा का इतिहास लगभग एक हजार वर्ष पुराना माना गया है। भारत में धर्म, परंपराओं और भाषा में विविधता के बावजूद यहां के लोग एकता में विश्वास रखते हैं। भारत में विभिन्न भाषाएं बोली जाती हैं। लेकिन सबसे ज्यादा हिंदी भाषा बोली, लिखी व पढ़ी जाती है। इसीलिए हिंदी भारत की सबसे प्रमुख भाषा है। हिन्दी के ज्यादातर शब्द संस्कृत, अरबी और फारसी भाषा से लिए गए हैं। यह मुख्य रूप से आर्यों और पारसियों की देन है। इस कारण हिन्दी अपने आप में एक समर्थ भाषा है। जहां अंग्रेजी में मात्र 10 हजार मूल शब्द हैं। वहीं हिन्दी के मूल शब्दों की संख्या 2 लाख 50 हजार से भी अधिक है। हिन्दी विश्व की एक प्राचीन, समृद्ध तथा महान भाषा होने के साथ हमारी राजभाषा भी है। हिन्दी उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान, उत्तराखण्ड, हिमाचल प्रदेश, हरियाणा और दिल्ली राज्यों की राजभाषा भी है। राजभाषा बनने के बाद हिन्दी ने विभिन्न राज्यों के कामकाज में लोगों से सम्पर्क स्थापित करनें का अभिनव कार्य किया है। लेकिन विश्व भाषा बनने के लिए हिन्दी को अब भी संयुक्त राष्ट्र के कुल सदस्यों के दो तिहाई देशों के समर्थन की आवश्यकता है। भारत सरकार इस दिशा में तेजी से कार्य कर रही है। हम संभावनाएं जता सकते हैं कि शीघ्र ही हिन्दी को संयुक्त राष्ट्र संघ की आधिकारिक भाषा में शामिल कर लिया जायेगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अपनी विदेश यात्रा के दौरान अधिकतर अपना सम्बोधन हिन्दी भाषा में ही देते हैं। जिससे हिन्दी भाषा का महत्व विदेशी धरती पर भी बढ़ने लगा है।

सूडोकु नवताल- 7552

★☆☆☆☆ सरल

7	8				2	6		3
			4					
1	3	5		8				
	2			1			7	8
6	7			9			2	
				6		5	9	2
					3			
2		8	5				6	1

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7551 का हल

4	3	2	9	5	6	1	7	8
6	8	5	7	1	4	9	2	3
9	1	7	3	8	2	4	5	6
3	4	8	6	2	7	5	1	9
5	6	1	8	4	9	2	3	7
2	7	9	5	3	1	6	8	4
1	9	3	4	7	5	8	6	2
8	2	4	1	6	3	7	9	5
7	5	6	2	9	8	3	4	1

आधुनिक तकनीक एवं मानवीय करुणा है लोकतंत्र की बुनियाद

ललित गर्ग

संयुक्त राष्ट्र ने 15 सितंबर को अंतर्राष्ट्रीय लोकतंत्र दिवस के रूप में नामित किया है ताकि दुनिया भर में लोकतंत्र और उसके मूल सिद्धांतों का जश्न मनाया जा सके। विश्व समुदाय ने पहली बार 2008 में अंतर्राष्ट्रीय लोकतंत्र दिवस मनाना नए या पुनर्स्थापित लोकतंत्रों के पहले अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की 20वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में स्वीकार किया, जिसने लोगों को दुनिया भर में लोकतंत्र को बढ़ावा देने पर जोर देने का अवसर प्रदान किया। इस दिन का मुख्य उद्देश्य लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं की समीक्षा करना, लोकतंत्रीकरण और मानवाधिकारों को बढ़ावा देना और दुनिया भर की सरकारों से नागरिकों के अधिकारों का सम्मान करने और लोकतंत्र में सार्थक एवं सार्थक भागीदारी सुनिश्चित करने का आग्रह करना है। साथ ही, सतत विकास के लिए 2030 एजेंडा का उद्देश्य 16 सतत विकास लक्ष्यों के साथ लोकतंत्र को संबोधित करना, सूचना तक जनता की पहुँच सुनिश्चित करना, मौलिक स्वतंत्रताओं की रक्षा करना, राष्ट्रीय कानूनों और अंतर्राष्ट्रीय समझौतों का पालन करना और प्रभावी, जवाबदेह, समावेशी संस्थाओं का विकास करना है। यह दिन दुनिया भर में लोकतंत्र को बढ़ावा देने और मजबूत करने के लिए एक मंच के रूप में कार्य करता है, जिसमें स्वतंत्र प्रेस और मौलिक स्वतंत्रताएं शामिल हैं, जिन्हें सेंसरशिप और शारीरिक हिंसा के बढ़ते खतरों का सामना करना पड़ता है।

लोकतंत्र केवल शासन प्रणाली ही नहीं है, बल्कि एक ऐसा ढाँचा है जो मानवाधिकारों की सुरक्षा, कानून के शासन और निर्णय लेने में नागरिकों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करता है। 2024 में, दुनिया की लगभग आधी आबादी वाले 50 से ज्यादा देशों में चुनाव हुए, जिससे वैश्विक स्तर पर समाजों के भविष्य को आकार देने में लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया गया। अंतर्राष्ट्रीय लोकतंत्र दिवस केवल एक प्रतीकात्मक दिवस भर नहीं है, बल्कि यह अवसर है कि हम यह परखें कि लोकतंत्र अपने आदर्श रूप में कितना जीवंत है और वास्तविक जीवन में कितनी चुनौतियों से जूझ रहा है। इतिहास साक्षी है कि जब-जब लोकतंत्र ने अपनी जड़ों को मजबूत रखा, तब-तब समाज और राष्ट्र ने अभूतपूर्व प्रगति की, लेकिन जब-जब लोकतांत्रिक मूल्यों से खिलवाड़ हुआ, तब-तब अराजकता, अशांति, हिंसा, आतंक और तानाशाही प्रवृत्तियां हावी हो गईं। आज सबसे बड़ी चिंता यह है कि लोकतांत्रिक देशों में ही लोकतांत्रिक मूल्यों की धज्जियां उड़ाई जा रही हैं।

नेपाल में पिछले दिनों से चल रही अस्थिरता और आंदोलन यह दशार्ती है कि वहां की राजनीतिक नेतृत्व ने जनता की आकांक्षाओं को पूरा करने के बजाय सत्ता संघर्ष को वरीयता दी। बार-बार सरकार बदलना, नीतियों में असंगति, शासनगत भ्रष्टाचार और आमजन की समस्याओं की अनदेखी लोकतंत्र के मूल स्वरूप को ही चोट पहुँचाती है। यही हाल पाकिस्तान का है जहां लोकतांत्रिक ढांचा होते हुए भी सेना और सत्ता की सांठगांठ ने लोकतंत्र को खोखला बना दिया है। वहां अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर पाबंदी और विपक्षी नेताओं पर दमन लोकतांत्रिक आदर्शों का उपहास है। बांग्लादेश में हाल के आंदोलनों ने यह स्पष्ट कर दिया कि सत्ता का केंद्रीकरण लोकतंत्र का गला घोंटता है। वहां आम जनता और छात्रों की आवाज को कुचलने का प्रयास हुआ जिससे असंतोष उभरकर सामने आया। भूटान जैसे छोटे राष्ट्र में भी लोकतांत्रिक प्रक्रिया अपेक्षित रूप में मजबूत नहीं हो पा रही और सत्ता पर कुछ वर्गों का वर्चस्व देखा जा रहा है। ये उदाहरण बताते हैं कि लोकतंत्र केवल चुनाव कराने या संसद चलाने का नाम नहीं है। लोकतंत्र का अर्थ है नागरिक अधिकारों की रक्षा, समान अवसर, पारदर्शी शासन और जनता के प्रति जवाबदेही। जब नेता जनता से कट जाते हैं, जब संस्थाएं निष्पक्ष न रहकर सत्तापक्ष की कठपुतली बन जाती हैं, जब अभिव्यक्ति पर अंकुश लगाया जाता है, तब लोकतंत्र अपने असली स्वरूप से दूर हो जाता है। यही वजह है कि आज लोकतंत्र विश्वव्यापी संकट से गुजर रहा है।

आज दुनियाभर की शासन-प्रणालियों में घर कर रही समस्याओं के समाधान का रास्ता लोकतांत्रिक मूल्यों की पुनर्स्थापना में है। सबसे पहले राजनीतिक दलों को आंतरिक लोकतंत्र अपनाना होगा, क्योंकि यदि दलों में ही तानाशाही हो तो राष्ट्र में लोकतंत्र कैसे जीवित रहेगा? दूसरा, स्वतंत्र न्यायपालिका, स्वतंत्र मीडिया और मजबूत निर्वाचन प्रणाली लोकतंत्र की रीढ़ हैं, इन्हें किसी भी हालत में कमजोर नहीं होने देना चाहिए। तीसरा, नागरिक समाज और युवाओं को लोकतंत्र की रक्षा के लिए सजग और सक्रिय रहना होगा। महात्मा गांधी ने कहा था, लोकतंत्र जनता की आज्ञाकारिता नहीं, जनता की जागरूकता पर टिका है। निश्चित है कि लोकतंत्र सर्वोत्तम शासन प्रणाली है, परंतु यह तभी प्रभावी हो सकता है जब इसके मूल तत्व-पारदर्शिता, जवाबदेही, समानता और स्वतंत्रता को व्यवहार में उतारा जाए। यदि लोकतंत्र सही ढंग से चले तो इससे उन्नत शासन प्रणाली नहीं हो सकती। लोकतंत्र केवल व्यवस्था नहीं, बल्कि एक सतत साधना है, और उसकी रक्षा का दायित्व शासकों से कहीं अधिक जनता पर है। लोकतंत्र केवल एक शासन-प्रणाली नहीं है, बल्कि यह जीवन-मूल्यों और मानवीय गरिमा का उत्सव है। इसमें शासक और शासित का भेद मिट जाता है और सत्ता का वास्तविक केन्द्र जनता होती है। लोकतंत्र की सबसे बड़ी शक्ति उसकी आत्मा में निहित है-जनता की सक्रिय भागीदारी और संवाद। जहाँ जनता मौन रहती है और केवल शासकों पर सब कुछ छोड़ देती है, वहाँ लोकतंत्र धीरे-धीरे खोखला हो जाता है और तानाशाही का रूप धारण कर लेता है। लोकतंत्र की सफलता का मूलमंत्र है-उत्तरदायित्व और पारदर्शिता। यदि सत्ता में बैठे लोग अपने को जनता से ऊपर समझने लगें, भ्रष्टाचार और पक्षपात में डूब जाएँ, तो लोकतंत्र के मूल तत्व ही नष्ट हो जाते हैं।

आज की परिस्थितियों में लोकतंत्र को सबसे बड़ी चुनौती है-मूल्यों का ह्रास। केवल बाहरी ढाँचे और प्रक्रियाएँ ही लोकतंत्र को जीवित नहीं रख सकतीं। जब तक नागरिकों में नैतिक चेतना, कर्तव्य-बोध और सामाजिक सरोकार नहीं होंगे, तब तक लोकतंत्र केवल बहुमत की तानाशाही बनकर रह जाएगा। जैसा कि प्रायः कहा गया है- लोकतंत्र वही है जहाँ जनमत की गरिमा सुरक्षित हो, जनता की आवाज सुनी जाए और शासन जनता के कल्याण के लिए कार्य करे। लोकतंत्र का दूसरा पहलू है-विकेन्द्रित शक्ति। यदि सारे निर्णय केवल शीर्ष पर सीमित रहेंगे और गाँव, नगर, पंचायत या स्थानीय निकाय निष्क्रिय रहेंगे तो लोकतंत्र अधूरा रहेगा। असली लोकतंत्र वही है जहाँ निर्णय जनता की जमीनी जरूरतों के अनुसार हों और सत्ता की प्रक्रिया नीचे से ऊपर की ओर बहे। यह संवाद और सहमति का मार्ग है, संघर्ष और हिंसा का नहीं। इसे केवल व्यवस्था मानना भूल है; यह तो एक संस्कार और संस्कृति है, जो सतत आत्मावलोकन, आत्म-सुधार और समावेशिता की माँग करता है। अंतर्राष्ट्रीय लोकतंत्र दिवस मनाते हुए इसका सार यही है कि लोकतंत्र को बचाए रखने और उसे प्रभावी बनाने के लिए केवल संविधान और चुनाव काफी नहीं हैं; उसकी आत्मा को जीवित रखना आवश्यक है, जो जन-जागरण, नैतिकता और उत्तरदायित्व से ही संभव है। इस वर्ष लोकतंत्र दिवस मनाते हुए कृत्रिम बुद्धिमत्ता यानी एआई और लोकतंत्र के विषयों पर जोर दिया जा सकता है, जिसके तहत एआई के जिम्मेदार उपयोग से लोकतंत्र के मूल्यों को मजबूत करने की बात कही जाती है। यह दिन सभी के लिए एक सुरक्षित, समावेशी और अधिक जीवंत डिजिटल भविष्य बनाने के लिए लोकतांत्रिक मूल्यों, भागीदारी, और मानवाधिकारों पर सामूहिक रूप से काम करने के महत्व पर भी प्रकाश डालता है।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता और आधुनिक तकनीक के इस युग में लोकतंत्र को जीवंत बनाए रखने के लिए आवश्यक है कि हम तकनीक को केवल सुविधा का साधन न मानकर पारदर्शिता, संवाद और मानवीय मूल्यों को सशक्त करने का माध्यम बनाएँ। एआई लोकतंत्र को अधिक सहभागी और जवाबदेह बना सकता है-निर्णय लेने की प्रक्रियाओं को डेटा-संपन्न, सटीक और पारदर्शी बनाकर, जनता की आवाज को त्वरित रूप से शासन तक पहुँचाकर। लेकिन यदि तकनीक केवल सत्ता या कॉर्पोरेट के हाथों का खिलौना बन जाए तो यह लोकतंत्र की आत्मा को कुचल सकती है।

मिजोरम से प्रधानमंत्री का संदेश : विकास और संवाद से समस्याओं का समाधान

डॉ. मयंक चतुर्वेदी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मिजोरम से अपने भाषण में जो बातें कहीं, वे केवल एक राज्य के विकास का ब्योरा भर नहीं थीं, आज यह पूरे पूर्वोत्तर और भारत के लिए गहरे संदेश भी समेटे हुए थीं। उन्होंने कहा कि लंबे समय से हमारे देश की कुछ राजनीतिक पार्टियां वोट बैंक की पॉलिटिक्स कर रही हैं। जिन्होंने मिजोरम को अनदेखा किया, लेकिन आज मिजोरम फ्रंटलाइन में हैं।' अब पूर्वोत्तर, भारत का विकास इंजन बन रहा है।

प्रधानमंत्री ने हाल ही में मिजोरम के लिए कई करोड़ रुपये से अधिक की परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया है। इनमें 51 किलोमीटर लंबी बैराबी-सायरंग रेलवे लाइन सबसे अहम है, जिसमें 45 सुरंगें और भारत का दूसरा सबसे ऊँचा रेलवे पुल शामिल है। इस लाइन से सायरंग पहली बार दिल्ली, कोलकाता और गुवाहाटी से रेल मार्ग द्वारा सीधे जुड़ गया। राजधानी एक्सप्रेस अब सायरंग से दिल्ली तक 2,510 किलोमीटर का सफर तय करेगी, जबकि कोलकाता और गुवाहाटी से भी नियमित ट्रेनें उपलब्ध होंगी। प्रधानमंत्री ने कहा कि यह कनेक्टिविटी केवल यातायात का विस्तार नहीं बल्कि आर्थिक और सामाजिक बदलाव का द्वार है। किसानों को अब अपने उत्पाद बड़े बाजारों तक पहुँचाने का अवसर मिलेगा, छात्रों को शिक्षा और युवाओं को रोजगार की नई राहें मिलेंगी। देखा जाए तो पूर्वोत्तर में विकास का यह परिदृश्य कोई आकस्मिक घटना नहीं है।

2014 के बाद से केंद्र ने इस क्षेत्र को देश की विकास धारा से जोड़ने को अपनी प्राथमिकता बनाया। सड़क अवसंरचना में यह बदलाव साफ दिखता है। जहाँ 2014 में राष्ट्रीय राजमार्गों की कुल लंबाई पूर्वोत्तर में लगभग 8,500 किलोमीटर थी, वहीं आज यह 14,000 किलोमीटर से अधिक हो चुकी है। अकेले मिजोरम में 1,500 किलोमीटर नई सड़कें बनीं। भारतमाला परियोजना के अंतर्गत दर्जनों नए पुल और सुरंगों ने दुर्गम पहाड़ी इलाकों की दूरी घटा दी है।

रेलवे का ही उदाहरण लें। आज से पहले तक पूर्वोत्तर के कई राज्य भारतीय रेल मानचित्र पर नहीं थे। अरुणाचल प्रदेश, त्रिपुरा और मणिपुर की तरह अब मिजोरम भी इसमें शामिल हो गया है। यह ऐतिहासिक उपलब्धि केवल सुविधा का विस्तार नहीं बल्कि मनोवैज्ञानिक दृष्टि से भी महत्त्वपूर्ण है। वर्षों तक यह भावना गहरी रही कि दिल्ली पूर्वोत्तर से दूर है। मगर रेल, सड़क और हवाई कनेक्टिविटी ने इस दूरी को सच्चे अर्थों में घटाना शुरू किया है।

हवाई संपर्क का भी यही हाल है। 2014 तक पूर्वोत्तर में केवल 9 हवाई अड्डे संचालित थे, जो अब 17 हो चुके हैं। उड़ान योजना ने छोटे शहरों और दुर्गम क्षेत्रों तक हवाई सेवा पहुँचाई। प्रधानमंत्री ने अपने भाषण में संकेत दिया कि जल्द ही मिजोरम में हेलीकॉप्टर सेवाएँ शुरू होंगी, जिससे दूर-दराज के इलाकों तक पहुँचना आसान होगा।

बिजली और ऊर्जा के मोर्चे पर भी तस्वीर बदली है। सौभाग्य योजना और 'पावर फॉर ऑल' कार्यक्रम के तहत लगभग हर घर तक बिजली पहुँची है। मिजोरम में जहाँ 2014 तक बिजली की पहुँच 70 प्रतिशत से कम थी, आज लगभग सार्वभौमिक हो चुकी है। उज्ज्वला योजना से 1.25 लाख से अधिक परिवारों को एलपीजी कनेक्शन मिले। यह बदलाव केवल आँकड़ों में नहीं बल्कि रोजमर्रा के जीवन में महिलाओं के लिए राहत और स्वास्थ्य में सुधार के रूप में दिखता है।

प्रधानमंत्री ने अपने भाषण में मिजोरम की युवा शक्ति का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि राज्य प्रतिभाशाली युवाओं से भरा है और सरकार का काम उन्हें सशक्त बनाना है। यही कारण है कि यहाँ 11 एकलव्य आवासीय विद्यालय पहले ही बन चुके हैं और 6 और निमार्णाधीन हैं। इसके अतिरिक्त, लगभग 4,500 स्टार्टअप और 25 इनक्यूबेटर इस क्षेत्र में काम कर रहे हैं। यह आँकड़ा साबित करता है कि पूर्वोत्तर अब केवल उपभोक्ता नहीं बल्कि नवाचार का भी केंद्र बन सकता है।

स्वास्थ्य सेवाओं में प्रधानमंत्री स्वास्थ्य सुरक्षा योजना और आयुष्मान भारत ने बड़ा असर डाला है। मिजोरम के लाखों परिवारों को अब मुफ्त इलाज की सुविधा उपलब्ध है। नए अस्पताल और मेडिकल कॉलेज निमार्णाधीन हैं। इसी तरह खेल अवसंरचना को भी प्राथमिकता दी जा रही है। यह क्षेत्र पहले ही भारत को मैरी कॉम और मीराबाई चानू जैसे विश्वस्तरीय खिलाड़ी दे चुका है। अब उनके नक्शेकदम पर चलने के लिए संस्थागत ढाँचा तैयार किया जा रहा है।

आर्थिक दृष्टि से भी मिजोरम की सौगातें महत्वपूर्ण हैं। पूर्वोत्तर औद्योगिक विकास योजना के तहत निवेशकों को कर छूट और प्रोत्साहन दिया जा रहा है। बांस आधारित उद्योगों को वैश्विक बाजार से जोड़ने की योजना पर काम हो रहा है। ह्लवन डिस्ट्रिक्ट, वन प्रोडक्टह्व कार्यक्रम ने जिलों की पारंपरिक हस्तकला और उत्पादों को नया बाजार दिया है। इससे स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार के अवसर बढ़ेंगे।

इन तमाम प्रयासों का व्यापक असर पूर्वोत्तर की मानसिकता पर दिख रहा है। कभी अलगाव और हिंसा के लिए चर्चित यह क्षेत्र अब संवाद और विकास की भाषा बोल रहा है। मोदी ने मिजोरम से जो संदेश दिया कि समस्याओं का समाधान संवाद और विकास दोनों से होता है, वह न केवल क्षेत्र के लिए बल्कि पूरे भारत के लिए महत?व रखता है। क्योंकि जब सीमांत क्षेत्र मजबूत होते हैं तो राष्ट्र की एकता और सुरक्षा अधिक मजबूत होती है, क्योंकि पूर्वोत्तर सिर्फ सीमांत राज्य नहीं हैं बल्कि भारत के 'एक्ट ईस्ट' विजन के द्वार हैं।

आज मिजोरम को मिली सौगातें केवल स्थानीय जनता के लिए राहत नहीं, वस्तुतः भारत की रणनीतिक, आर्थिक और सांस्कृतिक शक्ति का विस्तार भी हैं। यह वह प्रक्रिया है जिसके जरिए पूर्वोत्तर अब हाशिये से निकलकर भारत की मुख्यधारा का अभिन्न हिस्सा बन रहा है। आने वाले वर्षों में यही आत्मविश्वास अमृतकाल में प्रवेश करते भारत की प्रगति का आधार बनेगा। इसलिए यह कहा जा सकता है कि मिजोरम और पूर्वोत्तर के विकास की यह यात्रा भारत की एकता और प्रगति के लिए अनिवार्य है। आज जब देश अमृतकाल की ओर बढ़ रहा है, तब पूर्वोत्तर का हर गांव, हर शहर और हर नागरिक उसी मुख्यधारा में खड़ा दिखाई दे रहा है, जो भारत को 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाने की दिशा में आगे ले जाएगा।

हिंदी हैं हम : 2030 तक दुनिया का हर पांचवां व्यक्ति बोलेगा हिंदी

प्रो. (डॉ.) संजय द्विवेदी

भाषा संवाद संप्रेषण का सशक्त माध्यम है। मनुष्य को इसलिए भी परमात्मा की श्रेष्ठ कृति कहा जाता है कि वह भाषा का उपयोग कर अपने भावों को अभिव्यक्त करने में सक्षम है। यही विशेषता है, जो मनुष्य को अन्य प्राणियों से भिन्न करती है। हिंदी एक बहुआयामी भाषा है। यह बात इसके प्रयोग क्षेत्र के विस्तार को देखते हुए भी समझी जा सकती है। यह अलग बात है कि हिंदी भाषा की बात करते समय हम सामान्यतः हिंदी साहित्य की बात करने लगते हैं। इसमें संदेह नहीं कि साहित्यिक हिंदी, हिंदी के विभिन्न आयामों में से एक है, लेकिन यह केवल हिंदी के एक बड़े मानचित्र का छोटा-सा हिस्सा है, शेष आयामों पर कम विचार हुआ है और व्यावहारिक हिंदी की पृष्ठभूमि पर विचार करते हुए तो और भी कम विमर्श हमारे सामने हैं।

यदि हिंदी भाषा के आंतरिक इतिहास का उद्घाटन करना हो तो नामकरण ही उसका आधार बन सकता है। हिंदी, हिंदवी, हिन्दुई और दकिनी के विकास क्रम में यह स्पष्ट दिखाई देता है कि अलग-अलग समय में एक ही भाषा के भिन्न नाम प्रचलित रहे हैं। हिंदी भाषा का इतिहास लगभग एक हजार वर्ष पुराना है। यह करीब 11वीं शताब्दी से ही राष्ट्रभाषा के रूप में प्रतिष्ठित रही है। उस समय भले ही राजकीय कार्य संस्कृत, फारसी और अंग्रेजी में होते रहे हों, लेकिन संपूर्ण राष्ट्र में आपसी संपर्क, संवाद, संचार, विचार, विमर्श, जीवन और व्यवहार का माध्यम हिंदी ही रही है।

भारतेंदु हरिश्चन्द्र, स्वामी दयानन्द सरस्वती, महात्मा गांधी जैसे महापुरुषों ने राष्ट्रभाषा हिंदी के माध्यम से ही संपूर्ण राष्ट्र से सम्पर्क किया और सफलता हासिल की। इसी कारण आजादी के पश्चात संविधान-सभा द्वारा बहुमत से ह्यहिंदीह्न को राजभाषा का दर्जा देने का निर्णय किया था। जैसे-जैसे भाषा का विस्तार क्षेत्र बढ़ता जाता है, वो भाषा उतने ही अलग-अलग रूप में विकसित होना शुरू हो जाती है, यही हिंदी भाषा के साथ हुआ, क्योंकि यह भाषा पहले केवल बोलचाल की भाषा तक ही सीमित थी। उसके बाद साहित्यिक भाषा के क्षेत्र में इसे जगह मिली, और फिर समाचार-पत्रों में 'हिंदी पत्रकारिता' का विकास हुआ। अपनी अनवरत यात्रा के कारण स्वतन्त्रता के बाद हिंदी, भारत की राजभाषा घोषित की गई तथा उसका प्रयोग कार्यालयों में होने लगा और हिंदी का एक राजभाषा का रूप विकसित हुआ।

अगर हम आंकड़ों में हिंदी की बात करें तो 260 से ज्यादा विदेशी विश्वविद्यालयों में हिंदी पढ़ाई जाती है। 64 करोड़ लोगों की हिंदी मातृभाषा है। 24 करोड़ लोगों की दूसरी और 42 करोड़ लोगों की तीसरी भाषा हिंदी है। इस धरती पर 1 अरब 30 करोड़ लोग हिंदी बोलने और समझने में सक्षम हैं। 2030 तक दुनिया का हर पांचवा व्यक्ति हिंदी बोलेगा। यूएई और फिजी जैसे देशों में हिंदी को तीसरी राजभाषा का दर्जा प्राप्त है। हिंदी की देवनागरी लिपि वैज्ञानिक लिपि मानी जाती है, ऑक्सफोर्ड डिक्शनरी में 18 हजार शब्द हिंदी के शामिल हुए हैं, और सबसे बड़ी बात कि जो तीन साल पहले अंग्रेजी इंटरनेट की सबसे बड़ी भाषा थी, अब हिंदी ने उसे पीछे छोड़ दिया है। गूगल सर्वेक्षण बताता है कि इंटरनेट पर डिजिटल दुनिया में हिंदी सबसे बड़ी भाषा है।

अक्सर ये प्रश्न पूछा जाता है कि हिंदी ही हमारी राजभाषा क्यों? इसका जवाब बहुत पहले राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने दिया था। महात्मा गांधी ने किसी भाषा को राजभाषा का दर्जा दिये जाने के लिए तीन लक्षण बताए थे। पहला कि वो भाषा आसान होनी चाहिए। दूसरा प्रयोग करने वालों के लिए वह भाषा सरल होनी चाहिए। और तीसरा उस भाषा को बोलने वालो की संख्या अधिक होनी चाहिए। अगर ये तीनों लक्षण किसी भाषा में थे, हैं और रहेंगे, तो वो सिर्फ हिंदी भाषा ही है। आज भाषा को लेकर संवेदनशील और गंभीरतापूर्वक विचार करने की आवश्यकता है। इस सवाल पर भी सोचना चाहिए कि क्या अंग्रेजी का कद कम करके ही हिंदी का गौरव बढ़ाया जा सकता है? जो हिंदी कबीर, तुलसी, रैदास, नानक, जायसी और मीरा के भजनों से होती हुई प्रेमचंद, प्रसाद, पंत और निराला को बांधती हुई, भारतेंदु हरिशचंद्र तक सरिता की भांति कलकल बहती रही, आज उसके मार्ग में अटकले क्यों हैं?

यदि हम सच में चाहते हैं कि हिंदी भाषा का प्रभुत्व राजभाषा के रूप में बना रहे, तो हमें इसके प्रचार-प्रसार को बढ़ावा देना होगा। सरकारी कामकाज में हिंदी को प्राथमिकता देनी होगी। ऐसे में भरोसा फिर उन्हीं नौजवानों का करना होगा, जो एक नए भारत के निर्माण के लिए तैयार हैं। जो अपनी जड़ों की ओर लौटना चाहते हैं। भरोसे और आत्मविश्वास से दमकते ऐसे तमाम चेहरों का इंतजार भारत कर रहा है। ऐसे चेहरे, जो भारत की बात भारत की भाषाओं में करेंगे। जो अंग्रेजी में दक्ष होंगे, किंतु अपनी भाषाओं को लेकर गर्व से भरे होंगे। उनमें 'एचएमटी' यानी 'हिंदी मीडियम टाइप' या 'वनार्कुलर पर्सन' कहे जाने पर हीनता पैदा नहीं होगी, बल्कि वे अपनी भाषा से और अपने काम से लोगों का और दुनिया का भरोसा जीतेंगे। हिंदी और भारतीय भाषाओं के इस समय में देश ऐसे युवाओं का इंतजार कर है, जो अपनी भारतीयता को उसकी भाषा, उसकी परंपरा, उसकी संस्कृति के साथ समग्रता में स्वीकार करेंगे। जिनके लिए परंपरा और संस्कृति एक बोझ नहीं, बल्कि गौरव का कारण होगी।

दैनिक पंचांग

14 सितम्बर 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

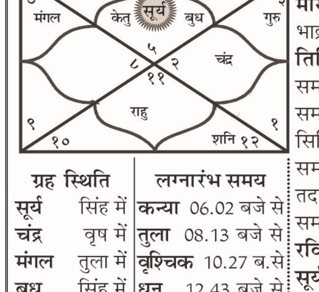

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	सिंह में	कन्या	06.02 बजे से
चंद्र	वृष में	तुला	08.13 बजे से
मंगल	तुला में	वृश्चिक	10.27 ब.से
बुध	सिंह में	धनु	12.43 बजे से
गुरु	मिथुन में	मकर	14.48 बजे से
शुक्र	कर्क में	कुंभ	16.35 बजे से
शनि	मीन में	मीन	18.08 बजे से
राहु	कुंभ में	मेष	19.38 बजे से
केतु	सिंह में	वृष	21.18 बजे से
राहुकाल		मिथुन	23.16 बजे से
4.30 से 6.00		कर्क	01.30 बजे से
बजे तक		सिंह	03.46 बजे से

रविवार 2025 वर्ष का 257 वा दिन **दिशाशूल** पश्चिम **ऋतु** वर्षा। **विक्रम संवत्** 2082 **शक संवत्** 1947 **मास** आश्विन (दक्षिण भारत में भाद्रपद) **पक्ष** कृष्ण **तिथि** अष्टमी 03.07 बजे रात्र को समाप्त। **नक्षत्र** रोहिणी 08.41 बजे को समाप्त। **योग** वज्र 07.35 बजे तदनन्तर सिद्धि(असृक)04.55 बजे प्रात: को समाप्त। **करण** बालव 16.03 बजे तदनन्तर कौलव 03.07 बजे रात्र को समाप्त। **चन्द्रायु** 21.8 घण्टे **रवि क्रान्ति** उत्तर 03° 24' **सूर्य** उत्तरायन **कलि अहर्गण** 1872467 **जूलियन दिन** 2460932.5 **कलियुग संवत्** 5126 **कल्पारंभ संवत्** 1972949123 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123 **वीरनिर्वाण संवत्** 2551 **हिजरी सन्** 1446 **महीना** रवि उलावल **तारीख** 21 **विशेष** अष्टमी श्राद्ध, जीवित्पुत्रिका व्रत, महालक्ष्मी व्रत समाप्त, अष्टमी रोहिणी, हिन्दी दिवस।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
उद्वेग	05.56 से	07.23 बजे तक	शुभ	05.36 से	07.09 बजे तक
चर	07.23 से	08.51 बजे तक	अमृत	07.09 से	08.41 बजे तक
लाभ	08.51 से	10.18 बजे तक	चर	08.41 से	10.14 बजे तक
अमृत	10.18 से	11.46 बजे तक	रोग	10.14 से	11.46 बजे तक
काल	11.46 से	01.14 बजे तक	काल	11.46 से	01.19 बजे तक
शुभ	01.14 से	02.41 बजे तक	लाभ	01.19 से	02.51 बजे तक
रोग	02.41 से	04.09 बजे तक	उद्वेग	02.51 से	04.24 बजे तक
उद्वेग	04.09 से	05.36 बजे तक	शुभ	04.24 से	05.53 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

एक नजर

दहेज प्रताड़ना के आरोप में चार लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज

साहिबगंज: राधानगर थाना क्षेत्र के प्राणपुर भगत टोला गांव की एक विवाहिता महिला के साथ दहेज प्रताड़ना मामले में पुलिस ने शनिवार को चार लोगों के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज की है। पुलिस के अनुसार थाना क्षेत्र के प्राणपुर भगत टोला गांव की नस्तारा खातून ने थाना में लिखित शिकायत दर्ज कराई है। अपनी शिकायत में उन्होंने बताया है कि उसकी शादी दुलाल शेख के साथ मुस्लिम रीति रिवाज से हुई है। उन्होंने आगे बताया है कि शादी के कुछ दिनों तक दोनों का दाम्पत्य जीवन ठीक ठाक चला। इसके बाद उसके पति दुलाल शेख, नूरजहांन बेवा, समसुन बेवा और फजुल शेख लगातार अतिरिक्त दहेज की मांग करने लगे। महिला के द्वारा विरोध करने पर सभी आरोपित उसके साथ शारीरिक और मानसिक रूप से प्रताड़ित करना शुरू कर दिया। दहेज के लिए पीड़िता महिला को तरह तरह की धमकियां देने लगे। जिससे महिला को भय हुई की उसके साथ कभी भी कोई अप्रिय घटना घटने की संभावनाएं है। वही महिला ने राधानगर थाना पहुंचकर उक्त आरोपित के विरुद्ध लिखित शिकायत दर्ज कराकर मदद की गुहार लगाई। मामले को लेकर पुलिस ने पीड़िता नस्तारा खातून के बयान पर चार लोगों के विरुद्ध कांड संख्या 387/25 के तहत सुसंगत धाराओं में प्राथमिकी दर्ज की है। पुलिस मामले की जांच पड़ताल कर रही है।

परीक्षा तनाव में छात्रा ने खाई चूहा मारने की दवाई, अस्पताल में भर्ती

साहिबगंज: तालझारी थाना क्षेत्र अंतर्गत छोटी भगियामारी सकरीगली निवासी कक्षा दस की छात्रा सीमा हांसदा उम्र 16 वर्ष पिता शैलेन्द्र हांसदा ने विद्यालय में आगामी दिनों में होने वाले परीक्षा में तनाव के कारण शनिवार को घर में रखे हुए चूहा मारने वाला कीटनाशक दवाई खाने से मूर्छित हो गई। जहां इस घटना के बाद छात्रा को उसके परिजनों ने आनन फानन में बेहतर इलाज के लिए सदर अस्पताल लेकर आए। उधर सदर अस्पताल में ड्यूटी पर तैनात चिकित्सक के देखरेख में इलाज किया गया। उधर घटना को लेकर छात्रा सीमा हांसदा ने बताया कि वो दसवीं कक्षा की छात्रा है और उसका मैट्रिक बोर्ड का परीक्षा नजदीक आ रहा है। जहां परीक्षा नजदीक आने के कारण वो अपने आपमें घबराहट महसूर कर रही थी जहां इसी टेंशन में आकर उसने अपने घर में रखे हुए चूहा मारने वाला कीटनाशक दवाई खा लिया और मूर्छित हो गई। उधर छात्रा सीमा हांसदा का सदर अस्पताल में चिकित्सकों के देखरेख में इलाज जारी है। वही ड्यूटी पर तैनात चिकित्सक ने बताया कि छात्रा के हालत में पहले से काफी सुधार है और उसका इलाज किया जा रहा है।

पथ निर्माण कार्य के दौरान ठेकेदार कर्मी पर जानलेवा हमला

बोकारो : बरलांग से कसमार वाया नेमरा पथ निर्माण कार्य के दौरान शुक्रवार को कंपनी के अधिकारी नरेंद्र कुमार पांडेय एवं उसके सहयोगियों पर जानलेवा हमला किए जाने का मामला सामने आया है। इस संबंध में पलामू के महुगांवा निवासी कार्य एजेंसी के अधिकारी नरेंद्र कुमार पांडेय (पिता स्व वासुदेव पांडेय) ने कसमार थाना में लिखित शिकायत दर्ज कराई है। शिकायत में उन्होंने कहा है कि वे मेसर्स गंगा कंस्ट्रक्शन कंपनी के द्वारा उक्त परियोजना के अंतर्गत कसमार क्षेत्र के खुदीबेड़ा गांव में पथ निर्माण कार्य करा रहे थे। गुरुवार को सुबह करीब 10 :00 बजे जब वे मौके पर मौजूद थे, तभी निर्माण कार्य को रोकने की नीयत से खुदीबेड़ा निवासी रूपम कुमार भोक्ता (पिता विनोद गंझू) ने अपने सहयोगियों के साथ मिलकर हमला कर दिया और पथराव किया। पांडेय ने आरोप लगाया है कि रूपम गंझू के हमले से कंपनी के पोकलेन असिस्टेंट कपिल महतो एवं सर्वेयर असिस्टेंट मनसा किस्कू घायल हो गए।

साहिबगंज में राष्ट्रीय लोक अदालत का हुआ आयोजन, 7845 मामलों का हुआ निपटारा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकार, नई दिल्ली के आदेशानुसार एवं झारखण्ड राज्य विधिक सेवा प्राधिकार, रांची के तत्वावधान में जिला विधिक सेवा प्राधिकार, साहेबगंज द्वारा व्यवहार न्यायालय परिसर में इस वर्ष की तीसरी राष्ट्रीय लोक अदालत का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। इसका झारखण्ड राज्य के सभी जिलों में ऑनलाइन उद्घाटन माननीय न्यायमूर्ति तरलोक सिंह चौहान, मुख्य न्यायाधीश, झारखण्ड हाई कोर्ट सह मुख्य संरक्षक, झारखण्ड राज्य विधिक सेवा प्राधिकार, रांची द्वारा किया गया। इस अवसर पर माननीय न्यायमूर्ति सुजीत नारायण प्रसाद, जज, झारखण्ड हाई कोर्ट सह कार्यकारी अध्यक्ष, झारखण्ड राज्य विधिक सेवा प्राधिकार एवं अन्य न्यायाधीशगण भी उपस्थित रहे। उद्घाटन समारोह का सीधा प्रसारण साहेबगंज व्यवहार न्यायालय स्थित लोक अदालत कक्ष में किया गया, जिसे उपस्थित लोगों ने देखा। उद्घाटन के उपरांत प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकार, साहेबगंज अखिल कुमार ने गठित बेंचों का भ्रमण किया और कहा कि लोक अदालत लम्बे समय से लंबित मामलों को सुलझाने का प्रभावी व त्वरित माध्यम है। यह एक दिवसीय अदालत है, जिसमें आपसी समझौते से मामलों का शीघ्र निपटारा संभव होता है। उन्होंने पक्षकारों एवं आम नागरिकों को अधिक से अधिक संख्या में लोक अदालत का लाभ उठाने हेतु प्रेरित किया और सभी विभागीय पदाधिकारियों से अधिकतम सहयोग करने का आह्वान किया।इस अवसर पर प्रधान न्यायाधीश, कुटुंब न्यायालय संजय कुमार उपाध्याय, जिला एवं अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश प्रथम रजनी कान्त पाठक, जिला एवं अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश तृतीय शेखर कुमार, मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी सिंधु नाथ लामाये, जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव विश्वनाथ भगत, सहित अनेक न्यायिक पदाधिकारी, अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष प्रेम नाथ तिवारी, लोक अभियोजक व उनकी टीम, अधिवक्तागण, विभिन्न विभागों के पदाधिकारी, बैंक कर्मी, पारा विधिक स्वयंसेवक तथा बड़ी संख्या में वादकारीगण उपस्थित रहे। इस राष्ट्रीय लोक अदालत में साहेबगंज न्यायमंडल एवं राजमहल अनुमंडलीय न्यायमंडल में कुल 7845 मामलों का निपटारा कर रु. 30,80,93,653/- (तीस करोड़ अस्सी लाख तिरानबे हजार छह सौ तिरपन) की समझौता राशि प्राप्त हुई। यह लोक अदालत जनसाधारण को शीघ्र, सस्ता एवं सुलभ न्याय उपलब्ध कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित हुई।

डीसी ने आवासीय बालक एथलेटिक्स केन्द्र एवं विद्यालयों का किया निरीक्षण

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : जिला दंडाधिकारी-सह-डीसी हेमंत सती के द्वारा जिला के आवासीय बालक एथलेटिक्स क्रीड़ा प्रशिक्षण केन्द्र भवन का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान भवन की जर्जर स्थिति पर संज्ञान लेते हुए डीसी ने मरम्मती कार्य को शीघ्र पूर्ण कराने हेतु संबंधित विभागीय पदाधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण केन्द्र जिले के उभरते खिलाड़ियों के लिए एक महत्वपूर्ण संस्था है, अतः इसकी मूलभूत संरचना, सुरक्षा एवं सुविधाओं पर विशेष ध्यान दिया जाना चाहिए। इसके उपरांत डीसी द्वारा उर्दू मध्य विद्यालय तथा उत्क्रमित मध्य विद्यालय, समदा का भी निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के क्रम में विद्यालयों की स्थिति, छात्र-छात्राओं की उपस्थिति तथा आधारभूत सुविधाओं का जायजा लिया गया। विद्यालयों की व्यवस्थाओं को लेकर डीसी ने गहरी चिंता प्रकट की और संबंधित पदाधिकारियों को शिक्षा की गुणवत्ता सुधारने एवं भवनों के रखरखाव पर ठोस कदम उठाने के निर्देश दिये। निरीक्षण के दौरान जिला शिक्षा अधीक्षक कुमार हर्ष भी उपस्थित रहे।

सदर बीडीओ-सह-सीओ ने छात्रों को वितरित किए फलदार पौधे

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : गंगा मिशन कोलकाता द्वारा आयोजित गंगा हरित अभियान के तहत भरतीया कॉलोनी रोड स्थित बाबूलाल नंदलाल बोहरा चैरिटेबल ट्रस्ट परिसर में टेक्नो कॉन्वेंट पब्लिक स्कूल साहिबगंज के छात्र-छात्राओं के बीच फलदार पौधा वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। जहां मुख्य अतिथि सदर बीडियो-सह-सीओ बासुकीनाथ टुडू साहिबगंज ने आम,कटहल सपाटु, आंवला, का पौधा स्कूली छात्राओं को देकर कार्यक्रम की शुरूआत की। सदर बीडीओ-सह-सीओ बासुकीनाथ टुडू ने अपने संबोधन में विद्यालय के बच्चों को बताया कि प्राकृतिक आपदा जो आ रही है वो प्राकृतिक से छेड़छाड़ करने पर हो रहा है। कल-कारखाना और सड़क का निर्माण के कारण अत्यधिक मात्रा में वृक्ष कटाई हो रहा है जिससे पर्यावरण संकट में है, पृथ्वी को बचाने के लिए हमलोगों को आगे बढ़ चढ़ कर वृक्ष का रोपण करना होगा। वृक्ष ही प्राकृतिक है, प्राकृतिक ही जीवन है। प्रत्येक वर्ष वृक्ष का जन्मदिन अवश्य मनाए। एक वृक्ष सौ पुत्र के समान है, कोरोना काल में हमलोगों ने ऑक्सीजन के महत्व को समझा। पेड़ पौधा लगाकर पर्यावरण वातावरण को हरा भरा रखे। वृक्ष नहीं होगा तो बारिश नहीं होगा, भोजन नहीं मिलेगा। पानी की आवश्यकता, वायु की आवश्यकता, खाने की आवश्यकता पेड़ पौधा से ही होता है। आगे उन्होंने बच्चों को बताया की प्रत्येक बच्चे को एक पेड़ को गोद लेना चाहिए, प्रतिदिन वृक्ष का सेवा करके उसको बड़ा करे, फिर फल का सेवन करे और आने वाले भी पीढ़ी फल का सेवन करेंगे। सरकार बिरसा हरित ग्राम योजना के तहत किसान को एक एकड़ जमीन में फलदार पौधे लगाने को दे रही है। साहिबगंज जिला बाढ़ ग्रसित एवं जल जमाव का क्षेत्र है, पेड़ लगाने से भूमि कटाई की रोकथाम होती है।

साहिबगंज मंडल कारा में कैदियों के लिए बम्बू एंड केन क्राफ्ट प्रशिक्षण का हुआ शुभारंभ

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : भारतीय स्टेट बैंक ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान साहिबगंज के तत्वावधान में साहिबगंज मंडल कारा में आज कैदियों के लिए बम्बू एंड केन क्राफ्ट प्रशिक्षण कार्यक्रम की शुरूआत की गई। कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ डीसी हेमंत सती ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। इस अवसर पर मंडल कारा के जेल अधीक्षक चंद्रशेखर सुमन, आरसेटी निदेशक प्रदीप कुमार झा दीपक, आरसेटी के वरीय संकाय राजहंस कुमार, संकाय उपेंद्र गोप, अटेंडेंट सुरेंद्र कुमार मुर्मू एवं जेल के सहयोगी उभय कुमार समेत अन्य गणमान्य उपस्थित थे। कार्यक्रम के तहत कैदियों को बांस और बेंत से विभिन्न उपयोगी व सजावटी वस्तुएँ बनाने का प्रशिक्षण दिया जाएगा। इसमें विशेष रूप से फ्लावर पॉट, बुके, ट्रे सहित कई प्रकार की हस्तशिल्प सामग्री तैयार करने की विधियाँ सिखाई जाएँगी। प्रशिक्षण का उद्देश्य कैदियों को आत्मनिर्भर बनाना एवं उन्हें रिहाई के बाद स्वरोजगार से जोड़ना है, ताकि वे समाज की मुख्यधारा में पुनः सम्मानपूर्वक जीवन जी सकें। डीसी अपने संबोधन में कहा कि यह पहल न केवल कैदियों को एक नया हुनर सिखाने का माध्यम है बल्कि उनके अंदर आत्मविश्वास और सकारात्मक सोच विकसित करने का भी प्रयास है। उन्होंने कहा कि जेल में रहते हुए कैदी यदि इस प्रकार की कारीगरी सीखते हैं तो रिहाई के बाद वे इससे आजीविका अर्जित कर आत्मनिर्भर बन सकते हैं।

मंडरो में नियमों की धज्जियां खाद्यान्न की ढुलाई में मनमानी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : जिला के मंडरो प्रखंड खाद्य आपूर्ति गोदाम से डीलर के दुकान तक डीएसडी सप्लायर कि मनमानी और प्रखंड खाद्य आपूर्ति विभाग के जिम्मेदार पदाधिकारी की लापरवाही के कारण सरकार की तमाम नियमों को ताक पर रखकर खाद्यान्न की ढुलाई हो रही है। डीलर के दुकान तक राशन की ढुलाई करने वाले एक भी वाहन का सभी कागजात दुरुस्त नही है। जानकारी के अनुसार, खाद्य आपूर्ति गोदाम से खाद्यान्न की ढुलाई करने वाले सभी वाहनों में जीपीएस लगा होना चाहिए इंश्योरेंस, फिटनेस, प्रदूषण, परमिट, चालक के पास वैध ड्राइविंग लाइसेंस होना जरूरी होता है। साथ ही साथ वाहन के आगे-पीछे रजिस्ट्रेशन नंबर अंकित होना और आपूर्ति विभाग का बोर्ड लगा होना जरूरी होता है। ताकी आम नागरिकों को यह पता चल सके कि संबंधित वाहन के जरिये आपूर्ति विभाग का खाद्यान्न ढुलाई किया जाता है। लेकिन मंडरो प्रखंड खाद्य आपूर्ति गोदाम में पदस्थापित एजीएम के द्वारा मनमानी तरीके से किसी भी वाहन में खाद्यान्न की लोडिंग खुलेआम दी जा रही है जिससे कि पता ही नहीं चलता है कि आखिर वाहन खाद्यान की बोरी लेकर कहां जा रहा हैं और वाहन में किसी प्रकार का बोर्ड तक नहीं लगा रहता है। जबकि डाकिया योजना का खाद्यान्न की बोरी लेकर अवैध वाहन से परिचालन होते देखा जा सकता है।

चौकीदार नियुक्ति पत्र वितरण समारोह में 247 नवचयनित अभ्यर्थियों को मिला नियुक्ति पत्र

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पाकुड़ : ज़िले के रविंद्र भवन टाउन हॉल में जिला स्तरीय चौकीदार नियुक्ति पत्र वितरण समारोह का आयोजन शनिवार को किया गया। सभी अतिथियों के द्वारा दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर चौकीदार के रिक्त 247 पद पर नवचयनित अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र प्रदान किया गया। साथ ही 18 सेविका एवं 09 सहायिका के बीच नियुक्ति पत्र प्रदान किया गया। नियुक्ति पत्र मिलते ही अभ्यर्थियों के चेहरे खिल उठे और वे खुशी से झूम पड़े। नौकरी पाकर उत्साहित युवाओं ने एक स्वर में माननीय मुख्यमंत्री, झारखंड एवं जिला प्रशासन पाकुड़ का आभार एवं धन्यवाद प्रकट किया। इस अवसर पर उपायुक्त मनीष कुमार ने अभ्यर्थियों को उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी और कहा कि माननीय मुख्यमंत्री राज्य के युवाओं के सपने को साकार करने के लिए प्रयत्नशील है। रोजगार- सरकारी नौकरी पाना हर युवा का सपना होता है, माननीय मुख्यमंत्री के संकल्प का नतीजा है कि आज पाकुड़ जिले के 247 युवाओं को चौकीदार के पद पर नियुक्ति किया जा रहा है।इस नियुक्ति से ग्रामीण क्षेत्रों से आनेवाली उस परिवार की पीढ़ी मजबूत होगी। उन्होंने अपील किया कि जो भी दायित्व आप सभी को आगे मिलेगा उसका कर्तव्यनिष्ठा से निर्वह्न करें। उन्होंने सभी जिलावासियों से अपील किया कि अपने बच्चों को नियमित स्कूल भेजें और शिक्षित बनायें, शिक्षा से ही समाज में बदलाव संभव है। युवाओं से अपील किया कि समाज के प्रति जवाबदेह बनें। जिला प्रशासन सभी वर्गों के लिए कृत्संकल्पित होकर कार्य कर रही है, ग्राम पंचायत/ प्रखंड स्तर पर मूलभूत सुविधाओं को विकसित किया जा रहा है। पुलिस अधीक्षक निधि द्विवेदी ने कहा कि चौकीदारों की नियुक्ति सरकार एवं जिला प्रशासन का सराहनीय पहल है। थाना के सबसे निचले स्तर पर प्रशासन/पुलिस का तंत्र स्थापित करना महत्वपूर्ण है। उन्होंने उम्मीद जताते हुए कहा कि सभी नव चयनित युवा पुलिस तंत्र में अपने पद को न्यायसंगत बनायेंगे तथा शासन- प्रशासन के क्रियाकलापों में महत्वपूर्ण भूमिका निभायेंगे। विधायक लिट्टीपाड़ा हेमलाल मुर्मू ने नव चयनित अभ्यर्थियों को बधाई देते हुए कहा कि इस नियुक्ति से ग्रामीण क्षेत्रों की प्रशासनिक व्यवस्था तंत्र सुदृढ़ होगा। साथ ही अपील किया कि सेवा, समर्पण के साथ जनता की सेवा करें, दायित्वों का ईमानदारी से निर्वहन करें। सरकार ग्राउंड स्तर पर प्रशासन को सक्रिय करने का प्रयास कर रही है। महिलाओं, गरीबों, बेरोजगारों, युवाओं को सशक्त करने का कार्य किया जा रहा है।

संक्षिप्त खबरें

जितिया पर्व में गंगा स्नान को लेकर उमड़ी व्रतियों की भीड़

साहिबगंज : शहर के विभिन्न गंगा घाटों पर पुत्र-पुत्री की दीघार्यु को लेकर माताओं की ओर से मनाए जाने वाले जितिया पर्व का तीन दिन का अनुष्ठान शनिवार को नहाए खाए से प्रारंभ हो गया। इस मौके पर स्थानीय मुक्तेश्वर धाम बिजली घाट पर अहले सुबह से व्रतियों व अन्य श्रद्धालुओं की भारी भीड़ गंगा स्नान करने को उमड़ पड़ी। व्रतियों ने गंगा स्नान करने के बाद गंगा पूजन किया। उसके बाद व्रतियों ने अपने पुत्र-पुत्री के लिए झींगली के पत्ते पर देवी जीवित्पुत्रिका की पूजा अर्चना की और अपने बच्चों के लिए देवी मां से दीघार्यु, स्वस्थ और रक्षा करने की प्रार्थना कर मंगल कामना की। फिर व्रतियों ने आसपास के मंदिरों में भी पूजा अर्चना किया। जितिया पर्व का निर्जला उपवास रविवार को और पारण सोमवार की सुबह होगा। इस मौके पर गंगा घाट पर पुलिस बल भी किसी अप्रिय घटना से निपटने और सुरक्षा व्यवस्था को लेकर मौजूद रहे। मौके पर गंगा थाना के एएसआई कार्तिक उरांव, रामप्रवेश दास, हवलदार वीरेंद्र कुमार एवं अन्य पुलिस बल गंगा घाट पर मौजूद थे।

साहिबगंज में होटल निरीक्षण अभियान, 24 घंटे में सुधार के आदेश

साहिबगंज: शहरी क्षेत्र में बिना अनुज्ञप्ति संचालन किए जा रहे विवाह भवन, बैक्वेट हॉल, लॉज एवं हॉस्टल निर्माण अनुज्ञप्ति नियमावली 2013 के अनुपालन की समीक्षा हेतु आज जांच अभियान चलाया गया। इस जांच में कार्यपालक दण्डाधिकारी प्रमोद आनन्द तथा नगर परिषद प्रशासक के नेतृत्व में शहर के विभिन्न होटलों का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के क्रम में – होटल अतिथि पैलेस में कई प्रकार की त्रुटियां पाई गईं। होटल प्रबंधन को नोटिस जारी कर 24 घंटे के भीतर सभी त्रुटियों को सुधारने का निर्देश दिया गया।होटल विराज पैलेस में भी कई खामियां पाई गईं। संबंधित प्रबंधन को नोटिस के माध्यम से 24 घंटे के भीतर सुधारात्मक कार्रवाई सुनिश्चित करने का आदेश दिया गया। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि निर्धारित समयावधि में सुधार नहीं करने पर नियमानुसार कठोर कार्रवाई की जाएगी।

धापानी पहाड़ में स्वास्थ्य शिविर व मलेरिया मास सर्वे का आयोजन

साहिबगंज: 13 सितम्बर 2025 को सिविल सर्जन साहिबगंज के आदेशानुसार सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र बोरियो के आयुष्मान आरोग्य मंदिर रानीबथान अंतर्गत अति दुर्गम पहाड़ी क्षेत्र धापानी पहाड़ में डॉ सत्ती बाबू डबडा जिला वीबीडी सलाहकार साहिबगंज के नेतृत्व में स्वास्थ्य शिविर, मलेरिया मास सर्वे, घर-घर फीवर सर्वे एवं आईआरएस छिड़काव का आयोजन किया गया। जिसमे मेडिकल टीम के द्वारा सभी बुखार पीड़ित रोगियों को मलेरिया जाँच किया गया। साथ ही ग्रामीणों को मलेरिया जाँच के साथ-साथ सभी तरह के स्वास्थ्य सुविधा प्रदान किया गया। साथ ही उपस्थित ग्रामीणों को घर घर जाकर ढ़ोल बजाते हुए मलेरिया फैलने के कारण, लक्षण, उपचार एवं बचाव आदि के बारे में जानकारी दिए और लोगों को अपने घर के आस-पास साफ-सफाई रखने, प्रत्येक दिन मच्छरदानी लगा कर सोने, ताजा और गर्म खाना खाने, पानी को उबाल कर ठंडा कर पीने, किसी को भी बुखार होने पर तुरंत अपने सहिया दीदी या एमपीडब्ल्यू से संपर्क कर अपना खून की जाँच करवाने, किसी झोलाछाप डॉक्टर या झाड़-फुक, ओझा-गुनी, जड़ी-बूटी के चकर में ना पड़ने आदि की सलाह दिए। इसके साथ ही धापानी पहाड़ में आईआरएस द्वितीय चक्र कीटनाशी छिड़काव का शुरूवात ढ़ोल बजाते हुए रैली निकाल कर किया गया। साथ ही आईआरएस छिड़काव का निरक्षण करते हुए उपस्थित एमपीडब्ल्यू, सहिया एवं छिड़काव कर्मियों को छिड़काव से सम्बंधित आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। मौके पर डॉ बिनोद कुमार चिकित्सा पदाधिकारी, डॉ जय कुमार, मनोहर पंडित एमटीएस, सुमित्रा गुड़िया सीएचओ, सपना कुमारी एएनएम, मुरारी लाल गोंड़, शशिशेखर शर्मा, पप्पू कुमार, विजय कुमार पासवान एमपीडब्ल्यू, मुन्ना कुमार एमटीडब्ल्यू, शान्तिलता मैडया सहिया साथी, चांदी पहाड़ीन सहिया, सुनील पीवीटीजी फैसिलिटेटर आदि स्वास्थ्य कर्मी मौजूद थे।

केंद्र बंद कर सेविका नोडल पर्यवेक्षिका के रूप में अन्य आंगनबाड़ी केंद्र का करती हैं जांच

साहिबगंज: मंडरो प्रखंड के बाल विकास कार्यालय की महिला पर्यवेक्षिका के सेवानिवृत हो जाने के बाद प्रखंड के सभी आंगनबाड़ी केन्द्रों को तीन सेक्टर में बांटा गया है। जिसमें आंगनबाड़ी सेविका को नोडल सेविका मतलब महिला पर्यवेक्षिका प्रखंड की दक्षिण करमटोला की सेविका चंपा मुर्मू को बनाया गया है। मालूम हो कि इस सेविका के आंगनबाड़ी केंद्र दक्षिण करमटोला में सहायिका पद रिक्त है। जानकारी के मुताबिक तो इस सेविका चंपा मुर्मू को सुबह आठ बजे से दोपहर एक बजे तक केंद्र के लाभुक क्षेत्र के तीन वर्ष से छः वर्ष तक के बच्चों को केंद्र में स्कूल पूर्व शिक्षा देने के लिए उपस्थित रहना है। तो ये नोडल आंगनबाड़ी सेविका खुद का केंद्र बंद कर दूसरे का केंद्र निरीक्षण करती हैं। जबकि इसके केंद्र के तस्वीर को देखने से लगता है की चंपा मुर्मू आंगनबाड़ी सेविका मतलब नोडल सेविका ने कई दिनों से अपना आंगनबाड़ी केंद्र को नहीं खोली है। जबकि स्कूल पूर्व शिक्षा चलाने के लिये इस सेविका चंपा मुर्मू को तीन वर्ष से छः वर्ष तक के बच्चों को खिलाने के लिए पोषाहार की राशि दिया जाता है। प्रतिदिन आंगनबाड़ी केंद्र आने वाले बच्चों को नाश्ता में अंडा और सूजी का हलुआ भी दिया जाता है। इसके अलावे बच्चों को गर्म खाना देने के लिए एफसीआई गोदाम से चावल का आवंटन किया जाता है। वहीं गर्म खाना देने के लिये बाजार से कई तरह की खाद सामग्री सेविका के द्वारा खरीदी जाती है। जिसका सामान का वाउचर सेविका कार्यालय में देने के उपरांत सेविका के खाता में राशि को कार्यालय के द्वारा जमा किया जाता है कि बच्चे भूखे नहीं रहे। इस नोडल सेविका चंपा मुर्मू को सेविका का मानदेय भी कार्यालय के द्वारा दिया जा रहा है।

इन्फोसिस के शेयर पुनर्खरीद के बाद दूसरी कंपनियां भी ला सकती है बायबैक ऑफर

नई दिल्ली।

इन्फोसिस ने 18,000 करोड़ रुपए की शेयर फिर खरीदने की घोषणा की है। यह ऐसा फैसला है जिसे उसकी प्रतिस्पर्धी बड़ी कंपनियां भी अपने शेयर भाव में गिरावट के बीच अपना सकती हैं और वे पुनर्खरीद की राह पर बढ़ने प्रोत्साहित हो सकती हैं। इन्फोसिस 1800 करोड़ रुपए के औसत भाव पर 10 करोड़ शेयरों की पुनर्खरीद करेगी। यह कीमत गुरुवार के उसके 1,509.50 रुपए के बंद भाव की तुलना में 19.3 फीसदी ज्यादा है।

कंपनी ने गुरुवार को जारी विज्ञप्ति में कहा था कि यह कंपनी की चुकता इक्विटी पूंजी में कुल इक्विटी शेयरों का 2.41 फीसदी है। मोतीलाल ओसवाल फाइनैंशियल सर्विसेज में संस्थागत शोध विश्लेषक के उपाध्यक्ष अभिषेक पाठक ने कहा कि कंपनी के शेयर पुनर्खरीद की घोषणा के बाद कई दूसरी कंपनियां भी बायबैक ऑफर की राह पर आ सकती हैं। पाठक ने कहा कि यह पेशकश मुख्य रूप से शेयरधारकों को नकदी लौटाने का एक तरीका है, न कि व्यापार चक्र के बारे में कोई संकेत। उन्होंने कहा कि बड़ी आईटी कंपनियां हर 18 से 24 महीने में पुनर्खरीद पेशकश लाती हैं और इसलिए यह नियमित प्रक्रिया है। उन्होंने कहा कि वास्तव में इन्फोसिस ने साफ कहा है कि उसका लक्ष्य अर्ध-वार्षिक लाभांश, बायबैक और या विशेष लाभांश के जरिए पांच साल की अवधि में अपने मुक्त नकदी प्रवाह का करीब 85 फीसदी वापस लौटाना है।

बेंगलुरु की इस फर्म ने 2017 में अपने बायबैक के लिए 13,000 करोड़ रुपए का इस्तेमाल किया और 1,150 करोड़ रुपए के औसत भाव पर 11.3 करोड़ शेयर खरीदे। 2019 में इन्फोसिस ने खुले बाजार में 747 रुपए प्रति शेयर के हिसाब से 11.05 करोड़ शेयर खरीदने के लिए 8,260 करोड़ रुपए खर्च किए हैं। इसी तरह, 2021 और 2022 में उसने 9,200 करोड़ रुपए यानी 5.58 करोड़ शेयर और 9,300 करोड़ रुपए यानी 6.04 करोड़ शेयर की पुनर्खरीद की है।

मुंबई के एक वरिष्ठ बाजार विश्लेषक के मुताबिक इन्फोसिस का बायबैक 'काफी सकारात्मक' है और इससे दूसरी तिमाही के नतीजों से पहले निवेशकों का भरोसा बढ़ने की उम्मीद है। विश्लेषक ने कहा कि आईटी क्षेत्र में मौजूदा अस्थिरता और शेयर के बेहतर प्रदर्शन के लिए मजबूत ट्रिगर्स की कमी को देखते हुए इस तरह का घटनाक्रम गिरावट रोकने में मदद करता है।

उन्होंने कहा कि कुल मिलाकर इन्फोसिस के लिए इस बायबैक को काफी सकारात्मक माना जा रहा है और प्रतिस्पर्धियों की ओर से भी कुछ और घोषणाएं होने की उम्मीद है।

जीएसटी की नई दरें लागू होने के बाद हर महीने सरकार को देनी होगी रिपोर्ट

इससे पता चलेगा घटी दरों का लाभ ग्राहकों को मिल रहा है या नहीं

नई दिल्ली।

केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर और सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) ने 9 सितंबर को जारी सर्कुलर में अपने क्षेत्रीय कार्यालयों से कहा कि वे 22 सितंबर से जीएसटी की नई दरें लागू होने के बाद मक्खन, पनीर, शैंपू, टूथपेस्ट, बिस्कुट, चॉकलेट, सीमेंट और दवाओं जैसी रोजमर्रा की वस्तुओं की कीमतों में होने वाले बदलावों पर नजर रखें और मासिक रिपोर्ट पेश करें।

सर्कुलर में सीबीआईसी ने प्रधान मुख्य आयुक्तों को निर्देश दिया है कि वे व्यापार संघों और क्षेत्रीय इकाइयों से वस्तुवार कीमत के आंकड़े जमा करें, जिसमें नई दरें लागू होने के पहले और बाद के दाम शामिल हों।

यह कवायद 6 महीने तक जारी रहेगी, जिससे यह जाना जा सके कि कम हुई जीएसटी दरों का लाभ ग्राहकों को मिल रहा है या नहीं। इस सिलसिले में पहली रिपोर्ट 30 सितंबर तक भेजी जानी है। उसके बाद हर महीने की 20 तारीख को मार्च 2026 तक दरों की रिपोर्ट भेजनी होगी।

सूचीबद्ध 54 वस्तुओं की दरों की अद्यतन जानकारी देनी है, उनमें मक्खन, चीज और घी जैसे डेरी उत्पाद, बिस्कुट, चॉकलेट और आइसक्रीम जैसे पैकेज्ड फूड शामिल हैं। इन वस्तुओं में साबुन, शैंपू और टूथपेस्ट जैसे प्रसाधनों के साथ-साथ सीमेंट, दवाइयां, साइकिल, खिलौने जैसी महंगी वस्तुएं और टेलीविजन और एयर कंडीशनर जैसी टिकाऊ उपभोक्ता वस्तुएं भी शामिल हैं। नाम सार्वजनिक न किए जाने को इच्छुक एक सरकारी अधिकारी ने कहा कि केंद्र का ध्यान रोजमर्रा के इस्तेमाल वाले सामान पर है और फील्ड में काम करने वाली यूनिट व्यापार संगठनों के साथ मिलकर काम करेगी, जिससे कि इसका लाभ ग्राहकों तक पहुंचाया जा सके।

उन्होंने कहा कि वे स्वतंत्र रूप से भी अनुपालन की निगरानी करेंगे। अधिकारी ने बिज़नेस स्टैंडर्ड से कहा कि क्षेत्रीय कार्यालय सीधे बाजार की जांच करेंगे और केवल व्यापार संघों या उद्योग निकायों द्वारा उपलब्ध कराए गए आंकड़ों पर निर्भर नहीं रहेंगे।

केपीएमजी में पार्टनर और अप्रत्यक्ष कर के प्रमुख ने कहा कि यह निर्देश सरकार के व्यापक दृष्टिकोण के अनुरूप है। उन्होने कहा कि सरकार ने इस पर जोर दिया है कि उद्योग को यह तय करना होगा कि जीएसटी दरों में कटौती का लाभ उपभोक्ताओं तक पहुंचे।

अगर वाहन विकास धीमा रहा तो भारत दुनिया से पिछड़ जाएगा

डिजाइन में बार-बार बदलाव लॉन्च में डाल रहे हैं रुकावट

नई दिल्ली।

भारतीय वाहन विनिर्माताओं द्वारा नए मॉडल पेश करने में 'अंतिम चरण वाले इंजीनियरिंग बदलावों' से देर होती है। यह ऐसी समस्या है जो अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश की प्रतिस्पर्धी क्षमता पर असर डालती है।

एक फर्म के अध्ययन से यह जानकारी दी गई कि करीब 80 फीसदी मूल उपकरण विनिर्माताओं (ओईएम) ने बाधाएं बताई गई हैं। बताया जा रहा है कि भारत में यह देर ज्यादा होती है और इलेक्ट्रिक वाहनों के मामले में तो और भी ज्यादा।

अगर हमारा वाहन विकास धीमा है तो आशंका है कि भारत दुनिया से पिछड़ जाएगा। चीन अपने वाहनों को 18 से 24 महीनों में तैयार कर रहा है जबकि भारत 36 से 60 महीनों में। अध्ययन में बताया गया है कि डिजाइन में बाद वाले चरण के बदलाव लॉन्च में रुकावट डाल रहे हैं, आपूर्तिकर्ताओं की क्षमता कम कर रहे हैं और वैश्विक वाहन बाजार में भारत की प्रतिस्पर्धी क्षमता को प्रभावित कर रहे हैं।

अध्ययन में यह भी कहा गया है कि आम धारणा के विपरीत किसी वाहन का शुरुआती प्रोटोटाइप तैयार करने और सत्यापन के बाद भी इंजीनियरिंग बदलाव खत्म नहीं होते। आदर्श बात तो यह है कि प्री-प्रोडक्शन में बदलाव 15 फीसदी से कम, लॉन्च के बाद उत्पादन में 8 फीसदी या उससे कम और उत्पाद में स्थिरता आने के बाद यह बदलाव 3 फीसदी से भी कम रहने चाहिए। अलबत्ता, विकास चक्र के बाद वाले चरणों में भी ऐसे बदलाव ज्यादा होते हैं।

केवल 6 फीसदी ओईएम ही इस आदर्श का पालन करती हैं, 13 फीसदी ओईएम हल्का उतार-चढ़ाव बताती हैं और 81 फीसदी ओईएम इस पैटर्न के मुकाबले खासा बड़ा अंतर दिखाती हैं। ऐसा हरेक बदलाव डिजाइन, टूलिंग, बार-बार के सत्यापन या सॉफ्टवेयर अपडेट में फिर से काम किए जाने की जरूरत बता सकता है।

इससे मॉडल पेश करने के तय समय में देर होती है और लागत बढ़ जाती है। ये बदलाव आपूर्तिकर्ताओं को भी प्रभावित करते हैं। करीब 57 फीसदी पुर्जा विनिर्माताओं ने कहा कि अंतिम चरण में बार-बार बदलाव से उनकी टीमों को लगातार दोबारा काम और समस्याओं का समाधान करना पड़ता है। इन्हें परियोजनाओं के बीच संसाधनों को बार-बार बदलना पड़ता है।

एसबीआई सेविंग्स अकाउंट में 50,000 रुपए बैलेंस तो मिलेगा अच्छा रिटर्न

बैंक ने मल्टी ऑप्शन डिपॉजिट स्कीम में किया नया नियम लागू

नई दिल्ली।

स्टेट बैंक ऑफ इंडिया ने एक बड़ा बदलाव किया है। बैंक ने अपने करोड़ों ग्राहकों के लिए अपनी खास मल्टी ऑप्शन डिपॉजिट यानी एमओडी स्कीम में नया नियम लागू किया है। अब इस स्कीम का फायदा लेने के लिए आपके सेविंग्स अकाउंट में कम से कम 50,000 रुपए का बैलेंस होना जरूरी है। पहले यह रकम 35,000 रुपए थी यानी अब आपको पहले से ज्यादा पैसे अकाउंट में रखने होंगे, ताकि इस स्कीम का लाभ मिल सके। जिन लोगों के पास छोटा या मध्यम बैलेंस है, उनके लिए यह बदलाव मुश्किल हो सकता है, लेकिन जिनके पास ज्यादा बैलेंस है, उनके लिए यह स्कीम अब भी अच्छा रिटर्न देगी।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अगर आपके सेविंग्स अकाउंट में 50,000 रुपए से ज्यादा रकम है, तो अतिरिक्त पैसा अपने आप फिक्स्ड डिपॉजिट यानी एफडी में बदल जाता है। यह रकम एक हजार रुपए की छोटी-छोटी यूनिट्स में एफडी में जाती है। इस एफडी पर आपको वही ब्याज मिलता है, जो सामान्य टर्म डिपॉजिट पर मिलता है।

यह ब्याज सेविंग्स अकाउंट के ब्याज से कहीं ज्यादा होता है। अगर आपके अकाउंट में बैलेंस कम हो जाता है, तो बैंक अपने आप एमओडी से पैसा निकालकर आपके सेविंग्स अकाउंट में डाल देता है यानी आपको जरूरत पड़ने पर पैसे आसानी से मिल जाते हैं। खास बात यह है कि सीनियर सिटीजन्स को इस स्कीम में अतिरिक्त ब्याज का फायदा भी मिलता है।

जीएसटी कटौती से स्पेयर पार्ट्स सस्ते होने और औपचारिक अर्थव्यवस्था मजबूत होगी : गोयल

नई दिल्ली।

भारत के केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री, पीयूष गोयल ने ऑटोमोटिव कंपोनेंट मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन (एसीएमए) के 65वें वार्षिक सत्र में जीएसटी की दरों में हाल ही में की गई कटौती की सराहना की है। दरअसल जीएसटी 2.0 के तहत ऑटोमोबाइल स्पेयर पार्ट्स पर लगने वाले जीएसटी को 28 से घटाकर 18 प्रतिशत कर दिया गया है। ट्रैक्टरों पर जीएसटी दर को घटाकर 5 प्रतिशत किया गया है।

केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने इस कटौती को ऐतिहासिक सुधार और ऑटो उद्योग के लिए एक बड़ी राहत बताया है। उनका मानना है कि इससे कृषि क्षेत्र को बढ़ावा मिलेगा, स्पेयर पार्ट्स सस्ते होने और औपचारिक अर्थव्यवस्था मजबूत होगी। इस कदम से रोजगार के अवसर बढ़ने और वैल्यू चेन में मांग पैदा होगी। केंद्रीय मंत्री गोयल ने इस बात पर जोर दिया कि जीएसटी रेट कटौती का पूरा लाभ उपभोक्ताओं तक पहुंचाया जाना चाहिए।

केंद्रीय मंत्री गोयल ने मेक इन इंडिया पहल के 10 वर्ष पूरे होने का उल्लेख कर कहा कि यह सप्लाई चेन को मजबूत करने, निर्यात बढ़ाने और हाई-क्वालिटी मैन्युफैक्चरिंग को बढ़ावा देने का सही समय है। उन्होंने कोरोना महामारी के

दौरान भारत द्वारा किए गए प्रयासों की प्रशंसा की, जिसमें अन्य देशों को दवाइयाँ और टीके उपलब्ध कराना शामिल है, जिससे भारत की छवि एक विश्वसनीय वैश्विक भागीदार के रूप में मजबूत हुई है।

मोटो मोरिनी ने भारतीय ग्राहकों के लिए किश्स बडे तोहफे का ऐलान

नई दिल्ली । भारतीय ग्राहकों के लिए इटैलियन मोटरसाइकिल ब्रांड मोटो मोरिनी ने बड़ा तोहफा पेश किया है। मोटो मोरिनी ने अपनी लोकप्रिय सेईमेजो रेट्रो स्ट्रीट और स्क्रैम्बलर मोटरसाइकिलों पर भारी डिस्काउंट और आकर्षक फाइनेंस स्कीमें लॉन्च की हैं। कंपनी ने सेईमेजो सीरीज़ की कीमतों में सीधे 91 हजार रुपये तक की कटौती की है। पहले इनकी कीमत 5.20 लाख रुपये (एक्स-शोरूम) थी, जबकि अब ग्राहक इन्हें केवल 4.29 लाख रुपये (एक्स-शोरूम) में खरीद सकते हैं। इतालवी डिजाइन और हाईटेक इंजीनियरिंग से बनी यह रेंज अब पहले से कहीं ज्यादा किफायती हो गई है। यही नहीं, 21 सितंबर से पहले की गई खरीद पर ग्राहकों को 33 हजार रुपये तक का जीएसटी बेनिफिट भी मिलेगा। साथ ही, कंपनी ने फेस्टिव फाइनेंस ऑफर भी पेश किया है जिसमें लो ईएमआई, आकर्षक ब्याज दरें, 60 महीने तक की अवधि, तुरंत अप्रूवल और 95 प्रतिशत तक डेट कवरेज जैसी सुविधाएं शामिल हैं। ग्राहकों को इसके लिए सैलरी सर्टिफिकेट की भी जरूरत नहीं होगी। प्रीमियम मोटरसाइकिलों की बढ़ती कीमतों और महंगाई के दौर में मोटो मोरिनी का यह कदम ग्राहकों को बड़ी राहत देने वाला है।

एसआईपी भारतीय निवेशकों के लिए बना सबसे भरोसेमंद और पसंदीदा विकल्प

ग्लोबल अनिश्चितताओं के बावजूद अगस्त में निवेश ने नया कीर्तिमान बनाया

नई दिल्ली। म्युचुअल फंड में एसआईपी आज भारतीय निवेशकों के लिए सबसे भरोसेमंद और पसंदीदा विकल्प बन चुका है। पिछले एक दशक में इसका क्रेज बढ़ता ही गया। मंथली इन्वेस्टमेंट के इस आसान तरीके ने न सिर्फ छोटे निवेशकों को फाइनेंशियल डिसिप्लिन सिखाया है, बल्कि उन्हें लंबी अवधि में बेहतर रिटर्न कमाने का मौका भी दिया है। यही वजह है कि बाजार में कभी तेजी रही या फिर गिरावट का माहौल, निवेशक एसआईपी के जरिए लगातार योगदान करते रहे हैं। इसमें खास बात यह है कि हाल ही में भारी उतार-चढ़ाव और ग्लोबल अनिश्चितताओं के बावजूद अगस्त 2025 में एसआईपी निवेश ने एक नया कीर्तिमान बनाया है। इस महीने कुल एसआईपी योगदान रिकॉर्ड स्तर पर 28,265 करोड़ रुपए पहुंच गया है, जो पिछले 10 सालों का सबसे ऊंचे स्तर पर है। एक ताजा रिपोर्ट के मुताबिक अगस्त 2016 से अगस्त 2025 तक एसआईपी के जरिए निवेश में जबरदस्त उछाल आया है। यह आंकड़े बताते हैं कि भारतीय निवेशक अब शॉर्ट-टर्म ट्रेडिंग की बजाय लॉन्ग टर्म निवेश और व्यवस्थित तरीके से वेल्थ क्रिएशन पर ज्यादा ध्यान दे रहे हैं। आंकड़ों के मुताबिक अगस्त 2016 में एसआईपी योगदान केवल 3,497 करोड़ रुपए था, जो हर साल लगातार बढ़ता गया। अगस्त 2017 में यह बढ़कर 5,206 करोड़ रुपए हो गया और अगस्त 2018 में 7,658 करोड़ रुपए तक पहुंच गया। इसके बाद 2019 और 2020 में यह क्रमशः 8,231 करोड़ रुपए और 7,792 करोड़ रुपए रहा। अगस्त 2021 से इसमें तेजी आई और एसआईपी योगदान 9,923 करोड़ रुपए हो गया। अगस्त 2022 में यह बढ़कर 12,693 करोड़ रुपए, अगस्त 2023 में 15,814 करोड़ रुपए और अगस्त 2024 में 23,547 करोड़ रुपए पहुंच गया। सबसे बड़ा उछाल अगस्त 2025 में देखने को मिला, जब एसआईपी योगदान रिकॉर्ड स्तर पर 28,265 करोड़ रुपए हो गया है।

अर्बन कंपनी के 1900 करोड़ के आईपीओ को मिले 103 गुना से ज्यादा सब्सक्राइब

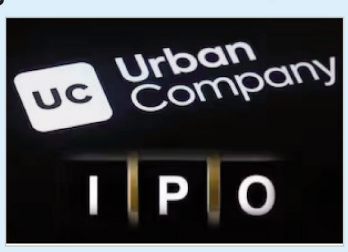

नई दिल्ली। निवेशकों ने अर्बन कंपनी, देव एक्सेलरेटर और श्रंगार हाउस ऑफ मंगलसूत्र के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) को हाथो-हाथ लिया। टेक स्टार्टअप अर्बन कंपनी के 1900 करोड़ रुपए के आईपीओ को कुल मिलाकर 103.63 गुना आवेदन मिले हैं। आईपीओ को संस्थागत निवेशकों की श्रेणी में 140.2 गुना, एचएनआई श्रेणी में 74.04 गुना, खुदरा निवेशकों की श्रेणी में 39.25 गुना और कर्मचारियों के लिए आरक्षित श्रेणी में 36.8 गुना आवेदन मिले हैं। इस भारी प्रतिक्रिया के कारण अर्बन कंपनी पिछले छह सालों में 100 गुना से ज्यादा आवेदन हासिल करने वाली 65वीं कंपनी बन गई है। बता दें अर्बन कंपनी एक ऐसे बाजार का संचालन करती है जो ग्राहकों को सौंदर्य, सफाई, प्लंबिंग, बढ़ईगीरी, उपकरण मरम्मत और अन्य सेवाएं प्रदान करने वाले पेशेवरों से जोड़ता है। आईपीओ का कीमत दायरा 98 से 103 रुपए तय किया गया है और कीमत दायरे के ऊपरी स्तर पर कंपनी का मूल्यांकन 14,800 करोड़ रुपए है। कोटक इन्वेस्टमेंट बैंकिंग के प्रबंध निदेशक ने कहा कि निवेशक समझते हैं कि कई तरह की घरेलू सेवाओं के लिए अर्बन कंपनी एकमात्र मार्केटप्लेस है। समय के साथ इसकी पहुंच न केवल सेवाओं के विस्तार के मामले में बल्कि इसके परिचालन वाले शहरों की संख्या में भी बढ़ी है। उसका कोई प्रतिस्पर्धी नहीं है, जिससे कंपनी के पास मूल्य प्रदान करते रहने की दीर्घकालिक क्षमता है। आईपीओ की कामयाबी सार्वजनिक होने की योजना बना रही अन्य उपभोक्ता इंटरनेट कंपनियों के लिए अच्छा संकेत है।

पांच नए इश्यू और 12 कंपनियां शेयर बाजार में होंगी लिस्टिंग, निवेशकों के लिए मौका

नई दिल्ली।

अगले हफ्ते शेयर बाजार में बहुत कुछ होने वाला है। कई कंपनियों के नए शेयर बाजार में आएंगी और कई कंपनियां लिस्ट होंगी। कुल मिलाकर पांच नए इश्यू खुलेंगे और 12 कंपनियां बाजार में अपनी जगह बनाएंगी। इसमें मुख्य सेगमेंट से दो इश्यू निवेश के लिए खुलेंगे और तीन कंपनियां लिस्ट होंगी। वहीं, छोटे और मध्यम बिजनेस सेगमेंट में तीन कंपनियों के इश्यू आएंगे और नौ कंपनियां लिस्ट होंगी। ये हफ्ता निवेशकों के लिए काफी व्यस्त और मौके भरा रहेगा।

मेन सेगमेंट में अर्बन कंपनी, देव एकोलेरोटर और शीरीनगर हाउस ऑफ मंगलसूत्र के शेयर 17 सितंबर 2025 को स्टॉक एक्सचेंज पर लिस्ट होंगे। इनके आईपीओ 12 सितंबर को बंद हो चुके हैं। इनके शेयरों का अलॉटमेंट सोमवार को पूरा होने की उम्मीद जताई जा रही है। निवेशकों की नजर अब इन कंपनियों के प्रदर्शन पर है। इसके अलावा, मेन सेगमेंट में दो नए आईपीओ भी लॉन्च होंगे। पहला है यूरो प्रतीक सेल्स का आईपीओ, जो 16 सितंबर से शुरू होकर 18 सितंबर 2025 तक चलेगा। कंपनी 1.83 करोड़ शेयरों के जरिए 451.31 करोड़ रुपए जुटाने की कोशिश करेगी। इसके लिए शेयर की कीमत 235 से 247 रुपए के बीच रखी गई है।

एक लॉट में 60 शेयर होंगे, यानी निवेश करने के लिए कम से कम 14,820 रुपए चाहिए होंगे। ये शेयर 23 सितंबर 2025 को बीएसई और एनएसई पर लिस्ट हो सकते हैं। दूसरा आईपीओ है वीएमएस टीएमटी का, जो 17 सितंबर से शुरू होकर 19 सितंबर 2025 तक खुलेगा। ये पूरी तरह से 1.5 करोड़ शेयरों का नया इश्यू है, जिससे कंपनी 148.50 करोड़ रुपए जुटाना चाहती है। इसके शेयर की कीमत 94 से 99 रुपए के बीच होगी। एक लॉट में 150 शेयर होंगे और इसके लिए कम से कम 14,850 रुपए निवेश करने होंगे।

एसएमई सेगमेंट में भी हलचल रहेगी। सम्पत एल्युमीनियम, टेकडी साइबरसिक्युरिटी और जेडी केबल्स के आईपीओ अगले हफ्ते खुलेंगे। इसके अलावा नो कंपनियां इस सेगमेंट में लिस्ट होंगी। इनमें एलटी एल्वेटर, एयरफ्लोआ रेल टेक्नालॉजी, ग्लेक्सी मेडिकेयर, जय अम्बे

सुपरमार्केट्स, ताऊरेन एमपीएस, कारबोनस्टील इंजीनियरिंग, निलांचल कारबो मेटालिक्स और वाशिस्ता लक्झरी फैशन शामिल हैं। ये कंपनियां छोटे और मध्यम उद्यमों के लिए बने प्लेटफॉर्म पर अपनी शुरुआत करेंगी।

निवेशकों के लिए ये हफ्ता अच्छा रहेगा, लेकिन सावधानी भी जरूरी है। बाजार में उतार-चढ़ाव रहता है, इसलिए निवेश पहले अच्छे से सोच-विचार करें। कोई भी फैसला लेने से पहले अपने वित्तीय सलाहकार से बात करें। ये समय निवेश के लिए रोमांचक है, लेकिन सही जानकारी और समझदारी के साथ आगे बढ़ना जरूरी है।

सेबी ने बदले आईपीओ और एमपीएस के नियम, अब बड़ी कंपनियां भी छोटे आईपीओ ला सकेंगी

नई दिल्ली। भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) ने शुक्रवार को हुई बोर्ड की बैठक में कई बड़े फैसले लिए गए हैं। इनमें आईपीओ नियमों में बदलाव, मिनिमम पब्लिक शेयर होल्डिंग (एमपीएस) के पालन के लिए ज्यादा समय, विदेशी निवेशकों के लिए आसान रास्ते और इक्विटी इंस्ट्रूमेंट्स का दर्जा देना शामिल है। सेबी ने बड़ी कंपनियों के लिए छोटे साइज का आईपीओ लाने का रास्ता साफ कर दिया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अब बड़ी कंपनियां अपने आईपीओ में अपने पेड-अप कैपिटल का न्यूनतम 2.5 फीसदी शेयर बेच सकेंगी। अभी लिस्टिंग के बाद पांच लाख करोड़ रुपए वाली कंपनियों को आईपीओ में कम से कम अपने पेड-अप कैपिटल का 5 फीसदी शेयर बेचने पड़ते हैं। सेबी के चेयरमैन तुहिन कांत पांडेय ने कहा कि हम मौजूदा चार हजार करोड़ लेवल की कैटेगरी के अलावा चार अतिरिक्त कैटेगरी पेश कर रहे हैं जो इस प्रकार हैं- 4,000 करोड़ से 50,000 करोड़, 50,000 करोड़ से 1 लाख करोड़, 1 लाख करोड़ से 5 लाख करोड़ और 5 लाख करोड़ से ज्यादा। ऐसी कंपनियां जिनका मार्केट कैप 5,500 करोड़ से लेकर 1 लाख करोड़ रुपए तक होगा, उनके लिए न्यूनतम पब्लिक ऑफर एक हजार करोड़ रुपए+इश्यू के बाद 8 फीसदी मार्केट कैपिटलाइजेशन होगा। 1 लाख करोड़ से ऊपर की कंपनियों का मिनिमम पब्लिक ऑफर (एमपीओ) 6,250 करोड़ रुपए + 2.75फीसदी मार्केट कैपिटलाइजेशन होगा। 5 लाख करोड़ एमकैप वाली कंपनियों के लिए एमपीओ 15,000 करोड़ रुपए + 1फीसदी मार्केट कैपिटलाइजेशन तय किया गया है, जिन कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन 50,000 करोड़ से एक लाख करोड़ रुपए होगा, उन्हें 25 फीसदी के मिनिमम पब्लिक शेयरहोल्डिंग (एमपीएस) नियम के पालन के लिए 5 साल का समय मिलेगा। अभी ऐसी कंपनियों को इस नियम के पालन के लिए सिर्फ तीन साल का समय दिया जाता है।

भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 698.26 अरब डॉलर के करीब पहुंचा

नई दिल्ली।

भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 5 सितंबर को समाप्त हुए हफ्ते में सालाना आधार पर 4.03 अरब डॉलर बढ़कर 698.26 अरब डॉलर पहुंच गया है। इसकी जानकारी भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा दी गई। देश के विदेशी मुद्रा भंडार में लगातार बढ़त हो रही है। बीते महीने विदेशी मुद्रा भंडार 3.51 अरब डॉलर बढ़कर 694.2 अरब डॉलर हो गया है। आरबीआई के मुताबिक, विदेशी मुद्रा भंडार के सबसे बड़े घटक विदेशी मुद्रा आस्तियां (एफसीए) का मूल्य 54 करोड़ डॉलर बढ़कर 584.47 अरब डॉलर हो गया है।

विदेशी मुद्रा आस्तियों में विदेशी मुद्रा भंडार में रखे गए यूरो, पाउंड और येन जैसी गैर-अमेरिकी इकाइयों के मूल्यवृद्धि या मूल्यह्रास का प्रभाव डॉलर के रूप में शामिल होता है। समीक्षा अवधि में विदेशी मुद्रा भंडार के अहम घटकों में से एक गोल्ड रिजर्व 3.53 अरब से बढ़कर 90.29 अरब डॉलर हो गया। भू-राजनीतिक तनावों से उत्पन्न अनिश्चितता के बीच, दुनिया भर के केंद्रीय बैंक अपने विदेशी मुद्रा भंडार में सुरक्षित निवेश के रूप में गोल्ड के रिजर्व को तेजी से बढ़ा रहे हैं। आरबीआई द्वारा अपने विदेशी मुद्रा भंडार में सोने के शेयर को 2021 से करीब दोगुना किया है।

केंद्रीय बैंक के मुताबिक, समीक्षा अवधि में विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) की वैल्यू 18.74 अरब डॉलर रह गई है।

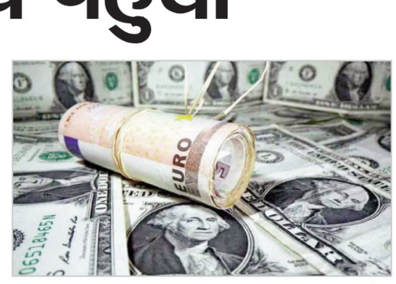

अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) में भारतीय रिजर्व पोजीशन भी 20 लाख डॉलर बढ़कर 4.75 अरब डॉलर हो गई है।

मजबूत विदेशी मुद्रा भंडार आरबीआई को रुपए को तेजी से गिरने से रोकने और उसकी अस्थिरता को कम करने के लिए ज्यादा डॉलर जारी करके हाजिर और अग्रिम मुद्रा बाजारों में हस्तक्षेप करने में सक्षम बनाता है।

टैक्स कट का पूरा लाभ ग्राहकों तक पहुंचाएगी रॉयल एनफील्ड

नई दिल्ली ।

जीएसटी दरें कम होने के बाद रॉयल एनफील्ड कंपनी ने घोषणा की है कि वह टैक्स कट का पूरा लाभ ग्राहकों तक पहुंचाएगी। सबसे ज्यादा बिकने वाली रेंज क्लासिक 350, बुलेट 350, हंटर 350 और मेट्योर 350 के खरीदारों को इसका फायदा मिलेगा। इन बाइक्स की कीमतों में 22,000 रुपये तक की कमी की जाएगी। नई दरें 22 सितंबर, 2025 से लागू होंगी। जीएसटी काउंसिल ने हाल ही में 350 सीसी तक की मोटरसाइकिलों पर टैक्स दर को 28प्रतिशत से घटाकर 18 प्रतिशत कर दिया है। इस बदलाव के बाद रॉयल एनफील्ड की 350 सीसी सेगमेंट की बाइक्स और भी किफायती हो जाएंगी। कंपनी के सीईओ बी. गोविंदराजन ने कहा कि यह सुधार न केवल ग्राहकों को राहत देगा, बल्कि पहली बार बाइक खरीदने वालों का उत्साह भी बढ़ाएगा और इस सेगमेंट को और मजबूती मिलेगी। कंपनी ने यह भी साफ कर दिया है कि जीएसडी कट का असर सिर्फ मोटरसाइकिलों तक सीमित नहीं रहेगा। एक्सेसरीज, राइडिंग गियर और सर्विस पर भी कीमतें घटेंगी। नवरात्रि और दिवाली जैसे बड़े त्योहारों के ठीक पहले आया यह फैसला कंपनी के लिए गेम-चेंजर साबित हो सकता है।

जेपी नड्डा पहुंचे पटना एयरपोर्ट, कार्यकताओं ने किया स्वागत

चुनावी तैयारियों की करेंगे समीक्षा, मोदी मित्र डिजिटल योद्धा अभियान में भी होंगे शामिल

पटना । भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा पटना पहुंच गए है। पटना एयरपोर्ट पर पार्टी के सभी बड़े नेताओं ने उनका भव्य स्वागत किया। एयरपोर्ट से नड्डा एक निजी कार्यक्रम में शामिल होने के लिए निकले हैं। इसके बाद वे रविन्द्र भवन में आयोजित भाजपा के मोदी मित्र डिजिटल योद्धा अभियान में हिस्सा लेंगे। यह कार्यक्रम डिजिटल माध्यमों के जरिए चुनावी संदेश को घर-घर तक पहुंचाने के उद्देश्य से आयोजित किया है। नड्डा का यह दौरा संगठन और चुनावी रणनीति को धार देने के लिए अहम माना जा रहा है।इसके बाद जेपी नड्डा सीधे छपरा रवाना होंगे। छपरा में कार्यक्रम संपन्न करने के बाद वे वापस पटना लौटेंगे। पटना के

भाजपा कार्यालय में वह बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर अहम बैठक करेंगे।इससे पहले मुख्यमंत्री आवास पर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से उनकी मुलाकात होगी। विधानसभा चुनाव की तैयारियों को लेकर बड़ी बैठक आयोजित की जाएगी। नड्डा का सबसे महत्वपूर्ण कार्यक्रम दोपहर बाद बीजेपी प्रदेश कार्यालय में होगा, जहां वे प्रदेश पदाधिकारियों और वरिष्ठ नेताओं के साथ कोर कमेटी की बैठक करेंगे। इस बैठक की अध्यक्षता बीएल संतोष करेंगे जिसमें विधानसभा चुनाव की तैयारियों की विस्तृत समीक्षा की जाएगी।नड्डा सभी नेताओं से बूथ स्तर से लेकर प्रदेश स्तर तक की रिपोर्ट लेंगे।

चुनावी रणनीतियों पर चर्चा करेंगे। माना जा रहा कि बैठक में सीट बंटवारे, गठबंधन की स्थिति और संभावित उम्मीदवारों के नाम पर भी चर्चा हो सकती है।बीजेपी का शीर्ष नेतृत्व बिहार पर लगातार फोकस बनाए हुए है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृहमंत्री अमित शाह और जेपी नड्डा के लगातार दौरे मिशन बिहार 2025 को लेकर की जा रही है। पीएम मोदी और अमित शाह बड़े जनसमूहों को साधने और जनता के बीच माहौल बनाने की रणनीति पर काम करेंगे, वहीं जेपी नड्डा संगठन को मजबूत करने और कार्यकताओं के साथ तालमेल बिठाने पर जोर दे रहे हैं।मिशन 2025 पर फोकस बीजेपी संगठनात्मक मजबूती और चुनावी तैयारियों को एक साथ लेकर चलना चाहती है। पार्टी का फोकस बूथ स्तर पर कार्यकताओं को सक्रिय करने, गठबंधन के सहयोगियों के साथ तालमेल बैठाने और प्रत्याशियों के चयन की प्रक्रिया को अंतिम रूप देने पर है। यही वजह है कि बिहार दौरे पर पहुंचे जेपी नड्डा का हर कदम आने वाले चुनाव की दिशा तय करने वाला माना जा रहा है।

भोजपुर में सड़क हादसे में सफाई कर्मी की मौत, परिवार में मचा कोहराम

भोजपुर। जिले के पीरो थाना क्षेत्र के बिजन टोला में एक सड़क दुर्घटना में सफाई कर्मी की मौत हो गई। मृतक दारोगा राम (55) निवासी बिजन टोला, पीरो थाना क्षेत्र के थे और प्राथमिक मध्य विद्यालय रोझाई टोला में सफाई कर्मी के रूप में कार्यरत थे। जानकारी के अनुसार, दारोगा राम शुक्रवार की शाम घर से दवा और सब्जियां खरीदने के लिए बाजार जा रहे थे। इसी दौरान तेज रफ्तार ऑटो ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। गंभीर रूप से घायल दारोगा राम को स्थानीय लोगों की मदद से अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।परिवार के अनुसार, घटना की सूचना मिलने के बाद परिजन घटनास्थल पर पहुंचे और स्थानीय थाना को सूचित किया। थाना टीम ने अस्पताल पहुंचकर आवश्यक कागजी कार्रवाई पूरी की और शव का पोस्टमार्टम शनिवार को आरा सदर अस्पताल में कराया गया। हादसे के बाद मृतक के परिवार में कोहराम मच गया है। अचानक हुई इस घटना से परिजन शोक में डूबे हैं और उनका रो-रोकर बुरा हाल है।

पटना में एक्स हसबैंड और पत्नी की हत्या

पटना । बख्तियारपुर में पूर्व पति और पत्नी का शव मिला है। दोनों की लाश शुक्रवार को धोबा नदी किनारे से बरामद की गई है। बताया जा रहा है कि दोनों की अवैध संबंध में हत्या की गई है। मामला बख्तियारपुर थाना क्षेत्र के लक्ष्मणपुर गांव का है।जानकारी के अनुसार, 11 सितंबर को महिला के दूसरे पति (लौरिक कुमार) ने थाने में शिकायत दर्ज कराई थी कि उसकी पत्नी वीणा देवी (25) का अपहरण उसके पहले पति सनोज कुमार (35) ने कर लिया है।इस मामले में पुलिस ने जांच कर रही थी। इसके अगले ही दिन दोनों के शव मिलने से इलाके में हड़कंप है। शव धोबी नदी के किनारे मिले हैं।स्थानीय लोगों का कहना है कि शवों की हालत देखकर लगता है कि हत्या एक-दो दिन पहले की गई होगी। पुलिस परिवार के सदस्यों से भी पूछताछ कर रही है।शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है। ग्रामीणों की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और फोरेंसिक टीम जांच में जुटी है।वीणा देवी ने करीब 5 साल पहले सिरसी गांव के सनोज कुमार से पहली शादी की थी। सनोज पहले से शादीशुदा थे, उनके दो बेटे भी हैं। बाद में रिश्तों में खटास आई तो पत्नी अपने मायके लौट आई।क महीने पहले ही वीणा देवी ने पहले ससुराल से 2 किमी दूर लक्ष्मणपुर गांव के लौरिक कुमार से शादी की थी।भाई बोले- महिला के दूसरे पति ने की हत्यामृतक के भाई मनोज सिंह का कहना है कि महिला के दूसरे पति लौरिक ने ही इस घटना को अंजाम दिया है।

खगड़िया में NDA कार्यकर्ता सम्मेलन से फूंका गया विस चुनाव का बिगुल

खगड़िया। में NDA कार्यकर्ता सम्मेलन से फूंका गया विस चुनाव का बिगुलबुधवार को मथुरापुर खेल मैदान ऐतिहासिक राजनीतिक ऊर्जा और अपार जनसैलाब का गवाह बना। खगड़िया सदर विधानसभा स्तरीय एनडीए कार्यकर्ता सम्मेलन में डबल इंजन सरकार की विकास गाथा गूंज उठी। कार्यक्रम की अध्यक्षता जदयू जिलाध्यक्ष बबलू कुमार मंडल ने की, जबकि संचालन भाजपा जिलाध्यक्ष शत्रुघ्न भगत ने संभाला। केंद्रीय मंत्री रामनाथ ठाकुर ने एनडीए की एकजुटता को महाभारत के पांडवों से जोड़ते हुए कहा कि नीतीशझ मोदी की जोड़ी ने बिहार को स्वर्णिम विकास की राह पर खड़ा किया है। विधानसभा चुनाव का शंखनाद हो चुका है हर कार्यकर्ता बूथ स्तर पर जीत सुनिश्चित करे।

जदयू विधान परिषद उपनेता ललन शर्राफ ने तेजस्वी यादव पर हमला बोलते हुए उनकी योजनाओं को परिवारवाद की राजनीति बताया। उन्होंने कहा कि चरवाहा विद्यालय की उपज आज मुख्यमंत्री बनने का सपना देख रही है। उन्होंने डबल इंजन सरकार की उपलब्धियां गिनाईं, 49 लाख युवाओं को रोजगार, 12 लाख सरकारी नौकरियां, 1 करोड़ 67 लाख परिवारों को 125 यूनिट मुफ्त बिजली और 60 हजार करोड़ रुपये का विशेष पैकेज। पूर्व मंत्री डॉ. अशोक कुमार राम ने 225 फिर नीतीश के संकल्प को दोहराया, जबकि विधायक लखेन्द्र पासवान ने कार्यकताओं से एनडीए की नीतियों को घर-घर तक पहुंचाने की अपील की।रालोमो की राष्ट्रीय महासचिव रेखा गुप्ता ने महिला रोजगार योजना को सरकार की बड़ी उपलब्धि बताते हुए कहा कि 10,000 रुपये की सहयोग राशि ने गांव-गांव की महिलाओं को आत्मनिर्भर बना दिया है। पूर्व विधायक पूनम देवी यादव ने खगड़िया की सभी चार सीटों पर एनडीए की जीत का दावा किया और कहा कि जनता नीतीश सरकार से संतुष्ट है।सम्मेलन में विधायक अनिल शर्मा, पूर्व विधायक चन्द्रमुखी देवी, भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष संजय खंडेलिया, जदयू प्रवक्ता परिमल कुमार, भाजपा प्रवक्ता डॉ. सुहैली मेहता, लोजपा अध्यक्ष मनीष कुमार उर्फ नाटा सिंह, राकेश कुमार शास्त्री, रालोमो व हम सेक्युलर के शीर्ष नेता समेत 200 से अधिक गणमान्य नेताओं की मौजूदगी ने इसे ऐतिहासिक बना दिया।

तेजस्वी के विधानसभा के बाढ़ पीड़ित अचानक पहुंच गए तेज प्रताप यादव के आवास पर

पटना । राष्ट्रीय जनता दल के सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव ने बड़े बेटे तेज प्रताप यादव आज एक बार फिर से सुर्खियों में है। इस बार चर्चा का कारण है अपने छोटे भाई के विधानसभा क्षेत्र से आए लोगों की मदद करना। दरअसल, आज पूर्व मंत्री तेज प्रताप यादव ने एक वीडियो शेयर किया। इसमें वह अपने आवास पर महिला और पुरुषों को खुद से खाना परोसते दिखे। वीडियो शेयर करने के साथ उन्होंने लिखा कि शुक्रवार देर रात राघोपुर विधानसभा से बाढ़ से पीड़ित कुछ महिला और पुरुष मेरे आवास के बाहर सिक्योरिटी रूम में आकर बैठे थे। जैसे ही मुझे इस बात की सूचना मिली हम तुरंत खुद से गेट पर पहुंचकर सभी महिलाओं और पुरुषों से उनका हाल समाचार लिया।तेज प्रताप यादव ने लिखा कि हम सभी लोगों को अपने आवास के अंदर लेकर गयें और सभी के लिए खाना, पानी और रहने की उचित व्यवस्था करवाये और साथ ही कुछ आर्थिक सहायता दिया। इतना ही नहीं उन्होंने यह भी लिखा कि गरीब और जरूरतमंद की सेवा ही सच्ची भगवान की सेवा होती है। तेज प्रताप यादव की बहन रोहिणी आचार्य ने भी इस वीडियो को शेयर किया है। अब यह मामला इसके बाद सियासी गलियारे में चर्चा का विषय बन गया।

राजनीतिक पंडितों ने कहा कि तेज प्रताप अपने भाई के ही विधानसभा पर खास फोकस कर रहे।

संक्षिप्त डायरी

पटना में पत्थर से कुचलकर दिव्यांग की हत्या, सुबह चबूतरे पर शव देखकर दंग रह गए लोग

पटना । दिव्यांग की निर्मम हत्या कर दी गई। घटना मनेर थाना क्षेत्र अंतर्गत जीवराखन टोला, टाटा कॉलोनी गांव के स्थित राजकीय मध्य विद्यालय के पास चबूतरे पर हुई। दिव्यांग चबूतरा पर सो रहा था। अपराधियों ने शनिवार की अहले सुबह पत्थर से कुचलकर बेरहमी से हत्या कर दी। हत्या की घटना को अंजाम देकर सभी अपराधी मौके से फरार हो गए। जब गांव के लोग सुबह चबूतरे पर मृतक के शव को देखा, तो उन्होंने इसकी सूचना पुलिस को दी। घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस ने जांच-पड़ताल करते हुए मृतक के शव को बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। हालांकि, घटना का कारण अब तक स्पष्ट नहीं हो सका है। वहीं, स्थानीय ग्रामीणों की काफी भीड़ मौके पर जुटी रही। ग्रामीणों ने बताया कि मृतक अपने बहन के गांव में रह रहा था।बताया जाता है कि शेरपुर गांव के रहने वाले जीत लाल राय (45), मनेर के गोरिया स्थान स्थित जीवराखन टोला, टाटा कॉलोनी में अपने बहन के गांव में रहता था। हर रोज की तरह वह गांव के बाहर देवी स्थान स्थित चबूतरे पर सोया हुआ था। इस बीच, किसी अज्ञात अपराधियों ने सोते समय उसके सिर पर पत्थर से प्रहार कर उसकी बेरहमी से हत्या कर दी। हत्या की घटना को अंजाम देकर अपराधी मौके से फरार हो गए। शनिवार की सुबह जब गांव के लोग सड़क पर निकले तो देखा कि जीत लाल राय की बेरहमी से हत्या की गई है। इसके बाद गांव के लोगों में सनसनी फैल गई। धीरे-धीरे गांव के लोग बड़ी संख्या में मौके पर जुट गए। स्थानीय लोगों ने मनेर पुलिस को घटना की सूचना दी। हत्या की घटना की सूचना पर मनेर थाना अध्यक्ष प्रदीप कुमार, एसआई राहुल कुमार समेत जिला पुलिस बल के जवान मौके पर पहुंचे। पुलिस ने मृतक के परिजनों से घटना से जुड़े सवालों पर पूछताछ की। हालांकि, मृतक के किसी से दुश्मनी की चर्चा नहीं है। हत्या करने वाले के खिलाफ ग्रामीणों में काफी आक्रोश व्याप्त है। ग्रामीणों ने बताया कि मृतक की किसी से दुश्मनी नहीं थी और वह गांव में मांग कर खाने का काम करता था। उसके परिवार वालों से उसका कोई लेना-देना नहीं था। इधर, घटना को लेकर मृतक के परिवार में शोक का माहौल है। पुलिस ने मृतक के शव को बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए अनुमंडलीय अस्पताल दानापुर भेज दिया है।

किशनगंज में महिला से 7 लोगों ने किया गैंगरेप

किशनगंज। में नवविवाहिता के साथ गैंगरेप का मामला सामने आया है। मामले में पुलिस ने शुक्रवार को 7 लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के मुताबिक, 9 सितंबर को महिला अपने भतीजे के साथ मेला देखकर लौट रही थी।इसी दौरान 7 लोगों ने चाय के बागान में ले जाकर दुष्कर्म किया। भतीजे के विरोध करने पर बदमाशों ने उसकी भी पिटाई कर दी और मोबाइल भी छीन लिया। महिला, दूसरे दिन यानी 10 सितंबर को बेहोशी की हालत में मिली।पुलिस की पूछताछ में आरोपी ने बताया, 'लड़की मेले से लौट रही थी। वो बहुत सुंदर थी। उसका पहनावा भी अलग था। मैं खुद को रोक नहीं पाया। मैं अपने दोस्त के साथ उठाकर उसे चाय के खेत में ले गया। वहां हमने एक-एक कर उसके साथ रेप किया। लड़की ने विरोध किया, तो हमने उसके मुंह में कपड़ा ठूंस दिया। करीब 3 घंटे तक हम उसके साथ रेप करते रहे। वो बेहोशी हो गई तो हम उसे छोड़कर भाग गए।'गलगलिया थाना क्षेत्र निवासी पीड़िता की शादी कुछ महीन पहले हुई थी। वह 9 सितंबर की शाम अपने नाबालिग भतीजे के साथ आदिवासी मेला देखकर लौट रही थी। इसी दौरान बेसरबाटी के रास्ते में बदमाशों ने दोनों को घेर लिया। बदमाश महिला के साथ छेड़छाड़ करने लगे। भतीजे ने इसका विरोध किया तो बदमाशों ने उसकी पिटाई कर दी और उसका मोबाइल छीन लिया। हालात बिगड़ने पर भतीजा दौड़कर घर भागा और परिजनों को घटना की जानकारी दी।भतीजे के जाने के बाद बदमाश महिला को खींचकर चाय बागान में ले गए, जहां बारी-बारी से उसके साथ रेप करने लगे। दुष्कर्म के बाद महिला बेहोश हो गई। इसके बाद बदमाश पीड़िता के गहने लेकर फरार हो गए।भतीजे से जानकारी मिलने के बाद परिजन पीड़िता की तलाश में जुट गए। काफी खोजबीन के बाद बुधवार की अहले सुबह पीड़िता बेहोशी की हालत में पाई गई। इलाज के बाद पीड़िता ने गुरुवार शाम को गलगलिया थाने में शिकायत दर्ज कराई।शिकायत दर्ज करने के बाद थानाध्यक्ष राकेश कुमार के नेतृत्व में पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए सभी 7 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। शुक्रवार को मेडिकल जांच के बाद पुलिस ने आरोपियों को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया है।पुलिस ने 36 घंटे के अंदर सभी आरोपियों को गिरफ्तार कियाएसपी सागर कुमार ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया, पीड़िता ने महिला पुलिस अधिकारी के सामने बयान दर्ज कराया था। जिसके बाद 3 नामजद और 4 अज्ञात के खिलाफ केस दर्ज किया गया। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए 36 घंटे के भीतर सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपियों ने अपना जुर्म कबूल कर लिया है।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बोले- जनता सी .एम नीतीश के विकास और सी .एम मोदी की गारंटी पर करेगी वोट

सहरसा। में एनडीए का विधानसभा कार्यकर्ता सम्मेलन आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल और बिहार सरकार के मंत्री सुमित सिंह मौजूद रहे। इस मौके पर सहरसा विधायक डॉ. आलोक रंजन, महिषी विधायक गूंजेश्वर साह समेत एनडीए के हजारों कार्यकर्ता प्रदेश और जिला स्तर से शामिल हुए।सम्मेलन को संबोधित करते हुए प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल ने कहा कि कार्यकताओं की भारी मौजूदगी एनडीए की चट्टानी एकता और विकास पर जनता के विश्वास को दशार्ती है। उन्होंने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि विपक्ष जनता को भ्रमित करने और वोटकटवा लोगों को बहकाने में जुटा है, लेकिन

बिहार की जनता नीतीश कुमार और मोदी जी पर भरोसा करती है।रदिलीप जायसवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी की गारंटी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के विकास कार्य ही चुनाव में एनडीए की ताकत हैं। उन्होंने तंज कसते हुए कहा, नफरत के नाम पर न सियासत के नाम पर, नीतीश और मोदी वोट मांगते हैं केवल विकास के नाम पर। महिलाओं को आर्थिक सहयोग की योजना का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि नीतीश सरकार राज्य की महिलाओं को 10 हजार रुपये दे रही है। ऐसे में विपक्ष का 2500 रुपये का प्रलोभन बेअसर हो गया है।वहीं, सम्मेलन में मौजूद राज्य मंत्री सुमित कुमार ने भी विपक्ष पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि विपक्ष का काम केवल सरकार पर आरोप लगाना है, क्योंकि बिना इसके उनकी राजनीति नहीं चल सकती। उन्होंने कटिहार दौरे के दौरान कांग्रेस नेता तारिक अनवर से जुड़े एक वाकये पर टिप्पणी करते हुए कहा कि अगर नेता अपने पैरों पर खड़े होकर नहीं चल सकते तो आपदा प्रभावित क्षेत्रों में जाने की नौटंकी नहीं करनी चाहिए।

37 जिलों में बीपीएससी 71वीं की पी.टी परीक्षा

पटना । बिहार लोक सेवा आयोग आज 71वीं संयुक्त प्रवेश परीक्षा ले रहा है। यह परीक्षा 37 जिलों के 912 केंद्रों पर 12 बजे से दो बजे तक ली जाएगी। इस पर करीब चार लाख 70 हजार अभ्यर्थी परीक्षा देने जा हैं। वहीं पटना में 70 केंद्रों पर 50244 अभ्यर्थी परीक्षा देंगे। 1298 पदों पर हो रही परीक्षा में गड़बड़ी रोकने के लिए बीपीएससी ने खास इंतजाम किए हैं। सभी सेंटरों पर पर्याप्त संख्या में पुलिसकर्मियों की तैनाती कर दी गई है। साथ ही बीपीएससी के अधिकारी कंट्रोल रूम से निगरानी कर रहे।आयोग ने अभ्यर्थियों से अपील की है कि वह आज सुबह 11 बजे तक परीक्षा केंद्र में प्रवेश करना अनिवार्य होगा। उसके बाद किसी भी उम्मीदवार को अंदर प्रवेश की अनुमति नहीं दी जाएगी। उम्मीदवारों को एडमिट कार्ड के साथ मान्य फोटो पहचान पत्र (आधार कार्ड/पैन

कार्ड/ड्राइविंग लाइसेंस आदि) लेकर आना जरूरी है। उम्मीदवारों को परीक्षा केंद्र पर ई-एडमिट कार्ड की एक अतिरिक्त प्रति साथ रखनी होगी। डाउनलोड किया गया एडमिट कार्ड इस तरह प्रिंट होना चाहिए कि रोल नंबर और बारकोड स्पष्ट रूप से दिखाई दें। आयोग ने स्पष्ट किया है कि 11 सितंबर 2025 से उम्मीदवार अपने डैशबोर्ड पर जाकर परीक्षा केंद्र का नाम और कोड देख सकते हैं। पहले जारी किए गए ई-एडमिट कार्ड में केवल परीक्षा शहर का नाम दिया गया था, लेकिन अब उम्मीदवारों को परीक्षा केंद्र का पूरा विवरण उपलब्ध करा दिया जाएगा।बिहार लोक सेवा आयोग ने कहा कि प्रश्न पत्र तीन अलग-अलग सेट में आएंगे और हर सेट की चार-चार श्रेणियां होंगी। सभी केंद्रों पर प्रश्न पत्रों के पैकेट अभ्यर्थियों के सामने वीडियोग्राफी करते हुए खोले जाएंगे। साथ ही, नकल रोकने के लिए हर केंद्र पर सीसीटीवी कैमरे, मोबाइल जैमर और बायोमैट्रिक सत्यापन की व्यवस्था की गई है। सुरक्षा के लिहाज से प्रत्येक परीक्षा केंद्र पर पुलिस बल की भी तैनाती की जाएगी। कदाचार करते हुए पाए जाने पर संबंधित अभ्यर्थी को न केवल इस परीक्षा से वंचित किया जाएगा, बल्कि आयोग की आगामी पांच वर्षों की सभी परीक्षाओं में सम्मिलित होने से भी प्रतिबंधित कर दिया जाएगा।बिहार लोक सेवा आयोग (बीपीएससी) की 71वीं संयुक्त प्रारंभिक परीक्षा शुक्रवार को सीवान जिले में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच आयोजित की गई जिले में कुल 26 परीक्षा केंद्र बनाए गए थे, जहां 14,916 अभ्यर्थियों ने परीक्षा दी निष्पक्ष और कदाचारमुक्त परीक्षा सुनिश्चित करने के लिए जिला प्रशासन ने व्यापक इंतजाम किए थे। प्रत्येक परीक्षा केंद्र पर जैमर और सीसीटीवी कैमरे लगाए गए थे, साथ ही पूरी परीक्षा प्रक्रिया की वीडियोग्राफी भी की गई अभ्यर्थियों को प्रवेश से पहले तीन स्तरों की जांच से गुजरना पड़ा। इसमें बायोमेट्रिक सत्यापन, एडमिट कार्ड की जांच और व्यक्तिगत तलाशी शामिल थी। मुजफ्फरपुर जिले के कुल 32 परीक्षा केंद्रों पर एक पाली में परीक्षार्थी परीक्षा दे रहे हैं। परीक्षा का आयोजन दोपहर 12:00 बजे से अपराह्न 2:00 बजे तक किया जाएगा। इस परीक्षा को पूर्णतः कदाचारमुक्त, पारदर्शी एवं शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न कराने के उद्देश्य से जिला प्रशासन ने सभी आवश्यक तैयारियाँ पूरी कर ली हैं। इस संबंध में जिलाधिकारी सुब्रत कुमार सेन एवं एसएसपी सुशील कुमार ने संयुक्त ब्रीफिंग करके स्पष्ट निर्देश दिए हैं। आयोग के दिशा-निर्देशों का शत-प्रतिशत अनुपालन सुनिश्चित करना अनिवार्य है।

कोयल की तरह ही चातक देती है दूसरों के घोंसलों में अंडे

माथे पर किलंगी और काले सफ़ेद पंख चातक पक्षी की खासियत होते हैं। प्राचीन साहित्य में चातक का यह विवरण उसके पारिस्थितिकी व्यवहार से काफी मेल खाते हैं। यह मौसम इसका प्रजनन काल भी है। प्रजनन के इस समय में नर दिनभर तरह तरह की कोकिल ध्वनियों से लगातार मादा को आकर्षित करने की कोशिश करते हैं। इस मौसम की शुरुआत में ये पक्षी उत्तर भारत के विभिन्न क्षेत्रों में प्रवास करते हैं।

हल्के नीले रंग के होते हैं अंडे

कोयल की तरह चातक पक्षी भी अन्य पक्षियों के घोंसलों में अपने अंडे देती है। जून से अगस्त तक चलने वाले प्रजनन काल की शुरुआत में मादाएं मेज़बान पक्षियों के घोंसलों की तलाश में रहती हैं। इन चातक के अंडे भी गैगई पक्षी के अंडों के समान हल्के, नीले रंग व छोटे आकार के होते है। गैगई, जिन्हें 7-10 के झुंड में घूमने के कारण लोक भाषा में सातभाई या बहन भी कहा जाता है, चातक के बहुत ही चहेते होते हैं। मादा चातक अक्सर अंडे देते वक्त मेजबान के अंडों को क्षतिग्रस्त कर देती हैं। पंखों के विकास होने तक गैगई अपने व चातक के चूजों में भेद नहीं कर पाती और सबका भरण-पोषण समान रूप से करती हैं।

भारत में होती हैं दो प्रजातियां

भारत में चातक की दो विशिष्ट उप प्रजातियां पाई जाती हैं। एक क्लैमेटर जैकोबिनस जैकोबिनस और दूसरी उत्तर भारत से आने वाली उप-प्रजाति क्लैमेटर जैकोबिनस पिका होती है। इनका मुख्य भोजन कीट-पतंगे होते हैं, लेकिन कभी कभी फलों को भी खूब चाव से खाते हैं।

प्यासा मर जाएगा पर इधर-उधर का पानी नहीं पीता चातक

धरती पर मौजूद हर जीव को जिंदा रहने के लिए दाना-पानी तो चाहिए ही. कीड़े-मकोड़ो की बात नहीं कर रहा. कम से कम इंसानों, पशु-पक्षियों वगैरह के लिए तो हवा के बाद दूसरी सबसे जरूरी चीज है पानी. खाने के बगैर तो इंसान कुछ दिन जिंदा रह सकता है लेकिन पानी के बगैर तो प्यार से ही मर जाएगा. पक्षियों के साथ भी ऐसा ही है. लेकिन आज हम एक ऐसे पक्षी के बारे में बात करने जा रहे हैं, जो प्यास के मारे मर जाएगा, लेकिन इधर-उधर का पानी पीना इसे मंजूर नहीं! आप सोच रहे होंगे, ये भला कैसा पागलपन है... लेकिन इस पक्षी की तो यही कहानी है. गर्मियों में अक्सर हम पशुओं के लिए छतों पर और आंगन में किसी बर्तन में पानी रख देते हैं. तमाम पक्षी आकर वे पानी पी लेंगे, लेकिन चातक पक्षी प्यासा होने के बावजूद ऐसा नहीं करेगा. चातक पक्षी केवल बारिश का ही पानी ही पिया करता है. यह चिड़िया किसी झील, तालाब, नदी वगैरह का पानी नहीं पीती है. भले ही वह प्यासा ही मर क्यों न जाए, लेकिन यह बारिश के अलावा कोई पानी नहीं पीती. चातक पक्षी, केवल बारिश के पानी से ही अपनी प्यास बुझाता है. ऐसा कहा जाता है कि यह पक्षी बहुत प्यासा है और इसे बिल्कुल साफ पानी के झील में भी छोड़ दिया जाए, तो भी यह पानी नहीं पिएगा. इस स्थिति में पानी पीने के लिए ये अपनी चोंच भी नहीं खोलेगा. बारिश के अलावा यह किसी भी दूसरे सोर्स से पानी नहीं पीता है. चातक कीटभक्षी पक्षी होता है. कीट-फतंगों के अलावा इसे फल खाते भी देखा गया है. चातक पक्षी की एक अलग बात ये भी है कि ये दूसरे पक्षियों के घोसले में अपने अंडे दिया करते हैं. ये पक्षी बुलबुल ओर बब्बलर जैसे पक्षियों के घोंसले में अपने अंडे देते हैं. चातक पक्षी मुख्य तौर पर एशिया और अफ्रीका महाद्वीप का पक्षी है. बात करें भारत की तो ये पक्षी उत्तराखंड में पाया जाता है. गढ़वाल में इसे चातक की बजाय चोली बुलाया जाता है. इसे मारवाड़ी/राजस्थानी में मघवा और पपिया भी कहा जाता है.

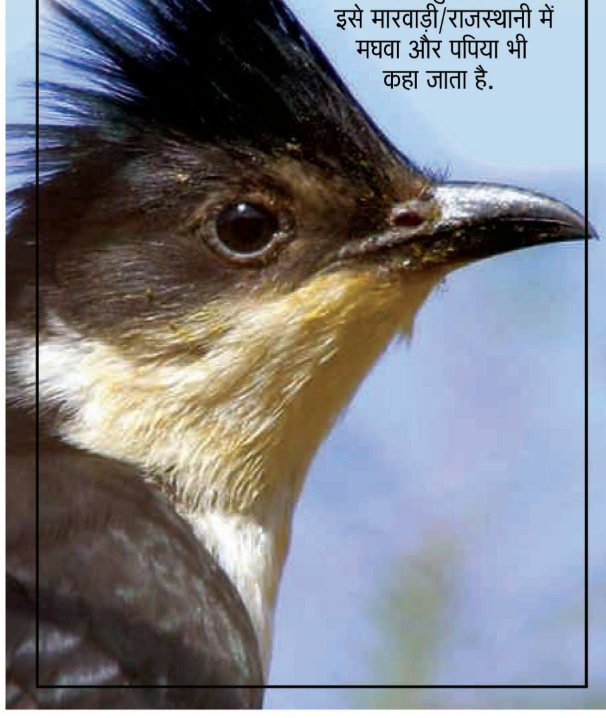

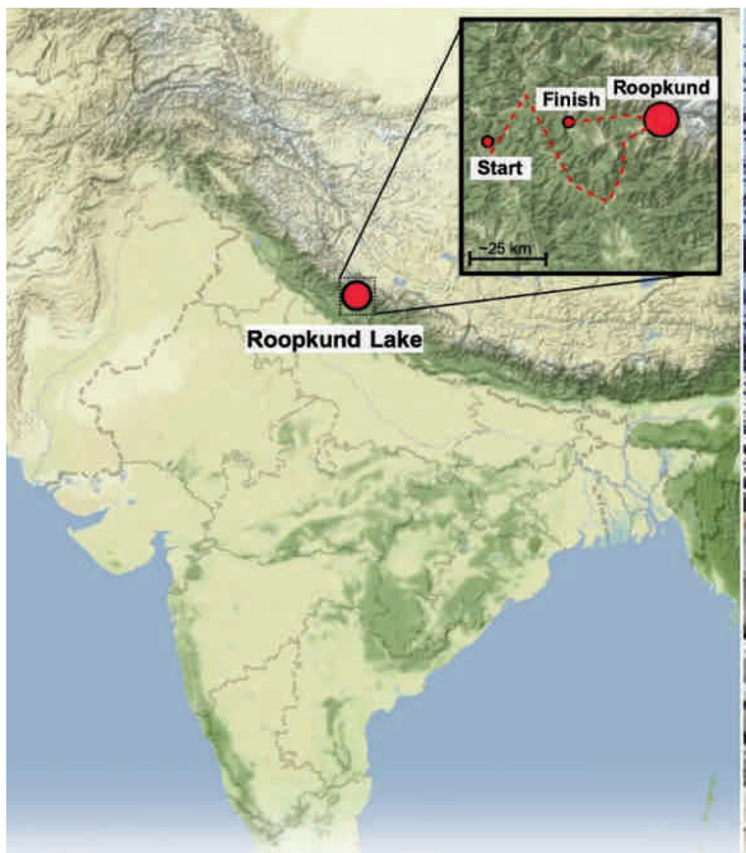

भारत की कंकालों वाली झील का रहस्य

भारत के हिस्से में आने वाले हिमालयी क्षेत्र में बर्फीली चोटियों के बीच स्थित रूपकुंड झील में एक अरसे से इंसानी हड्डियां बिखरी हैं. रूपकुंड झील समुद्रतल से क़रीब 16,500 फीट यानी 5,029 मीटर की ऊंचाई पर मौजूद है. ये झील हिमालय की तीन चोटियों, जिन्हें त्रिशूल जैसी दिखने के कारण त्रिशूल के नाम से जाना जाता है, के बीच स्थित है.त्रिशूल को भारत की सबसे ऊंची पर्वत चोटियों में गिना जाता है जो कि उत्तराखंड के कुमाऊं क्षेत्र में स्थित हैं.

आधी सदी से अनसुलझी है पहेली रूपकुंड झील को कंकालों की झील कहा जाता है. यहां इंसानी हड्डियां जहां-तहां बर्फ़ में दबी हुई हैं. साल 1942 में एक ब्रिटिश फॉरेस्ट रेंजर ने गश्त के दौरान इस झील की खोज की थी. तकरीबन आधी सदी से मानवविज्ञानी और वैज्ञानिक इन कंकालों का अध्ययन कर रहे हैं. वहीं, बड़ी संख्या में पर्यटक यहां आते हैं और ये झील उनकी जिज्ञासा का कारण बनी हुई है. साल के ज़्यादातर वक़्त तक इस झील का पानी जमा रहता है, लेकिन मौसम के हिसाब से यह झील आकार में घटती - बढ़ती रहती है. जब झील पर जमी बर्फ़ पिघल जाती है तब ये इंसानी कंकाल दिखाई देने लगते हैं. कई बार तो इन हड्डियों के साथ पूरे इंसानी अंग भी होते हैं जैसे कि शरीर को अच्छी तरह से संरक्षित किया गया हो. अब तक यहां 600 से 800 लोगों के कंकाल पाए गए हैं. पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए उत्तराखंड की सरकार इसे रहस्यमयी झील के तौर पर बताती है.

कंकालों वाली झील

गुज़री आधी सदी से ज्यादा वर्षों से वैज्ञानिकों ने इस झील में पड़े कंकालों का अध्ययन किया है और कई अनसुलझी पहेलियों को सुलझाने की कोशिश की है. उनके सामने कई सवाल थे. मसलन, ये कंकाल किन लोगों के हैं? इन लोगों की मौत कैसे हुई? ये लोग कहां से यहां आए थे? इन मानव कंकालों को लेकर एक पुरानी कहानी यह बताई जाती है कि ये कंकाल एक भारतीय राजा, उनकी पत्नी और उनके सेवकों के हैं. 870 साल पहले ये सभी लोग एक बर्फ़ीले तूफ़ान का शिकार हो गए थे और यहीं दफ़न हो गए थे.

कंकालों को लेकर कई थ्योरी

एक अन्य थ्योरी के मुताबिक़, इनमें से कुछ कंकाल भारतीय सैनिकों के हैं जो कि 1841 में तिब्बत पर कब्ज़ा करने की कोशिश कर रहे थे और जिन्हें हराकर भगा दिया गया था. इनमें से 70 से ज़्यादा सैनिकों को हिमालय की पहाड़ियों से होते हुए वापस लौटना पड़ा और रास्ते में उनकी मौत हो गई. एक अन्य कहानी के अनुसार माना जाता है कि यह एक कब्रगाह हो सकती है जहां किसी महामारी के शिकार लोगों को दफ़नाया गया होगा. इस इलाक़े के गांवों में एक प्रचलित लोकगीत गाया जाता है. इसमें बताया जाता है कि कैसे यहां पूजी जाने वाली नंदा देवी ने एक 'लोहे जैसा सख़्त तूफ़ान' खड़ा किया जिसके कारण झील पार करने वालों की मौत हो गई और वे यहीं झील में समा गए.

महिलाओं के कंकाल भी मौजूद

कंकालों को लेकर किए गए शुरुआती अध्ययनों से पता चला है कि यहां मरने वाले अधिकतर लोगों की ऊंचाई सामान्य से अधिक थी. इनमें से ज़्यादातर मध्यम आयुवर्ग के थे जिनकी उम्र 35 से 40 साल के बीच रही होगी. इनमें उम्रदराज़ महिलाओं के भी कंकाल हैं लेकिन बच्चों का कोई भी कंकाल नहीं है. इन सभी का स्वास्थ्य अच्छा रहा होगा. साथ ही आमतौर पर ये माना जाता है कि ये कंकाल एक ही समूह के लोगों के हैं जो कि नौवीं सदी के दौरान किसी अचानक आई किसी आपदा के दौरान मारे गए थे. पांच साल तक चले एक हालिया अध्ययन में कहा गया है कि ये सभी कयास शायद सच नहीं हैं. इस अध्ययन में भारत समेत जर्मनी और अमेरिका के 16 संस्थानों के 28 सह-लेखक शामिल रहे हैं. वैज्ञानिकों ने जेनेटिक रूप से और कार्बन डेटिंग के आधार पर झील में मिले 38 इंसानी अवशेषों का अध्ययन किया. इनमें 15 महिलाओं के अवशेष शामिल हैं. इनमें से कुछ 1,200 साल पहले के हैं. अध्ययनकर्ताओं ने पाया है कि मरे हुए लोग जेनेटिक रूप से अलग-अलग हैं और उनकी मौतों के बीच में 1,000 साल तक का अंतर है. अध्ययन की मुख्य लेखिका ईडेओइन हार्ने हार्वर्ड यूनिवर्सिटी में पीएचडी की छात्र हैं. वे कहती हैं, इससे वे थ्योरी ख़ारिज हो गईं जिनमें कहा गया था कि किसी एक तूफ़ान या आपदा में ये सभी मौतें हुई हैं. वे कहती हैं, अभी भी यह साफ नहीं है कि रूपकुंड झील में आख़िर क्या हुआ था. लेकिन, हम यह बात ज़रूर कह सकते हैं कि ये सभी मौतें किसी एक घटना में नहीं हुई हैं. इससे भी ज़्यादा दिलचस्प यह है कि जेनेटिक स्टडी से पता चला है कि ये लोग अलग-अलग मूल के थे. मसलन, इसमें एक समूह के लोगों के जेनेटिक्स मौजूदा वक्त में दक्षिण एशिया में रहने वाले लोगों जैसे ही हैं, जबकि दूसरे समूह के लोगों के जेनेटिक्स मौजूदा वक्त के यूरोप के लोगों से मिलते-जुलते हैं. ख़ासतौर पर ये यूनान के द्वीप क्रीट में रहने वाले लोगों जैसे हैं. हार्न कहती हैं, जेनेटिक्स के आधार पर इनमें से कुछ इस उपमहाद्वीप के उत्तरी हिस्से के लोगों से मिलते-जुलते हैं, जबकि, अन्य दक्षिण हिस्से में बसे समूहों से मिलते-जुलते हैं. तो, ऐसे में क्या अलग-अलग समूहों के लोग कुछ सौ वर्षों के अंतराल पर छोटे जत्थों में इस झील के दौरे पर गए थे? क्या इनमें से कुछ किसी एक घटना में मारे गए? यह झील किसी ट्रेड रूट पर नहीं पड़ती है, यानी व्यापार के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले रास्तों का हिस्सा नहीं थी. इस जगह पर न तो कई हथियार मिले और न ही व्यापार का कोई सामान ही मिला है. जेनेटिक अध्ययनों से इनमें से किसी में प्राचीन बैक्टीरियल जीवाणु का भी पता नहीं चला, जिससे यह माना जा सके कि किसी ख़ास बीमारी की वजह से ये लोग मारे गए थे.

नर कंकालों से भरा है पानी, होती हैं कई रहस्यमयी घटनाएं

सोचिए आप पहाड़ों के बीच किसी सुंदर झील घूमने के लिए गए हैं और अचानक आपको वहां पर कई सारे नर कंकाल दिख जाएं तो क्या करेंगे आप? हिमालय की रूपकुंड झील की कहानी कुछ ऐसी ही है। साल 1942 में यहां पर ब्रिटिश के फॉरेस्ट गार्ड को सैकड़ों नर कंकाल मिले थे। इस दौरान झील पूरी तरह मानवों के कंकाल और हड्डियों से भरी थी। इतने सारे कंकालों और हड्डियों को देख ऐसा आभास होता था कि शायद पहले यहां पर जरूर कुछ न कुछ बहुत बुरा हुआ था।

शुरुआत में इसे देख कई लोगों ने यह कयास लगाया कि हो न हो यह सभी नर कंकाल जापानी सैनिकों के होंगे, जो द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान भारत में ब्रिटेन पर आक्रमण करने के लिए हिमालय के रास्ते घुसते वक्त मर गए होंगे। उस वक्त जापानी आक्रमण के भय से ब्रिटिश सरकार ने फौरन इन नर कंकालों की जांच के लिए एक वैज्ञानिकों की टीम को बुलाया। जांच के बाद पता चला कि ये कंकाल जापानी सैनिकों के नहीं थे, बल्कि ये नर कंकाल तो और भी ज्यादा पुराने हैं। इसके बाद समय समय पर इन कंकालों का परीक्षण होता रहा। इन परीक्षणों के आधार पर वैज्ञानिकों के मत अलग-अलग सामने निकलकर आए। कई वैज्ञानिकों का कहना है कि वर्षों पहले यहां पर कई लोगों की मृत्यु हिमस्खलन के चलते हुई तो दूसरे वैज्ञानिकों का कहना है कि इन लोगों की मौत किसी महामारी के कारण हुई। रूपकुंड झील में नर कंकाल क्यों हैं? और कैसे हैं? इस पर वैज्ञानिकों का मत एकसमान नहीं है।

हालांकि 2004 में हुए एक अध्ययन ने रूपकुंड झील से जुड़े कई चौंकाने वाले खुलासे किए। इस अध्ययन के जरिए यह पता चला कि ये कंकाल 12वीं से 15वीं सदी के बीच के थे। डीएनए जांच के बाद कई नई चीजें सामने निकलकर आईं। यह भी पता चला कि इन कंकालों का संबंध अलग-अलग भौगोलिक जगहों से था। अंत में वैज्ञानिकों ने बताया कि काफी समय पहले इन लोगों की मृत्यु किसी भारी गेंद जैसे आकार की चीजों का सिर पे गिरने से हुई थी।

आपको जानकर आश्चर्य होगा कि हिमालय पर्वत पर रहने वाली महिलाओं के एक प्रसिद्ध लोकगीत में एक माता का वर्णन आता है। लोकगीत के मुताबिक ये देवी माता बाहर से आए लोगों पर गुस्सा करती थीं, जो यहां आकर पहाड़ की सुंदरता में खलल डालते थे। इसी गुस्से में उन्होंने भारी भरकम ओलों की बारिश करवाई, जिसके कारण कई लोगों की जानें गईं थी। गौरतलब बात है कि 2004 में हुए रिसर्च में यही बात सामने निकल कर आई थी कि अचानक हुई भयंकर ओलावृष्टि से इन लोगों की जानें गई होंगी।

वहीं आज भी इस रूपकुंड झील के कई रहस्य झील के भीतर ही दफन हैं।

झील में प्रवेश करने पर सख्त प्रतिबंध है। लोगों का कहना है कि यहां पर अक्सर कई सारी रहस्यमय घटनाएं होती हैं।

क्या तीर्थयात्रा पर आए थे लोग?

झील के रास्ते में पड़ने वाले एक तीर्थस्थल से शायद इस बात का स्पष्टीकरण मिलता है कि लोग आख़िर इस इलाक़े की यात्रा पर क्यों आए होंगे. अध्ययनों की मानें तो 19वीं सदी के आख़िर तक इस इलाक़े में तीर्थयात्रा के कोई पुख़्ता प्रमाण नहीं मिलते हैं. लेकिन, 8वीं और 10वीं सदी के स्थानीय मंदिरों में मिले शिलालेख इशारा करते हैं कि यहां उस दौर में लोग तीर्थयात्रा पर जाया करते थे. ऐसे में वैज्ञानिकों का मानना है कि इस जगह पर कुछ कंकाल उन लोगों के हो सकते हैं जिनकी मौत किसी तीर्थयात्रा के दौरान हुई होगी. लेकिन, पूर्वी भूमध्यसागरीय इलाक़े के लोग भारत के हिमालय की इन ऊंची पहाड़ियों पर मौजूद झील पर क्या करने गए थे? इस बात की उम्मीद कम जान पड़ती है कि यूरोप के लोग इतना लंबा सफर तय करके एक हिंदू तीर्थ यात्रा में हिस्सा लेने के लिए रूपकुंड पहुंचे होंगे. तो क्या ये हो सकता है कि पूर्वी भूमध्यसागरीय पूर्वजों की जेनेटिक रूप से अलग आबादी पीढ़ियों से इस इलाके में रह रही हो? हार्ने कहती हैं, हम अभी भी इन सब सवालों का जवाब ढूंढने की कोशिश कर रहे हैं.

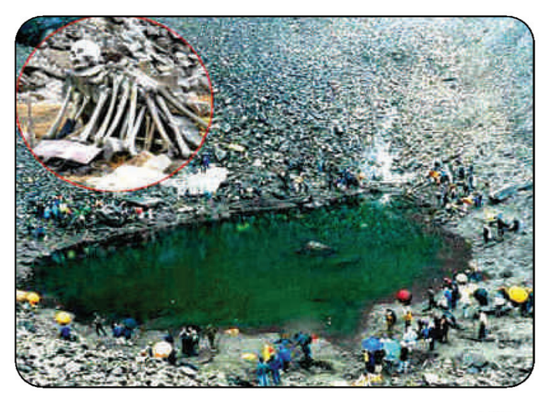

इस रहस्यमयी मंदिर में जाने के नाम से ही थरथर कांपने लगते हैं लोग

पूजा-पाठ और भूत प्रेत से छुटकारा पाने के लिए लोग मंदिर जाते हैं लेकिन हमारे देश में एक ऐसा मंदिर है जिसमें जाने से लोग कतराते हैं. कहा जाता है कि मंदिर के अंदर जाने पर भूतों और पिशाचों को डरने लगता है. लेकिन यह मंदिर ऐसा है जहां जाने से उल्टा लोग ही डर जाते हैं. दरअसल, हिमाचल प्रदेश के चंबा में एक छोटे से कस्बे भरमोर में एक मंदिर है. ये मंदिर देखने में तो काफी छोटा है, लेकिन इसकी ख्याति दूर-दूर तक फैली हुई है. इस मंदिर के बारे में कहा जाता है कि लोग इस मंदिर के अंदर जाने की गलती कभी नहीं करते हैं. और भक्त मंदिर के बाहर से ही प्रार्थना कर चले जाते हैं. दरअसल, यह मंदिर मृत्यु के देवता यमराज का है. यही वजह है कि लोग इस मंदिर के पास जाने से भी डरते हैं. यह दुनिया का एकमात्र ऐसा मंदिर है जो यमराज को समर्पित है. लोगों का कहना है कि इस मंदिर को यमराज के लिए ही बनाया गया था. इसलिए इसके अंदर उनके अलावा और कोई भी प्रवेश नहीं कर सकता है. गांव के लोगों का कहना है कि इस मंदिर में चित्रगुप्त के लिए भी एक कमरा बनाया गया है, जिसमें वो इंसानों के अच्छे-बुरे कामों का लेखा-जोखा एक किताब में रखते हैं. ऐसा माना जाता है कि, मनुष्यों की मृत्यु के बाद, पृथ्वी पर उनके द्वारा किए गये कार्यों के आधार पर उनके लिए स्वर्ग या नर्क का निर्णय लेने का अधिकार चित्रगुप्त के ही पास है. यानि भगवान चित्रगुप्त ही मृत्यु के बाद इंसान के स्वर्ग या नरक में जाने का निर्णय लेते हैं. कहा जाता है कि इस मंदिर के अंदर चार छिपे हुए दरवाजे हैं जो कि सोने, चांदी, तांबे और लोहे के बने हुए हैं. माना जाता है कि जो लोग ज्यादा पाप करते हैं, उनकी आत्मा लोहे के गेट से अंदर जाती है और जिसने पुण्य किया हो, उसकी आत्मा सोने के गेट के अंदर जाती है.

एशिया कप में आज होगा भारत और पाकिस्तान का हाई वोल्टेज मुकाबला

दुबई (एजेंसी)। एशिया कप टी20 क्रिकेट टूर्नोमेंट में रविवार को भारत और पाकिस्तान की क्रिकेट टीमों के बीच हाई वोल्टेज मुकाबला होगा। इस मैच में दोनो ही टीमें जीत हासिल करने पूरी ताकत लगा देगी। भारतीय टीम हालांकि इस मैच में जीत की प्रबल दावेवारी है क्योंकि उसकी बल्लेबाज और गेंदबाजी पाकिस्तान से बेहतर है। अभी तक दोनो ही टीमों ने अपनी शुरुआती मैच जीत लिए है। भारतीय टीम ने पहले मैच में यूएई के खिलाफ एकतरफा जीत दर्ज की जबकि पाक का ओमान से जीत में जमकर पसीना बहाना पड़ा। अंक तालिका में अभी भारतीय टीम पहले जबकि पाक दूसरे नंबर पर है। दोनों टीमों के लिए यह मुकाबला बेहद अहम है। इस मुकाबले को जीतने वाली टीम के सुपर 4 में पहुंचने की संभावनाएं बढ़ जाएंगी। आंकड़ों पर नजर डालें तो खिताब की प्रबल दावेदार भारतीय टीम ने आठ बार खिताब जीता है, वहीं पाकिस्तान ने केवल दो बार ही जीत हासिल की है।

भारत और पाक टीमों ने दुबई मैदान में पहले भी खेला है। इस मैदान पर स्पिनरों को अधिक सहायता मिलती है। दोनो ही टीमों के पास अच्छे स्पिनर है जिसका लाभ वे उठाना चाहेंगी। इस मैच में दोनो ही टीमों की जीत उनकी अंतिम ग्यारह पर भी निर्भर करेगी।

पाक के खिलाफ भारतीय टीम की पारी की शुरुआत शुभमन गिल और अभिषेक शर्मा ही करेंगे। बाएं हाथ के तेज गेंदबाज खासकर अर्शदीप सिंह को इस मैच में जगह मिलती है या नहीं ये देखना होगा। वहीं मध्य क्रम की .कमान सूर्यकुमार यादव, तिलक वर्मा, संजू सैमसन और शिवम दुबे पर रहेगी। .ऑलराउंडर के तौर पर हार्दिक पांड्या, अक्षर पटेल और शिवम दुबे को अवसर मिलेगा सैमसन विकेटकीपर बल्लेबाज के तौर पर फिनिशर की भूमिका निभाएंगे। वहीं गेंदबाजी की जिम्मेदारी जसप्रीत बुमराह, पंड्या, दुबे, वरुण चक्रवर्ती, कुलदीप यादव और अक्षर पटेल के पास रहेगी।

पाकिस्तान की टीम में सैम अयूब, शाहिबजादा फरहान, मोहम्मद हारिस, फखर जमां और सलमान आगा पर बल्लेबाजी की जिम्मेदारी रही। वहीं गेंदबाजी की कमान स्पिनर मोहम्मद नवाज, फहीम अशरफ, तेज गेंदबाज शाहीन अफरीदी, सुफियान मुकीम और अबरार अहमद पर रहेगी। .

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं

भारत = सूर्यकुमार यादव (कप्तान), शुभमन गिल, अभिषेक शर्मा, तिलक वर्मा, संजू सैमसन (विकेटकीपर), हार्दिक पंड्या, शिवम दुबे, अक्षर पटेल, वरुण चक्रवर्ती, कुलदीप यादव और जसप्रीत बुमराह।

पाकिस्तान = सलमान आगा (कप्तान), सैम अयूब, साहिबजादा फरहान, मोहम्मद हारिस (विकेटकीपर), फखर जमान, हसन नवाज, मोहम्मद नवाज, फहीम अशरफ, शाहीन अफरीदी, सुफियान मुकीम, अबरार अहमद।

भारत-पाक मैचों का क्रेज कम हुआ, अब तक आधे टिकट भी नहीं बिके

मुम्बई (एजेंसी)। दिग्गज स्पिनर हरभजन सिंह को अब भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) में भी अहम जिम्मेदारी मिल सकती है। पंजाब क्रिकेट एसोसिएशन (पीसीए) ने उन्हें 28 सितंबर को होने वाली बीसीसीआई की सालाना आम बैठक के लिए अपना प्रतिनिधि बनाया है। गौरतलब है कि एजीएम में बीसीसीआई पांच प्रमुख पदाधिकारियों का चुनाव करेगा। वहीं बंगाल क्रिकेट संघ (कैब) ने सौरव गांगुली को अपना नियुक्त किया है। ऐसे में गांगुली को भी बोर्ड के अगले अध्यक्ष पद का दावेदार माना जा रहा है। वह पहले भी बीसीसीआई अध्यक्ष रहे हैं।

बीसीसीआई एजीएम के मुख्य एजेंडे में बीसीसीआई बोर्ड अध्यक्ष सहित शीर्ष पदाधिकारियों के चुनाव और नियुक्ति भी शामिल है। जिनमें अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, सचिव, संयुक्त सचिव और कोषाध्यक्ष शामिल है। बैठक में शीर्ष परिषद के लिए एक आम सभा प्रतिनिधि और आईपीएल गवर्निंग काउंसिल के लिए दो सदस्यों के नाम पर भी फैसला होगा। हरभजन भारत की 2007 टी-20 विश्व कप और 2011 विश्व कप विजेता टीम के सदस्य थे। वह पहले पंजाब क्रिकेट एसोसिएशन (पीसीए) के सलाहकार रहे हैं। इस बार वह अपने राज्य संघ के प्रतिनिधि के रूप में पहली बार उपस्थित रहेंगे।

वहीं इससे पहले महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर का नाम भी बीसीसीआई अध्यक्ष के लिए सामने आया था पर सचिन ने इससे इंकार कर दिया था। वहीं हभजन ने अभी तक कोई बयान नहीं दिया है।

बीसीसीआई की पिछली वार्षिक आम बैठकों एजीएम को देखें, तो बड़ी प्रतिस्पर्धा की संभावना कम ही है। देवजीत सैकिया सचिव, प्रभतेज सिंह भाटिया कोषाध्यक्ष और रोहन देसाई संयुक्त सचिव जैसे मौजूदा पदाधिकारियों के अपने पदों पर बने रहने की उम्मीद है।

हांगकांग ओपन: सात्विक-चिराग सत्र के पहले फाइनल में पहुंचे

हांगकांग (एजेंसी)। भारत के सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की स्टार पुरुष युगल जोड़ी ने शनिवार को सीधे गेम में जीत के साथ हांगकांग ओपन सुपर 500 के फाइनल में प्रवेश किया। इस तरह उनके पास इस साल खिताब जीतने का लंबा इंतजार खत्म करने का मौका है। दुनिया की नौवें नंबर की इस जोड़ी ने चीनी ताइपे के बिंग-वेई लिन और चेन चेंग कुआन को 21-17, 21-15 से हराकर इस सत्र में छह सेमीफाइनल मुकाबलों में मिली हार के बाद अपने पहले फाइनल में जगह बनाई।

आठवीं वरीयता प्राप्त भारतीय जोड़ी का सामना चीन के लियांग वेई केंग और वांग चांग तथा चीनी ताइपे के फैंग-चिह ली और फैंग-जेन ली के बीच होने वाले दूसरे सेमीफाइनल के विजेता से होगा। शुरुआती गेम में दोनों जोड़ियां 3-3 और 6-6 से बराबरी पर थीं। लेकिन सात्विक के स्मैश और चिराग के तेज 'इंटरसेप्शन' की बदौलत भारतीय जोड़ी 11-8 से आगे हो गई। हालांकि ताइवानी जोड़ी ने वापसी करते हुए स्कोर 12-12 कर लिया लेकिन भारतीय जोड़ी ने 15-12 से बढ़त बना ली।

चिराग के तेज रिटर्न के साथ दूसरे गेम प्वाइंट पर गेम अपने नाम कर लिया। अगले गेम में चेन और लिन मजबूत शुरुआत कर 4-2 से आगे थे, लेकिन भारत ने 6-6 से बराबरी हासिल कर ली। चिराग की कुछ गलतियों के कारण ताइवानी जोड़ी 10-8 से आगे हो ली। लेकिन सात्विक ने एक और तेज स्मैश लगाकर स्कोर 12-12 से बराबर कर दिया। फिर भारतीय जोड़ी ने अपनी पकड़ मजबूत करते हुए स्कोर 17-15 कर दिया। जल्द स्कोर 19-15 हो गया। लेकिन चेन की एक नेट गलती ने सात्विक और चिराग को पांच मैच प्वाइंट दिला दिए।

एशिया कप में पाकिस्तान पर हमेशा भारी पड़ी है भारतीय टीम

दुबई (एजेंसी)। भारत और पाकिस्तान की क्रिकेट टीम एक बार फिर रविवार को एशिया कप में टकरायेंगी। इस मैच को लेकर भारी रोमांच रहता है। दोनो ही टीमें इस मैच को जीतने के लिए पूरी ताकत लगा देंगी। इस मैच के लिए सभी तैयारियों हो गयी हैं और दोनो ही टीमें आपस में टकराने के लिए तैयार हैं। भारतीय टीम ने अपने अपने पहले ही मैच में मेजबान यूएई को एकतरफा मुकाबले में हराकर अपने इरादे जता दिये हैं। वहीं पाकिस्तान ने पहले मुकाबले में कड़े संघर्ष के बाद ओमान को हराया है। दोनों टीमें एक ही ग्रुप में है। भारतीय टीम अंक तालिक में पहले जबकि पाक दूसरे नंबर पर है।

आंकड़ों पर नजर डालें तो एशिया कप में अब तक दोनों ही टीमों के बीच 18 बार मुकाबले हुए हैं। इसमें भारतीय टीम को 10 बार जबकि पाकिस्तान को 6 बार जीत मिली है। भारतीय टीम रिकॉर्ड 8 बार एशिया कप ट्रॉफी जीती है। भारत और पाकिस्तान के बीच एशिया कप का फाइनल कभी नहीं हुआ है। एशिया कप की शुरुआत साल 1984 में हुई थी। भारत और पाकिस्तान की टीमें तब से अभी तक 18 बार आमने-सामने आई हैं। दोनों टीमों के बीच 1997 और 2023 में एक एक मुकाबला परिणाम रहित रहा। 15 बार एशिया कप एकदिवसीय प्रारुप में हुआ। फॉर्मेट में इसमें भारतीय टीम ने आठ जबकि पाकिस्तान ने 5 बार जीत हासिल की है। दो मुकाबलों का परिणाम नहीं मिला है। दोनों टीमों के बीच खेले गए एशिया कप मुकाबलों में विराट कोहली ने सबसे अधिक रन बनाए हैं। कोहली ने पाकिस्तान के खिलाफ 8 मैचों में 476 रन बनाए हैं।

बटलर ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दूसरे टी20 में 30 गेंदों पर ही 83 रन बनाये

–रोहित और जोनाथन का रिकार्ड तोड़ा

ओल्डट्रैफर्ड (एजेंसी)। इंग्लैंड के जोस बटलर ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ खेले गए दूसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में अपनी आक्रामक बल्लेबाजी से दो अहम रिकार्ड अपने नाम किये हैं। इस मैच में अपनी बल्लेबाजी से बटलर ने रोहित शर्मा और जोनाथन चार्ल्स के रिकॉर्ड को भी तोड़ दिया। बटलर ने केवल 30 गेंदों में 83 रन बनाये। वहीं 65 रन पावरप्ले में बने। बटलर ने फिल साल्ट के साथ 126 रनों की साझेदारी की। इंग्लैंड ने पावर प्ले में 100 रन बनाए। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ किसी भी टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में पावरप्ले में यह किसी बल्लेबाज का सबसे अधिक स्कोर है। वह दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच के पहले छह ओवरों में 65 या उससे अधिक रन बनाने वाले पहले खिलाड़ी बन गए हैं।

बटलर का टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में पॉवरप्ले में चौथा सबसे बड़ा स्कोर है। इससे पहले ऑस्ट्रेलिया के सलामी बल्लेबाज ट्रेविस हेड ने 73, पॉल स्टर्लिंग ने 67 और कॉलिन मुनरो ने 66 रन बनाये थे। वहीं चौथे स्थान रहे हैं हेड ने 2024 में स्कॉटलैंड के खिलाफ यह उपलब्धि हासिल की थी, जबकि स्टर्लिंग और मुनरो ने क्रमशः 2020 और 2018 में वेस्टइंडीज के खिलाफ यह उपलब्धि हासिल की थी।

बटलर ने 276.66 के स्ट्राइक रेट से रन बनाए

बटलर ने इस दौरान 276.66 के स्ट्राइक रेट से रन बनाए जो किसी भी पूर्ण सदस्य टीम के खिलाफ किसी भी सलामी बल्लेबाज द्वारा 80 से अधिक रनों की सबसे तेज पारी है। उन्होंने भारत के रोहित द्वारा 2017 में श्रीलंका के खिलाफ बनाया गया रिकॉर्ड तोड़ दिया, रोहित ने तब 35 गेंदों में शतक लगाया था। वह दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 260 से अधिक की स्कोरिंग रेट से 80 से अधिक रन बनाने वाले पहले खिलाड़ी भी हैं। उन्होंने 2023 में सेंचुरियन में वेस्टइंडीज के लिए जोनाथन चार्ल्स के रिकॉर्ड 46 में से 118 रन को तोड़ दिया।

श्रेयस के लिए जगह बनाने सैमसन को पांचवे नंबर पर आजमाया जा रहा : श्रीकांत

नई दिल्ली ।पूर्व क्रिकेटर कृष्णमाचारी श्रीकांत ने कहा है कि एशिया कप में जिस प्रकार संजू सैमसन को पांचवें नंबर पर रखा गया है उससे उन्हें नुकसान होगा। श्रीकांत के अनुसार इस नंबर पर सैमसन अधिक सफल नहीं रहे है और इससे उनका मनोबल कमजोर होगा। इस पूर्व बल्लेबाज का मानना है कि श्रेयस अय्यर के लिए जगह बनाने सैमसन को पांचवे नंबर पर आजमाया जा रहा है। यूएई के खिलाफ मैच में वह पांचवे नंबर पर उतरे थे। शुभमन गिल को टी20 में उपकप्तान बनाये जाने के बाद से ही ये तय हो गया था कि सैमसन के हाथ से पारी की शुरुआत का अवसर निकल गया है। श्रीकांत ने कहा, मुझे लगता है कि सैमसन को पांचवें नंबर पर बल्लेबाजी कराकर, वे श्रेयस अय्यर की टीम में वापसी का रास्ता बना रहे हैं। संजू ने पांचवें नंबर पर ज्यादा बल्लेबाजी नहीं की है और उन्हें उस नंबर पर बल्लेबाजी भी नहीं करनी चाहिए। इससे पांचवें नंबर पर बल्लेबाजी करने का उनका आत्मविश्वास डगमगा जाएगा। ये सैमसन के पास अंतिम अवसर है। मैं उन्हें यह भी बता दूंगा कि अगर वह इस नंबर पर अगली तीन पारियों में रन नहीं बना पाए, तो श्रेयस उनकी जगह ले लेंगे।

चहल की तरफ बनना चाहते हैं आर्यवीर कोहली

नई दिल्ली ।भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान विराट कोहली के भतीजे आर्यवीर कोहली ने इस बार दिल्ली प्रीमियर लीग में भी अच्छा प्रदर्शन किया था। आर्यवीर विराट की तरह बल्लेबाज नहीं बल्कि लेग स्पिनर हैं। वह युजवेंद्र चहल जैसा गेंदबाज बना चाहते हैं और दिवंगत ऑस्ट्रेलियाई स्पिनर शेन वार्न को अपना आदर्श मानते हैं। आर्यवीर ने चहल ओर वार्न दोनों के वीडियो देखकर स्पिन की बारीकियां सीखीं। दिल्ली कैपिटल्स द्वारा शेयर किए गए एक वीडियो में आर्यवीर ने यह खुलासा किया है। चहल अच्छे प्रदर्शन के बाद भी करीब दो साल से भारतीय क्रिकेट टीम से बाहर हैं। उन्होंने अपना आखिरी अंतरराष्ट्रीय मैच साल 2023 में खेला था। वो अगस्त 2023 में वेस्टइंडीज के खिलाफ टी20 मैच में मैदान में उतरे थे। इससे पहले जनवरी 2023 में उन्होंने न्यूजीलैंड के खिलाफ आखिरी एकदिवसीय मैच खेला था। चहल हालांकि आईपीएल में सक्रिय हैं। वो पंजाब किंग्स के लिए आईपीएल में खेलते हैं। वहीं विराट टेस्ट और टी20 से संन्यास के बाद अब केवल एकदिवसीय में ही खेलेंगे।

अनुराग ठाकुर ने तोड़ी चुप्पी, बताया क्यों जरूरी है भारत-पाकिस्तान के बीच मैच होना

नई दिल्ली (एजेंसी)। बीसीसीआई और भारत सरकार को वर्तमान में सूर्यकुमार यादव की अगुवाई वाली टीम को एशिया कप 2025 में पाकिस्तान के खिलाफ खेलने की अनुमति देने के अपने फैसले के लिए प्रशंसकों की काफी आलोचना का सामना करना पड़ रहा है। सभी आलोचनाओं के बीच पूर्व भारतीय खेल मंत्री और वर्तमान भाजपा सांसद अनुराग ठाकुर ने एक स्पष्टीकरण जारी किया कि जब एसीसी या आईसीसी द्वारा आयोजित टूर्नामेंट की बात आती है तो ऐसी प्रतियोगिताएं अपरिहार्य हैं।

एशियाई दिग्गज भारत और पाकिस्तान ने आखिरी बार 2012 13 में द्विपक्षीय श्रृंखला में एक-दूसरे का सामना किया था। तब से दोनों टीमें एशिया कप या वनडे और टी20 विश्व कप जैसी वैश्विक या महाद्वीपीय प्रतियोगिताओं में एक-दूसरे से भिड़ती रही हैं।

अनुराग ठाकुर ने कहा, 'जब एसीसी या आईसीसी द्वारा बहुराष्ट्रीय टूर्नामेंट आयोजित किए जाते हैं, तो देशों के लिए उनमें भाग लेना एक मजबूरी और आवश्यकता बन जाती है। अगर वे ऐसा नहीं करते हैं तो उन्हें टूर्नामेंट से बाहर कर दिया जाएगा, उन्हें मैच छोड़ना होगा और दूसरी टीम को अंक मिलेंगे। लेकिन भारत पाकिस्तान के साथ द्विपक्षीय टूर्नामेंट नहीं खेलता है। हमने वर्षों से यह निर्णय लिया है कि जब तक पाकिस्तान भारत पर आतंकवादी हमले बंद नहीं कर देता तब तक भारत पाकिस्तान के साथ द्विपक्षीय टूर्नामेंट नहीं खेलेगा।' गौर है कि एशिया कप 2025 में टीम इंडिया का दूसरा मुकाबला पाकिस्तान से होगा। भारतीय टीम ने टूर्नामेंट के अपने पहले मैच में दुबई के दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम में यूएई को एकतरफा मुकाबले में नौ विकेट से हरा दिया। भारत और पाकिस्तान के बीच एशिया कप 2025 का मुकाबला 14 सितंबर को होगा।

अब तुर्की के फुटबॉल क्लब से खेलेंगे मैनचेस्टर यूनाइटेड के आंद्रे ओनाना

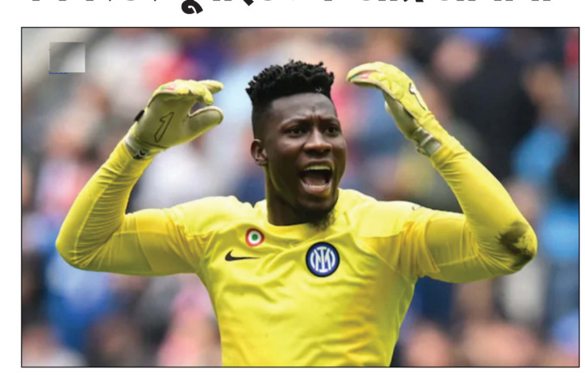

मैनचेस्टर ।मैनचेस्टर यूनाइटेड के गोलकीपर आंद्रे ओनाना अब आने वाले सत्र में तुर्की के फुटबॉल क्लब त्राब्जोंसपोर की ओर से खेलते हुए दिखेंगे। त्राब्जोंसपोर ने इस फुटबॉलर को लोन पर शामिल किया है हालांकि अभी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इस करार को मंजूरी मिलनी शेष है। यह करार तुर्की की ट्रांसफर विंडो बंद होने से पहले ही पूरा किया गया है। इसी को लेकर त्राब्जोंसपोर ने कहा, मैनचेस्टर यूनाइटेड के साथ करार हुआ है, जिसके तहत पेशेवर फुटबॉलर आंद्रे ओनाना का 2025-26 सत्र के लिए हमारे क्लब में ट्रांसफर किया गया है ।इस फुटबॉलर ने जुलाई 2023 में इटली के इंटर मिलान क्लब से जुड़ने के बाद रेड्स की ओर से 102 मैच खेले हैं। आंद्रे ने मैनचेस्टर में अपने पहले सीजन के दौरान केवल एक मैच ही नहीं खेला था। उन्होंने एफए कप में अपनी टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई थी। आंद्रे पिछले सत्र में भी पसंदीदा गोलकीपर बने थे। वह सेव ऑफ द मंथ अवॉर्ड को तीन बार जीतने वाले पहले गोलकीपर हैं। ओनाना ने अपने दूसरे सीजन में 50 मैच खेले, जिसके बाद त्राब्जोंसपोर के साथ जुड़ने के लिए राजी हो गए। उन्होंने इस सीजन में अब तक यूनाइटेड के लिए केवल एक मैच खेला है। हैमस्ट्रिंग की चोट के कारण ओनाना प्री-सीजन के दौरान टीम के साथ नहीं खेल पाए थे। उन्होंने सीजन के अपने पहले मैच में एक गलती की, जिसके चलते यूनाइटेड को काराबाओ कप में हार झेलनी पड़ गई।

रोहित और विराट की कमी नहीं खलेगी, भारत बी टीम भी पाकिस्तानी को हरा देगी: पूर्व क्रिकेटर भारत

दुबई (एजेंसी)। भारत और पाकिस्तान एशिया कप 2025 के अपने दूसरे ग्रुप चरण के मुकाबले में आमने सामने होंगे, जो 14 सितंबर को दुबई के दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम में होगा। एशियाई दिग्गजों के बीच होने वाले हाई वोल्टेज मुकाबले से पहले पूर्व भारतीय क्रिकेटर अतुल वासन का मानना है कि एशिया कप 2025 में इंडिया बी टीम भी सलमान आगा की कप्तानी वाली पाकिस्तान टीम को हरा देंगी।

वासन भारत की एशिया कप 1990-91 विजेता टीम का हिस्सा थे। उन्होंने आगे कहा कि उन्हें एशिया कप 2025 में बल्लेबाजी जोड़ी रोहित शर्मा और विराट कोहली की कमी महसूस नहीं होगी। रोहित और विराट भारत टी20 विश्व कप 2024 जीतने के बाद से टी20 से संन्यास ले चुके हैं।

अतुल वासन ने कहा, 'भारत की बी टीम भी इस पाकिस्तानी टीम को हरा देगी क्योंकि हालात बदल गए हैं। जब हम 90 के दशक में खेलते थे तब वे बहुत अच्छी टीम हुआ करते थे। अब स्थिति बदल गई है। मुझे रोहित शर्मा और विराट कोहली की कमी नहीं खलेगी क्योंकि फिर मुझे सुनील गावस्कर और कपिल देव की भी याद आने लगेगी। राजा मर गया, राजा अमर रहे। चीजें बदलती रहती हैं, नए सुपरस्टार आते हैं और यह धन-दौलत की शर्मिंदगी और मुझे चयनकर्ताओं पर तरस आता है क्योंकि सबको एक ही टीम में रखना पड़ता है क्योंकि किसे बाहर करना है और किसे चुनना है।'

भारत का पाकिस्तान के खिलाफ आखिरी मुकाबला आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में हुआ था, जहां विराट कोहली के नाबाद शतक की बदौलत रोहित शर्मा की अगुवाई वाली टीम ने पाकिस्तान को एकतरफा मुकाबले में छह विकेट से हराया था। गौर है कि सूर्यकुमार यादव की अगुवाई वाली भारतीय टीम टूर्नामेंट के अपने पहले मैच में यूएई के खिलाफ शानदार जीत के बाद पाकिस्तान के खिलाफ मुकाबले से पहले आत्मविश्वास से भरी होगी।

विश्व तीरंदाजी : रिकर्व स्पर्धा में गाथा की हार से भारत की उम्मीदें समाप्त हुईं

सियोल ।दक्षिण कोरिया की राजधानी सियोल में जारी विश्व तीरंदाजी चैंपियनशिप में भारतीय खिलाड़ी रिकर्व में फिर असफल रहे हैं। इस चैंपियनशिप में 15 साल की युवा तीरंदाज गाथा खड़के के हारते ही इस वर्ग में भारत की सभी संभावनाएं समाप्त हो गयीं। प्री-क्वार्टर फाइनल में हुए एकतरफा मुकाबले में गाथा को कोरिया की लिम सी-ह्योन से 6-0 से हार का सामना करना पड़ा। इसके साथ ही रिकर्व वर्ग में भारतीय टीम का अभियान समाप्त बिना किसी पदके के ही समाप्त हो गया। वहीं कंपाउंड तीरंदाजों ने एक ऐतिहासिक स्वर्ण सहित दो पदक जीते। यह लगातार तीसरा मौका है जब भारतीय रिकर्व तीरंदाज विश्व चैंपियनशिप से खाली हाथ लौटे हैं। भारत ने आखिरी बार 2019 में रिकर्व में पदक जीता था, जब तरूणदीप राय, अतनु दास और प्रवीण जाधव की पुरुष टीम ने रजत पदक हासिल किया था। इस बार टूर्नामेंट में अनुभवी तीरंदाजों ने भी निराश किया। अनुभवी खिलाड़ी दीपिका कुमारी पहले ही दौर में बाहर हो गईं इसी प्रकार शीर्ष क्रम के पुरुष रिकर्व तीरंदाज और धीरज बोम्मदेवरा भी असफल रहे।

अर्शदीप को टीम से बाहर रखने पर भारतीय कोच ने तोड़ी चुप्पी, कहा- यह कोई एजेंडा नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के बल्लेबाजी कोच सीतांशु कोटक ने दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम में यूएई के खिलाफ एशिया कप 2025 के मुकाबले के लिए सूर्यकुमार यादव की अगुवाई वाली टीम की प्लेइंग इलेवन में अर्शदीप सिंह को न चुनने के फैसले पर खुलकर बात की। ज्यादातर प्रशंसकों और विशेषज्ञों ने भविष्यवाणी की थी कि पंजाब के इस तेज गेंदबाज को टीम में टूर्नामेंट के पहले मैच में तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह के साथ खेलते हुए देखा जाएगा।

यूएई के खिलाफ भारत ने एकमात्र विशेषज्ञ तेज गेंदबाज के रूप में जसप्रीत बुमराह को चुना, जबकि शिवम दुबे और हार्दिक पांड्या को अंशकालिक विकल्प के रूप में तीन स्पिन विकल्पों के साथ उतारा गया। अर्शदीप को प्लेइंग इलेवन से बाहर करने के बारे में पूछे जाने पर कोटक ने कहा कि ऐसे फैसलों के पीछे कोई एजेंडा नहीं होता।

सीतांशु कोटक ने कहा, 'क्योंकि मुख्य कोच और कप्तान के साथ हमारी पहली बातचीत यही होती है कि जाहिर है ये 15 खिलाड़ी ऐसे ही हैं। हर कोई खेलने का हकदार है।'

उन्होंने आगे कहा, 'अगर कोई खिलाड़ी नहीं खेल रहा है तो उसके लिए मुश्किल होगी क्योंकि उसे लगेगा कि उसे टीम से बाहर कर दिया गया है। लेकिन आखिरकार यह एक टीम खेल है। इसलिए सभी जानते हैं कि इसमें कोई एजेंडा नहीं है कोई व्यक्तिगत पसंद-नापसंद नहीं है। टीम के लिए जो भी सबसे अच्छा होगा कप्तान और मुख्य कोच वही तय करेंगे और मुझे नहीं लगता कि किसी के मन में कोई संदेह है। इसलिए जो भी नहीं खेल रहा है वे हमेशा उन खिलाड़ियों की मदद करने की कोशिश कर रहे हैं जो खेल रहे हैं।'

गौर है कि अर्शदीप सिंह ने 63 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं, जहां उन्होंने 5/37 के सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के साथ 99 विकेट लिए हैं। पंजाब के अर्शदीप भारत की टी20 विश्व कप 2024 टीम का हिस्सा थे, जहां उन्होंने 17 साल बाद टीम को अपना दूसरा टी20 विश्व कप खिताब जिताने में अहम भूमिका निभाई। वह 8 मैचों में 17 विकेट लेकर दूसरे सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज रहे थे।

हिमाचल प्रदेश के गांव गुतराहन में बादल फटा... कई वाहन मलबे की चपेट में आकर दबे

शिमला (एजेंसी)। हिमाचल प्रदेश के बिलासपुर जिला के नैना देवी विधानसभा क्षेत्र की उप तहसील के तहत आने वाले गांव गुतराहन में शनिवार सुबह बादल फटने से भारी तबाही हुई। इस दौरान कई वाहन मलबे की चपेट में आकर दब गए और सड़कों को भी भारी नुकसान हुआ। लेकिन गनीमत ये रही कि इस प्राकृतिक आपदा में किसी तरह की जानहानि का नुकसान नहीं हुआ, अन्यथा बड़ा हादसा हो सकता था। प्रभावित ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि जल्द मौके पर पहुंचकर स्थिति का आकलन करे और पीड़ितों को उचित मुआवजा मिले। वहीं, दूसरी ओर मंडी जिले के धर्मपुर में सपड़ी रोह गांव में सुबह 4 बजे लैंडस्लाइड हुई, जिसकी वजह से कई घर मलबे से घिर गए हैं। बता दें कि हिमाचल के कई जिलों में अब मौसम फिर से बिगड़ने लगा है। इसके बाद अब कई स्थानों पर गरज के साथ बारिश होने की भी संभावना जाहिर की गई है। मौसम विज्ञान केंद्र शिमला के द्वारा 13 और 14 सितंबर को कई स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है।

पीएम मोदी के जन्मदिन पर यूपी में 15 लाख से अधिक पौधे रोपित किए जाएंगे

लखनऊ (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन 17 सितंबर को उत्तर प्रदेश की योगी सरकार एक और बड़े पैमाने पर वृक्षारोपण अभियान शुरू करेगी, इसके तहत 15 लाख से अधिक पौधे रोपित किए जाएंगे। जानकारी के मुताबिक, सेवा पर्व पहल के तहत, 17 से 2 अक्टूबर के बीच राज्य भर में 15 लाख से ज़्यादा पौधे लगाए जाएँगे। यह पहल 9 अगस्त को राज्य के रिकॉर्ड तोड़ वृक्षारोपण अभियान के बाद की जा रही है, जब सिर्फ 12 घंटों में 37.21 करोड़ पौधे लगाए गए थे। हालांकि, सेवा पर्व के दौरान वृक्षारोपण एक राष्ट्रव्यापी अभियान होगा, जो केंद्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय की पहल पर चलाया जाएगा, ताकि नागरिकों को पेड़ लगाने के लिए प्रेरित किया जा सके और एक व्यापक सहभागी आंदोलन बनाया जा सके। अभियान के शुभारंभ पर, राज्य में अब तक स्थापित 34 नगर वनों (शहरी वनों) में कम से कम 100 पौधे लगाए जाएँगे। पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) ए.के. सक्सेना ने अभियान के बारे में बताया कि, पारिस्थितिक लचीलेपन के लिए स्थानीय और देशी प्रजातियों के पेड़ लगाए जाने चाहिए। अभियान के कार्यान्वयन की निगरानी के लिए प्रत्येक जिले में एक डीएफओ को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है।

पीलीभीत मेडिकल कॉलेज में आवारा कुत्ता मृत नवजात के शव को उठाकर भागा

पीलीभीत (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के पीलीभीत मेडिकल कॉलेज में अस्पताल परिसर में एक आवारा कुत्ता मृत नवजात के शव को उठाकर भाग गया। खाग सराय गांव के अजय की पत्नी रेशमा (25) को प्रसव पीड़ा के चलते महिला अस्पताल में भर्ती किया गया था। शल्य चिकित्सा के बीच प्रसूता ने बच्चे को जन्म दिया। चिकित्सकों के अनुसार पैदा हुआ नवजात मृत अवस्था में होने के कारण अस्पताल प्रशासन ने परिजनों को उसका शव सौंप दिया। गुरुवार की रात नौ बजे करीब परिजन बच्चे का शव लेकर अस्पताल के बाहर स्थित पार्क की बेंच पर बैठे थे। इस बीच एक आवारा कुत्ता बेंच पर रखे नवजात के शव को मुंह में दबाकर भाग गया। परिजन और उपस्थित लोग कुत्ते का पीछा करने लगे। लगभग 100 मीटर दूर कुत्ता शव को झाड़ियों में छोड़कर भाग गया। महिला चिकित्सालय अधीक्षक ने घटना की पुष्टि कर बताया घटना के लिए चिकित्सालय कर्मी या अधिकारी दोषी नहीं है। उन्होंने कहा कि नवजात का शव प्रसूता की मां चमेली देवी को विधिवत सौंपा गया था। परिजन शिशु को बाहर पार्क में गए थे। यह घटना उनकी लापरवाही से हुई है। इसके लिए अस्पताल के स्टाफ को दोषी नहीं मान सकते है। मेडिकल कॉलेज की प्राचार्य संगीता अनेजा ने घटना पर कोई भी प्रतिक्रिया नहीं दी है।

लव जिहाद के आरोपियों के घर पर चला बुलडोजर, भारी संख्या में पुलिस बल रह तैनात

भोपाल (एजेंसी)। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में टीआईटी कॉलेज की छात्राओं से दुष्कर्म और धर्म परिवर्तन के दबाव का मामला एक बार फिर सुर्खियों में है। आरोपियों के अवैध निर्माण पर प्रशासन ने बुलडोजर की कार्रवाई शुरू कर दी है। जिला कोर्ट से स्टे न मिलने के बाद प्रशासन ने यह कार्रवाई की है। एसडीएम भी वहां पहुंची। प्रशासन का कहना है कि आरोपियों के घर सरकारी ज़मीन पर बने हैं इसलिए बुलडोजर चलाने के पहले मकानों को चारों ओर से पुलिस ने बैरिकेड लगा दिए हैं। मौके पर 500 से ज्यादा पुलिस जवान तैनात हैं। इस मामले में आरोपी बनाए गए युवक फरहान, साद और साहिल ने गिरोह बनाकर टीआईटी कॉलेज की छात्राओं से पहले दोस्ती की, फिर उनके साथ दुष्कर्म किया। छात्राओं के अश्लील वीडियो बनाकर ब्लैकमेल किया गया और धर्म परिवर्तन कर दबाव बनाया। इतना ही नहीं, इन लड़कियों से अन्य छात्राओं को भी गिरोह में फंसाने के लिए मजबूर किया जाता था। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक मामला राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग तक पहुंचा और आयोग की टीम को भोपाल आना पड़ा। अब जिला प्रशासन की यह कार्रवाई सरकार की जीरो टॉलरेंस पॉलिसी का हिस्सा मानी जा रही है। स्थानीय लोगों की भीड़ प्रशासनिक अमले के साथ घटनास्थल पर मौजूद है। मौके पर मीडिया और फोटोग्राफरों का जमावड़ा है। अधिकारियों का कहना है कि कानूनी औपचारिकताएं पूरी होने के बाद ही कार्रवाई की जाएगी।

अश्लील वीडियो बनाकर ब्लैकमेलिंग में भाजपा नेता संग तीन को भेजा जेल

आगरा (एजेंसी)। टीपी नगर (हरीपर्वत) स्थित जैन होटल में युवक का युवती के साथ अश्लील वीडियो बनाकर ब्लैकमेलिंग के मामले में न्यू आगरा पुलिस ने तीन और को जेल भेजा है। आरोपियों में भाजपा अल्प संख्यक मोर्चा का पूर्व पदाधिकारी भी शामिल है। युवक से 10 लाख रुपये की रंगदारी मांगी जा रही थी।

आरएसएस से रिश्ते को मजबूत करने में जुटे पीएम मोदी और अमित शाह

नई दिल्ली(एजेंसी)। भाजपा और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के बीच रिश्तों को लेकर कई आशंकाएं जताई गई हैं कि इन दोनों के बीच सबकुछ ठीक नहीं है। मतलब साफ है कि तल्खी भरे रिश्तों की चर्चा होती रही है। इसका सबसे बड़ा कारण है कि भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष का चुनाव बार-बार टालना। हालांकि अब परिस्थिति बदलती नजर आने लगी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 15 अगस्त को लाल किले से अपने संबोधन के दौरान आरएसएस की प्रशंसा की थी। 11 वर्षों में पहली बार लाल किले से संघ की जिक्र हुआ था। प्रधानमंत्री ने आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत के जन्मदिन पर देश के विभिन्न अखबारों में लेख में उनकी खुलकर प्रशंसा की। वहीं, हाल ही में गृहमंत्री अमित शाह ने भी कहा कि आरएसएस से जुड़ा होना कोई माइनस पॉइंट नहीं है। भाजपा के दोनों शीर्ष नेताओं के बयान इस बात संकेत देते हैं कि बीजेपी अपने वैचारिक मूल संगठन से सहज रिश्तों को लेकर तस्वीर साफ करना चाहती है और लोगों में एक सकारात्मक संदेश देने की कोशिश कर रही है।

15 अगस्त को मोदी ने लाल किले से कहा, 100 वर्षों की राष्ट्र सेवा आरएसएस का गौरवशाली अध्याय है। संघ विश्व का सबसे बड़ा एनजीओ है, जिसने सेवा, समर्पण और अनुशासन की मिसाल पेश की है। इससे पहले अमित शाह ने 30 जुलाई को संसद में कहा, हिंदू आतंकवादी नहीं हो सकता है। वहीं, 22 अगस्त को कोच्चि में मणोरमा कॉन्क्लेव में शाह ने कहा, मैं स्वयंसेवक हूं और जब तक भारत महान नहीं बनता हमें विश्राम का अधिकार नहीं है। इसके बाद 26 अगस्त को शाह ने स्पष्ट शब्दों में कहा, 'RSS से जुड़ा होना कोई माइनस पॉइंट नहीं है।

वहीं जानकारों का मानना है कि बीजेपी अब अपने वैचारिक परिवार के साथ दूरी की अटकलों को खत्म करना चाहती है। एक रिपोर्ट में वरिष्ठ बीजेपी नेता के हवाले से कहा, आरएसएस और भाजपा अलग नहीं हैं। दोनों का लक्ष्य एक ही है। हाल की टिप्पणियां यह संदेश कार्यकर्ताओं तक पहुंचाने के लिए हैं। एक संघ नेता ने भी कहा, परिवार में मतभेद होते हैं। सत्ता का स्वभाव कभी-कभी नेताओं को असंवेदनशील बना देता है। ऐसे समय हम उन्हें याद दिलाते हैं कि व्यक्ति सुई है और विचारधारा धागा।

इसकी शुरुआत 2024 में बीजेपी अध्यक्ष जेपी नड्डा के उस बयान से होती है जब उन्होंने एक इंटरव्यू के दौरान कहा था कि भाजपा को अब आरएसएस पर पर निर्भर रहने की जरूरत नहीं है। भाजपा अध्यक्ष के इस बयान ने आरएसएस के कान खड़े कर दिए। इसके बाद से दोनों संगठनों के बीच रिश्ते थोड़े से असहज हुए। चुनाव विश्लेषकों का मानना है कि लोकसभा चुनाव में भाजपा को अपने दम पर बहुमत नहीं मिलने के पीछे आरएसएस की अनिच्छा भी एक कारण है। मोहन भागवत ने एक कार्यक्रम के दौरान कहा था कि सच्चा सेवक अहंकार रहित होता है। उनका यह बयान भाजपा के लिए एक संदेश की तरह था। हालांकि बाद में रिश्ते को पटरी पर लाने की कोशिश की गई है। इसके बाद महाराष्ट्र और हरियाणा के विधानसभा चुनाव हुए। बीजेपी ने शानदार जीत दर्ज की। सियासी पंडितों ने इसे आरएसएस की प्रबंधन नीति का नतीजा बताया। संघ प्रचार प्रमुख सुनील अंबेकर ने किसी भी तनाव से इनकार करते हुए कहा कि यह परिवार का मामला है।

नई पीढ़ी को फिल्म द बंगाल फाइल्स देखनी चाहिए : केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह

बेगूसराय (एजेंसी)। (ईएमएस)। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने बेगूसराय में द बंगाल फाइल्स फिल्म देखने के बाद कहा कि यह फिल्म आजादी के बाद की पीढ़ी के लिए एक जरूरी दस्तावेज है। उन्होंने कहा कि इस फिल्म में भारत के बंटवारे का सच दर्शाया गया है, जिसे नई पीढ़ी को जरूर देखना चाहिए। गिरिराज सिंह ने जोर देकर कहा कि यह फिल्म न सिर्फ ऐतिहासिक तथ्यों को उजागर करती है, बल्कि वर्तमान बंगाल के हालात को समझने के लिए भी महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा, जो आजादी के बाद की पीढ़ी है, जिसने बंटवारे को नहीं देखा, उनके लिए द बंगाल फाइल्स बंटवारे का सच दिखाती है। यह फिल्म हर किसी को, खासकर युवा वर्ग को देखनी चाहिए। इसमें गांधी जी की भूमिका को भी अपने-अपने नजरिए से देखा जा सकता है। पत्रकारों से चर्चा करते हुए केंद्रीय मंत्री ने कहा कि फिल्म देखने के बाद ऐसा लगता है कि बंगाल में मौजूदा हालात को देखते हुए लोगों की जरूरत फिर से महसूस हो रही है, जो समाज को बचाने के लिए खड़े हुए थे। उन्होंने जोर देकर कहा कि इस फिल्म से कोई भी मुंह नहीं छिपा सकता, क्योंकि यह आधी आजादी के सच को सामने लाती है। विपक्ष द्वारा द बंगाल फाइल्स पर सवाल उठाए जाने के बारे में पूछे गए सवाल पर गिरिराज सिंह ने कड़ा रुख अपनाया। उन्होंने कहा, क्या इतिहास के पन्नों को झूठलाया जा सकता है? क्या सोहराबुद्दीन और पुलिस की घटनाएं इतिहास में दर्ज नहीं हैं? इस फिल्म में एक संदेश भी है कि अगर तुम बांटोगे, तो काटे जाओगे। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह फिल्म ऐतिहासिक तथ्यों पर आधारित है और इसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। वहीं, मौलवियों द्वारा राजनीतिक फतवे जारी करने के सवाल पर गिरिराज सिंह ने तीखी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा, अगर मस्जिदों से मौलवी राजनीतिक फतवे जारी करेंगे तो हम मंदिरों से अपनी हुंकार भरेंगे। हुंकार का मतलब हुंकार होता है।

मोदी का मणिपुर दौरा जमीनी हकीकत से ज्यादा प्रधानमंत्री की 'छवि' पर केंद्रित: गौरव गोगोई

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा में कांग्रेस के उपनेता गौरव गोगोई ने जातीय हिंसा से प्रभावित मणिपुर का दौरा करने में ÷दो साल की देरी÷ के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर शनिवार को निशाना साधा। उन्होंने दावा किया कि प्रधानमंत्री की यह यात्रा राज्य की जमीनी हकीकत के बजाय उनकी छवि पर अधिक केंद्रित है।

गोगोई ने कहा कि मई 2023 में जब मणिपुर में जातीय हिंसा भड़की थी, तब मोदी का दौरा राज्य में शांति बहाली की दिशा में पहला कदम होना चाहिए था। मणिपुर में मेइती और कुकी-जो समुदायों के बीच जातीय हिंसा में अब तक कम से कम 260 लोगों की मौत हो चुकी है और हजारों लोग बेघर हो गए हैं। विपक्षी दल राज्य का दौरा न करने के लिए प्रधानमंत्री की लगातार आलोचना कर रहे थे।

गोगोई ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, 'प्रधानमंत्री मोदी का दो साल पहले मणिपुर का दौरा करना राज्य में शांति बहाली और स्थिति सुधारने के सफर में पहला कदम होना चाहिए था।'

उन्होंने लिखा, 'अब दो साल की देरी के बाद, उनकी यात्रा मुख्य रूप से पूर्वोत्तर की भावनाओं का सम्मान करने के लिए होनी चाहिए। लेकिन, रुख बिल्कुल असंवेदनशील है और यात्रा जमीनी हकीकत के बजाय प्रधानमंत्री की छवि पर केंद्रित है।'

मोदी ने कुकी-जो बहुल चूड़ाचांदपुर और मेइती समुदाय का गढ़ कहलाने वाले इंफाल की अपनी यात्रा के दौरान दोनों जगहों पर आंतरिक रूप से विस्थापित लोगों से मुलाकात की। उन्होंने दोनों शहरों में जनसभाओं को भी संबोधित किया और राज्य के लिए 8,500 करोड़ रुपये की परियोजनाओं की घोषणा की।

राजनीतिक ज़मीन खोने के बाद से कुछ भी बोलने लगी हैं महबूबा मुफ्ती, ताजा बयानबाज़ी से बढ़ सकता है विवाद

श्रीनगर(एजेंसी)। महबूबा मुफ्ती एक बार फिर कश्मीर के सवाल पर ऐसी बयानबाज़ी कर रही हैं, जिससे शांति और स्थिरता की कोशिशों को ठेस पहुँच सकती है। उन्होंने डोडा के विधायक मेहराज मलिक की PSA (जन सुरक्षा अधिनियम) के तहत हुई गिरफ्तारी को 'लोकतांत्रिक संस्थाओं पर हमला' बताते हुए सरकार पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उनका यह कहना कि 'लोकतंत्र में ऐसे मामलों का समाधान केवल सदन में बहस और प्रस्ताव से होना चाहिए' न केवल आधा सच है बल्कि वास्तविकताओं से भी परे है।

हम आपको बता दें कि जन सुरक्षा अधिनियम (PSA) का उपयोग केवल तभी किया जाता है जब व्यक्ति की गतिविधियाँ कानून-व्यवस्था या शांति-व्यवस्था के लिए ख़तरा मानी जाती हैं। यदि एक निर्वाचित प्रतिनिधि भी ऐसी गतिविधियों में लिप्त पाया जाता है, तो उस पर कार्रवाई करना पूरी तरह वैधानिक और आवश्यक है। लोकतंत्र का अर्थ अराजकता की छूट नहीं होता, बल्कि कानून के दायरे में रहकर जनता की सेवा करना होता है।

महबूबा मुफ्ती यह भलीभाँति जानती हैं कि कश्मीर में हिंसक राजनीति और अलगाववादी गतिविधियों को हवा देने वाले तत्वों पर समय-समय पर कड़ा रुख अपनाना पड़ा है। जब वह खुद सत्ता में थीं, तब भी PSA के तहत गिरफ्तारियाँ हुई थीं। आज उसी प्रक्रिया को 'लोकतंत्र पर हमला' बताना उनकी राजनीतिक अवसरवादिता को उजागर करता है।

उनका यह कहना कि 'कश्मीरी क़ैदियों को जेलों में कष्ट झेलना पड़ रहा है' एक भावनात्मक अपील तो है, लेकिन इसमें यह स्वीकारोक्ति नहीं है कि इन क़ैदियों का बड़ा हिस्सा आतंकी नेटवर्क से जुड़ा रहा है या हिंसक गतिविधियों में शामिल रहा है। इन्हें 'निर्दोष पीड़ित' बताना न केवल ग़लतबयानी है बल्कि जनता को गुमराह करने की कोशिश भी है।

देखा जाये तो कश्मीर धीरे-धीरे सामान्य स्थिति की ओर बढ़ रहा है। पर्यटन, निवेश और शिक्षा जैसे क्षेत्रों में सकारात्मक बदलाव दिखाई दे रहे हैं। लेकिन महबूबा मुफ्ती जैसे नेताओं के ऐसे बयान युवाओं में भ्रम और असंतोष फैलाकर माहौल को अस्थिर कर सकते हैं। यह कहना कि अनुच्छेद 370 हटाने का समर्थन करने वाले अब 'उसका दर्द' झेल रहे हैं, वस्तुतः केंद्र सरकार की नीतियों को कटघरे में खड़ा करने और लोगों के मन में असुरक्षा पैदा करने की कोशिश है।

देखा जाये तो महबूबा मुफ्ती का बयान लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा से अधिक राजनीतिक ज़मीन तलाशने का प्रयास प्रतीत होता है। सच्चाई यह है कि लोकतंत्र तभी मज़बूत होता है जब कानून का शासन सर्वोपरि

हो। यदि कोई भी व्यक्ति–चाहे वह आम नागरिक हो या विधायक, कानून तोड़ेगा, तो उसके खिलाफ कार्रवाई अनिवार्य है। कश्मीर को आगे बढ़ाने के लिए ज़रूरी है कि स्थानीय नेता जिम्मेदारी से बोलें और ऐसे वक्तव्यों से बचें जो शांति-प्रक्रिया को बाधित कर सकते हैं। महबूबा मुफ्ती को समझना होगा कि कश्मीर अब भय और भ्रम की राजनीति से आगे बढ़ चुका है। ऐसे बयान न केवल ग़लतबयानी हैं बल्कि युवाओं को भटकाने वाले भी साबित हो सकते हैं।

धीरेंद्र शास्त्री का संदेश : पड़ोसी देशों से सीखो, सामाजिक समरसता ही देश को बचाएगी

वाराणसी (एजेंसी)। बागेश्वर धाम सरकार आचार्य धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने शनिवार को उत्तर प्रदेश के वाराणसी स्थित भगवान विश्वनाथ मंदिर में दर्शन किए और कहा कि देश को बचाना है और अगर हम नहीं चाहते कि भारत की स्थिति हमारे पड़ोसी देशों जैसी हो, तो देश में सामाजिक समरसता का होना ज़रूरी है। आचार्य धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने कहा कि सामाजिक समरसता को बढ़ावा देने और भारत को हिंदू राष्ट्र बनाने के लिए वे 7 नवंबर से 16 नवंबर तक पदयात्रा करेंगे। अपनी पदयात्रा पर मीडिया से बात करते हुए शास्त्री ने कहा कि काशी आकर बहुत अच्छा लग रहा है। हम सामाजिक समरसता और भारत को हिंदू राष्ट्र बनाने के लिए 7 नवंबर से 16 नवंबर तक पदयात्रा करने जा रहे हैं। इसके लिए हमने आज भगवान विश्वनाथ के चरणों में प्रार्थना की। देश को बचाना होगा। अगर हम नहीं चाहते कि भारत की स्थिति हमारे पड़ोसी देशों जैसी हो, तो देश में सामाजिक समरसता जरूरी है। वैमनस्य दूर करना बहुत जरूरी है। भारत को हिंदू राष्ट्र घोषित करना बहुत जरूरी है। भारत एक अघोषित हिंदू राष्ट्र है। लोगों के विचारों और दिलों में भारत को हिंदू राष्ट्र बनाना जरूरी है। यहां से हम गया जी जाएंगे। इससे पहले, शुक्रवार को, मॉरीशस के प्रधानमंत्री डॉ. नवीनचंद्र रामगुलाम ने भगवान शिव को समर्पित काशी विश्वनाथ मंदिर में पूजा-अर्चना और अनुष्ठान किए। बाद में, उन्होंने अपने आधिकारिक यात्रा कार्यक्रम के तहत अयोध्या में श्री राम जन्मभूमि मंदिर जाकर अपनी आध्यात्मिक यात्रा जारी रखी। प्रधानमंत्री रामगुलाम के मंदिर दौरे के बाद X पर एक पोस्ट में, विदेश मंत्रालय ने कहा कि इस यात्रा ने दोनों देशों के बीच ऐतिहासिक संबंधों को और मजबूत किया है।

उद्धव के विरोध के बाद नितेश राणे का पलटवार, आदित्य ठाकरे बुर्का पहनकर देखेंगे भारत-पाक मैच

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र के मंत्री नितेश राणे ने एशिया कप 2025 में आगामी भारत बनाम पाकिस्तान मैच का विरोध करने के लिए शनिवार को आदित्य ठाकरे की आलोचना की और कहा कि वह %बुर्का% पहनकर मैच देखेंगे। राणे ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि आदित्य ठाकरे भारत-पाकिस्तान मैच बुर्का पहनकर छुपकर देखेंगे। ठाकरे का मज़ाक उड़ाते हुए राणे ने यह भी कहा कि उनकी आवाज़ उनकी पहचान छिपाने में मदद करेगी। उन्होंने कहा कि अगर वह बुर्का पहनकर उस आवाज़ में बात करें, तो कौन जानेगा कि वह आदित्य ठाकरे हैं।

महाराष्ट्र के मंत्री नितेश राणे ने कहा कि क्या सामना या उद्धव ठाकरे को भारत-पाकिस्तान मैच पर टिप्पणी करने का नैतिक अधिकार है? उद्धव ठाकरे के एक सांसद की रैली के दौरान %पाकिस्तान ज़िंदाबाद% के नारे लगे, हरे झंडे लहराए गए, हरा गुलाल उड़ाया गया और %सर तन से जुदा% जैसे नारे लगाए गए। तो फिर उन्होंने तब पाकिस्तान के प्रति गुस्सा क्यों नहीं जताया? इससे पहले शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने शनिवार को आगामी एशिया कप 2025 में पाकिस्तान के खिलाफ होने वाले मैच में भारत की भागीदारी पर सवाल उठाते हुए आरोप लगाया कि सरकार राजनीति और व्यापार को देशभक्ति के साथ मिला रही है।

पत्रकारों को संबोधित करते हुए, ठाकरे ने कहा कि हमारे प्रधानमंत्री ने कहा था कि खून और पानी एक साथ नहीं बह सकते, तो खून और क्रिकेट एक साथ कैसे बह सकते हैं? युद्ध और क्रिकेट एक साथ कैसे हो सकते हैं?... उन्होंने देशभक्ति का धंधा किया है। देशभक्ति का धंधा सिर्फ़ पैसे के लिए है। वे कल भी मैच खेलने जा रहे हैं क्योंकि उन्हें उस मैच से मिलने वाला सारा पैसा चाहिए। उद्धव ठाकरे ने आगे घोषणा की कि शिवसेना (यूबीटी) की महिला कार्यकर्ता एक प्रतीकात्मक विरोध प्रदर्शन करेंगी।

उन्होंने कहा कि कल, शिवसेना (यूबीटी) की महिला कार्यकर्ता महाराष्ट्र की सड़कों पर उतरेंगी और वे हर घर से प्रधानमंत्री मोदी को सिंदूर भेजेंगी। इस बीच, भाजपा सांसद अनुराग ठाकुर ने कहा है कि एसीसी या आईसीसी द्वारा आयोजित बहुराष्ट्रीय टूर्नामेंटों में भाग लेना देशों के लिए एक बाध्यकारी बात है, लेकिन भारत पाकिस्तान के साथ द्विपक्षीय टूर्नामेंट नहीं खेलता है और जब तक देश पर आतंकवादी हमले बंद नहीं हो जाते, तब तक वह इनसे बचता रहेगा। यह बात दोनों देशों के बीच आगामी एशिया कप 2025 मैच से पहले कही गई है।

नक्सलियों की मौत से डरी कुख्यात महिला नक्सली सुजाता ने किया सरेंडर

–एक करोड़ का था इनाम, दक्षिण बस्तर में कई सालों से थी सक्रिय

बीजापुर (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ में सुरक्षा बलों के बढ़ते दबाव और एंटी नक्सल ऑपरेशन को देखते हुए एक करोड़ की इनामी कुख्यात महिला नक्सली सुजाता ने सरेंडर कर दिया है। सुजाता के सरेंडर से बस्तर संभाग में नक्सलियों के खिलाफ चलाए जा रहे मुहिम के बीच माओवादियों संगठन को एक और बड़ा झटका लगा है। सुजाता दक्षिण बस्तर में कई सालों से सक्रिय थी और नक्सलियों के दक्षिण सब जोन ब्यूरो इंचार्ज रह चुकी है। सुजाता पर एक करोड़ का इनाम घोषित किया गया था।

मीडिया रिपोर्ट में पुलिस सूत्रों ने बताया कि सुजाता ने तेलंगाना में सरेंडर किया है। उसके सरेंडर से माओवादी संगठन को झटका लगा है। खास बात यह है कि सुजाता कुख्यात नक्सली कमांडर किशनजी की पत्नी है, जो कुछ साल पहले पश्चिम बंगाल में मुठभेड़ में मारा गया था। सरेंडर करने वाली सुजाता खुद सीसी मेंबर है और कई राज्यों में उस पर लाखों का इनाम घोषित कर रखा है।

पुलिस सूत्रों के मुताबिक सुजाता लंबे समय से छत्तीसगढ़ के बस्तर संभाग में सक्रिय रहकर बड़े हमलों की साजिश रचने में शामिल रही है। सुजाता के सरेंडर को छत्तीसगढ़ से नक्सलवाद को खत्म करने के अभियान में बड़ी सफलता माना जा रहा है। छत्तीसगढ़ में सुरक्षा बलों द्वारा लगातार एंटी नक्सल ऑपरेशन चलाया जा रहा है। इस बार बारिश में भी ऑपरेशन चलाया जा रहा है और एनकाउंटर में शीर्ष माओवादी मारे जा रहे हैं।

बता दें छत्तीसगढ़ में माओवादी संगठनों को एक के बाद एक झटके लग रहे हैं। दो दिन पहले छत्तीसगढ़ के गरियाबंद जिले में पुलिस एनकाउंटर में 10 नक्सली मारे गए थे, जिसमें एक करोड़ का इनामी नक्सली सीसी मेंबर मनोज उर्फ बालकृष्ण भी शामिल था। गरियाबंद में मारे गए सभी 10 नक्सलियों पर 2.40 करोड़ रुपए का इनाम घोषित था। वहीं एक दिन पहले बीजापुर जिले में सुरक्षा बलों ने दो नक्सलियों को ढेर कर दिया था। नक्सलियों की पहचान हिड़मा पोड़ियाम और मुन्ना मड़कम के रूप में हुई थी। दोनों पर 8-8 लाख रुपए का इनाम था। मुठभेड़ स्थल से एक 303 रायफल, एक नग 12 बोर बंदूक समेत विस्फोटक सामान बरामद किया गया है।

जन्म प्रमाण पत्र से नहीं बनेगा बच्चों का आधार कार्ड, अब माता-पिता का दस्तावेज हुआ अनिवार्य

पटना (एजेंसी)। हर भारतीय नागरिक की पहचान का अहम दस्तावेज आधार कार्ड बन चुका है। चाहे बैंक खाता खुलवाना हो या स्कूल में बच्चों का दाखिला करवाना हो या फिर सरकारी योजनाओं का लाभ उठाना हो, सब जगह आधार कार्ड की जरूरत पड़ती है। लेकिन अब बच्चों के आधार कार्ड बनवाने की प्रक्रिया में बड़ा बदलाव किया गया है। अब तक बच्चों का आधार कार्ड बनवाने के लिए केवल जन्म प्रमाण पत्र ही पर्याप्त माना जाता था। लेकिन अब भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण (यूआईडीएआई) ने नियमों में संशोधन किया है। यूआईडीएआई ने स्पष्ट किया है कि बच्चों का आधार कार्ड बनवाने के लिए केवल जन्म प्रमाण पत्र पर्याप्त नहीं होगा। अब इसके साथ माता-पिता के पहचान और पते से जुड़े दस्तावेज भी अनिवार्य होंगे। यानी बच्चे का आधार उसके माता या पिता के आधार और पहचान पत्र से लिंक होकर ही बनेगा। इस नियम के तहत बच्चे की उम्र, पहचान और पते की पुष्टि के लिए माता-पिता के दस्तावेज जांचे जाएंगे। इससे आधार प्रक्रिया और भी मजबूत और पारदर्शी बनेगी। साथ ही इससे यह सुनिश्चित होगा कि बच्चे की पहचान सही है और उसका रिकॉर्ड सरकारी डाटाबेस में सुरक्षित है।

* माता-पिता के निम्नलिखित दस्तावेज होंगे जरूरी

बच्चे का आधार बनवाने के लिए माता-पिता के निम्नलिखित दस्तावेज जरूरी होंगे। माता या पिता का आधार कार्ड, वोटर आईडी, पासपोर्ट या पैन कार्ड, घर का बिजली बिल, राशन कार्ड, पासपोर्ट, ड्राइविंग लाइसेंस आदि। इसके अलावा बच्चे का जन्म प्रमाण पत्र जिसमें बच्चे का नाम और जन्म तिथि साफ-साफ अंकित हो। इसके साथ ही 5 साल से कम उम्र के बच्चों का आधार ÷ब्लू आधार÷ के नाम से जाना जाता है। इसमें बच्चे की बायोमेट्रिक जानकारी नहीं ली जाती, बल्कि फोटो और माता-पिता से जुड़े दस्तावेजों के आधार पर कार्ड जारी होता है। जैसे ही बच्चा 5 साल का होता है, उसकी बायोमेट्रिक जानकारी (फिंगरप्रिंट और आइरिस स्कैन) अपडेट करानी होती है। यूआईडीएआई के नियमों के अनुसार, बच्चे का आधार 15 साल की उम्र में दोबारा अपडेट कराना अनिवार्य है। इस दौरान बच्चे की पूरी बायोमेट्रिक जानकारी दोबारा ली जाती है ताकि उसके रिकॉर्ड भविष्य में भी सही और प्रमाणिक बने रहें।

नवबिहार मीडिया प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक डॉ. रामाज्ञा तिवारी द्वारा विश्वेश्वरा पब्लिकेशनंस एलएलपी की ओर से शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा पेट्रोल पंप, रातू, रांची (झारखंड)- 835222 से मुद्रित एवं उद्योग भवन मार्ग, 19 A कोकर औद्योगिक क्षेत्र रांची- 834001 (झारखंड) से प्रकाशित।
संपादक- डॉ. रामाज्ञा तिवारी, कार्यकारी संपादक- भीष्म सिंह, प्रबंध संपादक- पंकज कु. सिंह*, प्रधान संपादक- देवेंद्र सिंह (*पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार), प्रबंधक- नरेंद्र कुमार सिंह. 9334331934, 7903538992, 9570107019, RNI Regn.: JHAHIN/2011/40902